सांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज नया मिजाज

सांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 अंक-64 कोलकाता, मंगलवार 30 अप्रैल 2024, संवत् 2079 पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

लंदन के मेयर चुनाव में दिल्ली के बिजनेसमैन भी कूदे

- पाकिस्तान मूल के नेता सादिक खान से होगा कड़ा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में मेयर पद के लिए दिल्ली मूल के बिजनेसमैन भी रेस में हैं। आगामी 2 मई को ब्रिटिश नगरी में वोट डाले जाएंगे। मेयर पद के लिए दौड़ में शामिल भारतीय मूल के उम्मीदवार तरुण गुलाटी का कहना है कि लंदन के नागरिकों को सभी दलों ने निराश किया है। इसलिए वो लंदन की जिम्मेदारी लेना चाहते हैं ताकि शहर को एक अनुभवी

सीईओ की तरह संभाल सकें। बता दें कि तरुण गुलाटी का मुकाबला लेबर पार्टी के नेता और पाकिस्तानी मूल के सादिक खान से है। लंदन के मौजूदा मेयर सादिक खान पहले मुस्लिम मेयर ही नहीं बल्कि यूरोपियन यूनियन की किसी भी राजधानी के पहले मुस्लिम मेयर हैं। उन्होंने 2016 में अपने प्रतिद्वंद्वी और कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार जैक गोल्डस्मिथ को हराया था।

चुनाव में फिर गूंजने लगा मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा

- एनडीए-इंडिया दोनों लगा रहे एक दूसरे पर आरक्षण खत्म करने का आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के दौरान एक बार फिर मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा गूंजने लगा है। कर्नाटक में ओबीसी कोटे के अंतरगत ही मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा नया नहीं है। लंबे समय से इस मामले पर बहस चल रही है। वहीं हाल ही में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मुस्लिम आरक्षण को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस चाहती है कि लोगों की संपत्ति लेकर उन लोगों में बांट दी जाए जो ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। मोदी ने एक जनसभा के दौरान कहा था कि कांग्रेस चाहती है एस, एसटी और ओबीसी का कोटा मुस्लिमों को दे दिया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि पूरे देश के पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहले कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 5 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण लागू किया जाए।

अब इंदौर में फट गया अक्षय 'बम', मुश्किल में कांग्रेस!

नामांकन वापिसी के अंतिम दिन वापस लिया नाम, बीजेपी में गए

इंदौर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक बार फिर किरकिरी का सामना करना पड़ा है। इंदौर सीट से पार्टी के प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस ले लिया है। नामांकन की समय सीमा समाप्त हो जाने की वजह से अब इस सीट पर कांग्रेस की उम्मीदवारी खत्म हो गई है। अक्षय कांग्रेस को झटका देने के बाद भाजपा में शामिल हो गए हैं। बम मौजूदा भाजपा विधायक रमेश मंडोला के साथ डीसी दफ्तर पहुंचे और अपना नामांकन वापस ले लिया।

बम का यह फैसला कांग्रेस के लिए बेहद चौंकाने वाला है। खबर लिखे जाने तक पार्टी की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अक्षय के साथ एक सेल्फी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उनका भाजपा में

स्वागत किया। विजयवर्गीय ने लिखा, इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम जी का माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी, मुख्यमंत्री मोहन यादव जी और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जी के नेतृत्व में भाजपा में स्वागत है। इस सेल्फी में विजयवर्गीय और अक्षय बम एक वाहन में एक साथ सवार दिख रहे हैं।

एक आदमी के लिए सुप्रीम कोर्ट कैसे आ सकते हो

संदेशखाली मामले में ममता बनर्जी सरकार को लगी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संदेशखाली मामले में पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार के सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सोमवार को शीर्ष न्यायालय ने सीबीआई जांच का विरोध करने पर पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार भी लगाई है। टीएमसी का पूर्व नेता शेख शाहजहां संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन हड़पने के मामले में आरोपी है।

इस मामले में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच सुनवाई कर रही थी। अदालत ने उच्च न्यायालय की तरफ से दिए गए सीबीआई जांच के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। साथ ही राज्य सरकार को कड़ी फटकार भी लगाई है। कोर्ट ने कहा, एक व्यक्ति के हित की रक्षा के लिए राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा कैसा खटखटा सकती है। इधर, राज्य सरकार की तरफ से पेश हुए वकील का कहना है कि वह हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दे रहे हैं, क्योंकि इसमें कई टिप्पणियां राज्य के खिलाफ की गई थीं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी सरकार ने शीर्ष न्यायालय में

याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट के 10 अप्रैल के आदेश में पुलिस बल समेत पूरे राज्य की मशीनरी को हतोत्साहित कर दिया है।

समंदर में साबित की बादशाहत देवदूत बनी भारतीय नौसेना

- हूती विद्रोहियों के चंगुल से छुड़ा लाए ऑइल के टैंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल सागर में इस समय हूती विद्रोहियों का आतंक है। अकसर ईरान समर्थित हूती तेल के टैंकरों पर हमला कर देते हैं और पोतों को हाइजैक करने की भी कोशिश करते हैं। हालांकि भारतीय नौसेना हूती विद्रोही हों या फिर समुद्री लुटेरे, दोनों के लिए काल बनी हुई है। भारत की तरफ बढ़ रहे ऑइल टैंकर शिप पर जब हूती विद्रोहियों ने मिसाइल से हमला किया तो तुरंत भारतीय नौसेना ऐक्टिव हो गई और शिप को सुरक्षित निकाल लिया। भारतीय नौसेना के आईएनएस कोच्चि ने 30 क्रू मेंबर्स को भी सुरक्षित बचा लिया जिसमें से 22 भारतीय थे। जानकारी के मुताबिक सभी क्रू के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। बता दें कि मुसीबत में फंसे ऑइल टैंकर पर पनामा का ध्वज लगा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय नौसेना के विध्वंसक पोत आईएनएस कोच्चि ने 26 अप्रैल को एमवी एंड्रोमेडा स्टार नामक टैंकर पर हमले के बाद कार्रवाई करके त्वरित सहायता की और चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं।

मोदी बोले-कांग्रेस ने कर्नाटक को 'लूट' का एटीएम बनाया

ये एक सेकेंड में गरीबी हटाने का दावा करते हैं, 60 साल सरकार थी, क्यों नहीं हटाया

पुणे/बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कर्नाटक के बागलकोट में जनसभा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक को भी अपनी लूट का एटीएम बना लिया है। इतने कम समय में ही इन लोगों ने कर्नाटक का सरकारी खजाना खाली कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा- आज ये लोग एक झटके में गरीबी हटाने का दावा करते हैं, लेकिन इनकी 60 साल की सरकार, इनकी कई पीढ़ियों का काम गवाह है कि वंचित वर्ग के लिए इनकी मानसिकता क्या रही है। उनके दुख, उनकी तकलीफ से कांग्रेस और उनके साथियों को कोई वास्ता नहीं था। बागलकोट के बाद मोदी महाराष्ट्र के पुणे, सातारा, सोलापुर में भी जनसभाएं करेंगे। इससे पहले मोदी ने रविवार को भी कर्नाटक के बेलगावी, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे और बेल्लारी में चार सभाएं की थीं। कांग्रेस की पहचान उनके पापों के कारण बनी है। उन्होंने कर्नाटक का सरकारी खजाना खाली कर दिया है। विधायकों को विकास निधि का पैसा नहीं मिल रहा है। वो दिन दूर नहीं जब यहां की सरकार अपने अधिकारियों को पेमेंट नहीं दे पाएगी। आपके बच्चे भूखे मर जाएंगे। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार नहीं चला रही। वह वसूली गैंग चला रही है। कांग्रेस के नेता अपनी तिजोरी भरना चाहते हैं। हमारे बेंगलुरु ने देश का नाम ऊंचा किया है, लेकिन कांग्रेस ने इसे टैंकर हब बना दिया है। हुबली में हमारी एक बेटी के साथ बहुत गलत हुआ। उसे चाकू मारा गया।

दुबई में बन रहा है दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट

- 2.92 लाख करोड़ खर्च करेगा यूएई, 400 टर्मिनल गेट होंगे

दुबई (एजेंसी)। यूएई के दुबई में दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने जा रहा है। अलजजीरा के मुताबिक, इसे बनाने में 35 अरब डॉलर, यानी करीब 2.92 लाख करोड़ का खर्च आएगा। दुबई के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मखतूम ने रविवार को सोशल मीडिया पर खुद इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नया एयरपोर्ट दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 5 गुना बड़ा होगा। हर साल यहां से 26 करोड़ पैसेंजर यात्रा करेंगे। यह प्रोजेक्ट दुबई के अल मखतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुरू होगा। यहां 5 पैरेलल रनवे होंगे।

अप्रैल में भीषण गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, '43' रहा पारा

103 साल बाद हुआ ऐसा, मई में लू के थपेड़ों को रहें तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल अप्रैल महीने में ही गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में रविवार का दिन सबसे गर्म रहा। 1921 के बाद अप्रैल महीने में इतनी गर्मी महसूस हुई है। चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़े अभी से इस कदर परेशान कर रहे हैं, मानो अप्रैल नहीं जून का महीना चल रहा हो।

इतनी गर्मी इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि इसने केरल, ऊटी, माथेरान और बेंगलुरु के उन हिस्सों को झुलसाया, जहां आमतौर पर सालभर मौसम खुशनुमा रहता है। कई स्थानों पर पारा 43 तक पहुंचा। मौसम विभाग ने अब मई महीने को लेकर भी भविष्यवाणी की है। अप्रैल महीने में पड़ी गर्मी ने देश के कई स्थानों में ऐतिहासिक रिकॉर्ड

बनाए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 1921-2024 के दौरान अप्रैल महीने में पड़ी गर्मी को लेकर डेटा जारी किया है। जिसके मुताबिक, रविवार शाम को अत्यधिक तापमान दर्ज किया गया।

अमित शाह के एडिटेड वीडियो केस में तेलंगाना सीएम को समन

- दिल्ली पुलिस ने रेवंत रेड्डी को 1 मई को बुलाया, बीजेपी-गृह मंत्रालय ने शिकायत की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एडिटेड वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी को समन जारी किया है। दिल्ली पुलिस रेवंत से 1 मई को पूछताछ करेगी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को एफआईआर दर्ज की थी। वायरल वीडियो में शाह एसटी-एससी और ओबीसी के आरक्षण को खत्म करने की बात करते दिख रहे हैं। हालांकि, न्यूज एजेंसी के फैक्ट चेक में ये वीडियो फेक साबित हुआ है। इस एडिटेड वीडियो को फैलाने को लेकर एक शिकायत भाजपा ने और दूसरी शिकायत गृह मंत्रालय ने की थी। इस वीडियो को लेकर भाजपा ने देशभर में एफआईआर दर्ज करने का फैसला किया है। बीजेपी ने शिकायत में कहा कि अमित शाह ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण खत्म करने को लेकर कोई बात नहीं की है।

अंकल जी ने मूड खराब किया, मैं ठीक करने आया

राहुल गांधी ने दमन में बताया लाख रुपए वाला प्लान

दमन दीव (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए प्रचार जोरशोर से चल रहा है। विरोधी दल एक दूसरे पर जमकर बरस रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर रोजगार छीनने का आरोप लगाते हुए अपनी स्कीम बताई है। राहुल गांदी ने दमन में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य करोड़ों लोगों को लखपती बनाना है। राहुल गांधी ने कहा कि अंकल (पीएम मोदी) ने आपका मूड खराब कर दिया है और मैं उसे ठीक करने आया हूं। राहुल गांधी ने कहा, अगर मोदी जी 20-25 अरबपति बना सकते हैं तो कांग्रेस पार्टी करोड़ों लखपति बना सकती है। उन्होंने कहा, दिल्ली में सरकार आते ही हम प्रफुल्ल पटेल को यहां से दो मिनट में आउट कर देंगे। यहां जो उसने भ्रष्टाचार किया है उनकी पूरी दादागीरी खत्म कर देंगे। राहुल गांधी ने कहा, मैं आपका मूड ठीक करने आया हूं जो मोदी जी ने अंकल जी ने खराब कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा, पहले हिंदुस्तान के हर परिवार की लिस्ट बनाई जाएगी और एक महिला का नाम चुना जाएगा।

देशभर में मारवाड़ियों को साधेंगे अब राजस्थान बीजेपी के नेता

मिशन लोकसभा

- सीएम, डिप्टी सीएम के दौरे तय, भजनलाल शर्मा बंगाल और झारखंड के दौरे पर रहेंगे

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न हो चुका है। ऐसे में अब प्रदेश के नेताओं को देशभर में मारवाड़ियों (राजस्थानियों) को साधने का टास्क दिया गया है। प्रदेश से मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और अन्य प्रदेश स्तरीय नेताओं के दौरे होंगे। देशभर में रहने वाले राजस्थानियों को बीजेपी के पक्ष में करने के लिए इन नेताओं को वहां भेजा जाएगा। प्रदेश के नेता राजस्थानियों के बीच जाकर बीजेपी के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। दरअसल, राजस्थान से बड़ी संख्या में व्यापार के सिलसिले में राजस्थानी देश के अलग-अलग राज्यों में बसे हैं। सालों से इन राज्यों में रहने के कारण वे वहां के स्थानीय वोटर भी हैं। ऐसे में पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों में जहां

राजस्थानियों की तादाद ज्यादा है। वहां प्रदेश के नेताओं को प्रचार के लिए भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को कलकत्ता के लिए रवाना हो गए। वहां वे श्रीरामपुरा लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी की नामांकन सभा और रोड शो में शामिल हुए।

राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर हुआ जबरदस्त धमाका!

लोग बोले-ऐसा लगा जैसे बम फटा हो, दावा- रेगिस्तान में गिरा एक बड़ा उल्कापिंड

बाड़मेर (एजेंसी)। राजस्थान में एक बार फिर उल्कापिंड गिरने का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसके कुछ फोटोज भी शेयर किए जा रहे हैं। इन यूजर्स का कहना है कि यह खगोलीय घटना भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक बाड़मेर में रविवार रात की है। दावा किया जा रहा है कि उल्कापिंड के गिरने से बॉर्डर के एरिया में जोरदार धमाका भी सुनाई दिया। स्थानीय लोगों का कहना है रात करीब 9 बजे बम फटने जैसी आवाज सुनाई दी। हालांकि, पुलिस-प्रशासन ने अब तक उल्कापिंड दिखाई देने या धमाके की पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है कि रविवार रात करीब 9 बजकर 13 मिनट पर बाड़मेर जिले के अलग-अलग एरिया में उल्कापिंड गिरते हुए देखा गया। जिले के चौहटन, धोरीमन्ना के आसमान में चमकती वस्तु दिखाई दी, जो कि तेजी से जमीन की ओर आ रही थी। इसके कुछ सेकेंड बाद चौहटन में एक तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। पाकिस्तान बॉर्डर से करीब 50 किलोमीटर पहले इस कस्बे के लोगों का कहना है कि उन्हें ऐसा लगा जैसे किसी ने आतिशबाजी की है। इसके बाद पुलिस को तेज धमाके की सूचना दी गई। हालांकि, किसी भी अधिकारी ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। राजस्थान के जालोर, पाली, बालोतरा जिले के कुछ क्षेत्रों में उल्कापिंड दिखाई देने का दावा किया जा रहा है।

यात्रियों की हो गई मौज

देश के 80 मार्गों पर रोज चलेंगी अमृत भारत ट्रेनें!

450 अमृत भारत गाड़ियों के निर्माण का रेलवे ने दिया ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे अगले 3 साल के भीतर दिल्ली से पूर्वी भारत के करीब 80 मार्गों पर प्रतिदिन कम से कम 1 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ऑपरेट करने लगेगी। इससे अल्प आय वर्ग के यात्रियों को तेज गति से आरामदेह यात्रा की सुविधा मिलेगी और अन्य गाड़ियों पर उनकी निर्भरता भी घटेगी।

रेल मंत्रालय ने अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के प्रयोग की सफलता को देखते हुए करीब 450 अमृत भारत गाड़ियों के निर्माण का ऑर्डर दे दिया है। तीन से चार साल में ये गाड़ियां पटरियों पर दौड़ती नजर आएंगी। इसके अलावा मौजूदा एलएचबी रैक वाली गाड़ियों को भी धीरे-धीरे अमृत भारत ट्रेन सेट की डिजायन में ढाला जाएगा। सेमी परमानेंट कपलर और दोनों ओर इंजन लगा कर इसकी दक्षता को बढ़ाया जाएगा। बजट में 3000 ट्रेनों को अमृत भारत तकनीक से आधुनिकीकृत करने की बात कही गई है। सूत्रों के अनुसार, रेलवे की योजना है कि 3-4 साल के भीतर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, ओडिशा और पूर्वोत्तर के 80 मार्गों पर कम से कम 1 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन रोजाना चलाने की है। इससे पूर्व की ओर जाने वाली गाड़ियों में दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा।

मालदा दक्षिण सीट से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार ईशा खान चौधरी ने जीत का भरोसा जताया, कहा- जनता हमारे साथ है

मालदा। मालदा दक्षिण सीट से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार ईशा खान चौधरी ने सोमवार को विश्वास जताया कि जनता के समर्थन से आगामी चुनाव में दक्षिण और उत्तरी मालदा दोनों में कांग्रेस की जीत होगी। चुनाव. मैं दक्षिण मालदा से खड़ा हूं। स्थिति में हर दिन सुधार हो रहा है... मतदाता एक रणनीतिक निर्णय ले रहे हैं... 2021 में, पूरे पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने अपनी सभी विधायक सीटें खो दीं... जब भी कोई चुनाव आता है भाजपा एनआरसी और सीएए के बारे में बात करना शुरू कर देती है, जब चुनाव खत्म हो जाता है, तो एनआरसी और सीएए के बारे में बात बंद हो जाती है। जनता बहुत सतर्क हो गई है और सोचती है कि यह कोई गंभीर मुद्दा नहीं है अब अपने दिल से स्वतंत्र रूप से ताकि इस बार कोई भय कारक न हो... हमें लगता है कि जनता हमारे साथ है, कि कांग्रेस दक्षिण मालदा में जीत हासिल करेगी और उम्मीद है कि उत्तरी मालदा में भी,ज्ज उन्होंने एएनआई को बताया।मालदा दक्षिण लोकसभा सीट पर कांग्रेस के ईशा खान चौधरी का मुकाबला बीजेपी की श्रीरूपा मित्रा चौधरी और टीएमसी के शनावाज़ अली रेहान से होगा। मालदा दक्षिण लोकसभा क्षेत्र में सात विधानसभा क्षेत्र मानिकचा, इंग्लिश बाजार, मोथाबार, सुजापुर, बैष्णब नगर, फरक्का और समसेरगंज शामिल हैं। मालदा साउथ में तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा. इससे पहले, पश्चिम बंगाल भाजपा प्रमुख और बालुरघाट

से लोकसभा उम्मीदवार सुकांत मजूमदार ने विश्वास जताया कि भाजपा दक्षिण मालदा सीट बड़े अंतर से जीतेगी। हमने पिछली बार दक्षिण मालदा को छोड़कर उत्तर बंगाल में लगभग सभी सीटें जीती थीं। इस बार हम सभी सीटें जीतेंगे और हम मालदा दक्षिण सीट बड़े अंतर से जीतेंगे। यहां, भाजपा उत्तर बंगाल में 100 प्रतिशत जीत हासिल करेगी।ज्ज उन्होंने रविवार को एएनआई को बताया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, च्ज्ममता बनर्जी जहां भी जा रही हैं, जनता उन्हें च्चोरज च्चोरज कह रही है. वहीं, पीएम मोदी कई सालों से हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन नहीं किसी ने उन पर उंगलियां उठाई हैं। मजूमदार ने आगे कहा, च्च्लोगों ने ममता बनर्जी के परिवार पर कालीघाट में 35 भूखंडों का मालिक होने का आरोप लगाया। न तो टीएमसी और न ही उनके परिवार ने इस संबंध में कोई टिप्पणी की है, इसलिए यह स्पष्ट है कि वे इन भूखंडों के मालिक हैं।ज्जपश्चिम बंगाल, जो संसद में 42 सांसद भेजता है, सभी सात चरणों में मतदान हो रहा है। चरण एक और दो के लिए मतदान क्रमशः 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को हुआ था। शेष संसदीय क्षेत्रों के लिए मतदान 4 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे। मतों की गिनती 4 जून को की जाएगी। मालदा दक्षिण से निवर्तमान सांसद और कांग्रेस नेता अबू हासेम खान चौधरी (डालू) 2009 से इस सीट से जीतते आ रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वोट आधार कम होता जा रहा है। 2019 के लोकसभा चुनावों में, श्रीरूपा मित्रा चौधरी पर अबू हासेम की जीत का अंतर सिर्फ 0.6 प्रतिशत था। भाजपा नेता खगेन मुर्मू मालदा उत्तर से मौजूदा सांसद हैं और उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में 509,524 वोटों से जीत हासिल की। तृणमूल कांग्रेस की मौसम नूर 425,236 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। कांग्रेस के ईशा खान चौधरी 305270 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। राज्य के अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच है।हालांकि टीएमसी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है, लेकिन राज्य में कांग्रेस और वामपंथी दलों जैसे गठबंधन में अन्य दलों के साथ उसकी सीट-बंटवारे की व्यवस्था नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी ने राज्य में 34 सीटें जीती थीं, जबकि बीजेपी को सिर्फ 2 सीटों से संतोष करना पड़ा था. सीपीआई (एम) ने 2 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 4 सीटें मिलीं। हालाँकि, भाजपा ने 2019 के चुनावों में बहुत बेहतर प्रदर्शन किया, टीएमसी की 22 सीटों के मुकाबले 18 सीटें जीतीं। कांग्रेस की सीटें घटकर सिर्फ 2 सीटें रह गईं, जबकि वामपंथियों को एक भी सीट नहीं मिली।

एनआईटी दुर्गापुर का छात्र मृत पाया गया, छात्रों ने शैक्षणिक दबाव के लिए संस्थान को जिम्मेदार ठहराया

दुर्गापुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर के बड़ी संख्या में छात्रों ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष के छात्र की मौत पर एनआईटी दुर्गापुर के निदेशक के इस्तीफे की मांग करते हुए कॉलेज परिसर में विरोध प्रदर्शन किया.राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर के छात्र अर्पण घोष को रविवार दोपहर अपने छात्रावास के कमरे के अंदर लटका हुआ पाया गया। संस्थान के निदेशक अरविंद चौबे ने बताया कि यह आत्महत्या का मामला है और पुलिस इस पर जांच कर रही है. एनआईटी दुर्गापुर के निदेशक अरविंद चौबे ने कहा, च्च्एक आत्महत्या का मामला हुआ है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।ज्जसाथी छात्रों ने संस्थान पर शैक्षणिक दबाव और उपेक्षा का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। संस्थान परिसर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब बड़ी संख्या में छात्र इकट्ठा हो गए और संस्थान के खिलाफ नारे लगाने लगे। छात्रों का आरोप है कि उन्हें अध्ययन के पर्याप्त समय से वंचित किया गया है और बिना किसी राहत के उन्हें लगातार परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे वे अत्यधिक तनाव में हैं। उनका दावा है कि अर्पण घोष की आत्महत्या इस शैक्षणिक बोझ का सीधा परिणाम है। इसके अलावा, छात्र एम्बुलेंस की अनुपस्थिति सहित परिसर में अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं की शिकायत करते हैं। दूसरे वर्ष के एक छात्र ने दावा किया, च्च्हमारे दोस्त ने आत्महत्या कर ली। परीक्षा के कारण उस पर दबाव था। एक दिन में वे दो पेपर शेड्यूल कर रहे हैं, वह भी बिना अध्ययन अंतराल के। उसके पास तीन बैकलॉग थे।ज्ज च्जब हमने एम्बुलेंस मांगी, तो बस एक ही थी। कोई भी उसके बचाव में नहीं आया, छात्रों को उसका शव उठाना पड़ा। जब हम एम्बुलेंस मांग रहे थे, तो वे हस्ताक्षर और नुस्खे मांग रहे थे। वह आईसीयू में भर्ती थे और वह मर गया,ज्ज उन्होंने आगे कहा। छात्रों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ अर्पण घोष के लिए न्याय की मांग की, बल्कि कॉलेज निदेशक अरविंद चौबे पर भी लापरवाही का आरोप लगाया. तनाव तब बढ़ गया जब छात्रों की कॉलेज प्रशासन के साथ हाथापाई हो गई।

बंगाल बीजेपी प्रमुख सुकांत मजूमदार का कहना है कि बीजेपी दक्षिण मालदा सीट बड़े अंतर से जीतेगी

मालदा। पश्चिम बंगाल भाजपा प्रमुख और बालुरघाट से लोकसभा उम्मीदवार सुकांत मजूमदार ने विश्वास जताया कि भाजपा दक्षिण मालदा सीट बड़े अंतर से जीतेगी। च्च्हमने पिछली बार दक्षिण मालदा को छोड़कर उत्तर बंगाल में लगभग सभी सीटें जीती थीं। इस बार हम सभी सीटें जीतेंगे और हम मालदा दक्षिण सीट बड़े अंतर से जीतेंगे। यहां, भाजपा उत्तर बंगाल में 100 प्रतिशत जीत हासिल करेगी।ज्ज उन्होंने रविवार को एएनआई को बताया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, च्ज्ममता बनर्जी जहां भी जा रही हैं, जनता उन्हें च्चोरज च्चोरज कह रही है. वहीं, पीएम मोदी कई सालों से हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन कोई नहींज्ज उन पर उंगलियां उठाई हैं।ज्ज मजूमदार ने आगे कहा, च्च्लोगों ने ममता बनर्जी के परिवार पर कालीघाट में 35 भूखंडों का मालिक होने का आरोप लगाया। न तो टीएमसी और न ही उनके परिवार ने इस संबंध में कोई टिप्पणी की है, इसलिए यह स्पष्ट है कि वे इन भूखंडों के मालिक हैं। दक्षिण मालदा में तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा.बीजेपी ने दक्षिण मालदा से टीएमसी के शनावाज़ अली रेहान और कांग्रेस के ईशा खान चौधरी के खिलाफ श्रीरूपा मित्रा चौधरी को मैदान में उतारा है। मालदा दक्षिण लोकसभा क्षेत्र में सात विधानसभा क्षेत्र मानिकचा, इंग्लिश बाजार, मोथाबार, सुजापुर, बैष्णब नगर, फरक्का, समसेरगंज शामिल हैं।पश्चिम बंगाल, जो

संसद में 42 सांसद भेजता है, सभी सात चरणों में मतदान हो रहा है। चरण एक और दो के लिए मतदान क्रमशः 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को हुआ था। शेष संसदीय क्षेत्रों के लिए मतदान 4 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे। मतों की गिनती 4 जून को की जाएगी। दक्षिण मालदा से निवर्तमान सांसद और कांग्रेस नेता अबू हासेम खान चौधरी (डालू) 2009 से इस सीट से जीतते आ रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वोट आधार कम होता जा रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में श्रीरूपा मित्रा चौधरी पर अबू हासेम की जीत का अंतर सिर्फ 0.6 प्रतिशत था। राज्य के अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच है। हालांकि टीएमसी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है, लेकिन राज्य में कांग्रेस और वामपंथी दलों जैसे गठबंधन में अन्य दलों के साथ उसकी सीट-बंटवारे की व्यवस्था नहीं है।2014 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी ने राज्य में 34 सीटें जीती थीं, जबकि बीजेपी को सिर्फ 2 सीटों से संतोष करना पड़ा था. सीपीआई (एम) ने 2 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 4 सीटें मिलीं। हालाँकि, भाजपा ने 2019 के चुनावों में बहुत बेहतर प्रदर्शन किया, टीएमसी की 22 सीटों के मुकाबले 18 सीटें जीतीं। कांग्रेस की सीटें घटकर सिर्फ 2 सीटें रह गईं, जबकि वामपंथियों को एक भी सीट नहीं मिली।

टीएमसी सदस्यों द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं पर कथित हमले के बाद सिलीगुड़ी में 12 घंटे का बंद

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी के माटीगाड़ा इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं के कथित हमले के बाद सोमवार को 12 घंटे के चवरोधज का आह्वान किया। यह घटना रविवार को हुई, जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि पार्टी का समर्थन करने के लिए टीएमसी सदस्यों ने दार्जिलिंग में उन पर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने आज एनएच-31 को भी घंटों तक अवरुद्ध कर दिया और माटीगाड़ा पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए। रविवार को दार्जिलिंग में टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाते हुए बीजेपी कार्यकर्ताओं ने माटीगाड़ा पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया. दुर्व्यवहार का अनुभव करने वाले भाजपा कार्यकर्ता नंद किशोर ठाकुर ने घटना का वर्णन किया। ठाकुर के अनुसार, 26 अप्रैल को मतदान के बाद वह और अन्य भाजपा कार्यकर्ता शांतिपूर्वक घर

लौट आए। हालाँकि, बाद में, भाजपा का समर्थन करने के लिए टीएमसी कार्यकर्ताओं द्वारा उनके साथ मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किया गया और कल शाम उन पर हमला किया गया। मतदान (26 अप्रैल को) समाप्त होने के बाद, हम शांति से अपने घर चले गए। वे (टीएमसी) आए और गाली देने लगे कि मैं भाजपा का समर्थन करता हूं। हमने ग्राम प्रधान और पूर्व ग्राम प्रधान को सूचित किया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। कल, 25 -30 लोग हमारे घर आए और हम पर हमला किया, और सात लोग घायल हो गए, वे टीएमसी के थे,ज्ज भाजपा कार्यकर्ता नंद किशोर ठाकुर ने रविवार को कहा। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने माटीगाड़ा पुलिस स्टेशन में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने इसे दर्ज करने से इनकार कर दिया। दार्जिलिंग, रायगंज और बालुरघाट में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान हुआ। मालदा उत्तर और मालदा दक्षिण की दो सीटों पर 7 मई को तीसरे चरण में मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के लिए सात चरणों में मतदान हो रहा है. सभी 543 सीटों के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे. पश्चिम बंगाल में 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 22 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा ने 18 सीटें जीतीं। कांग्रेस दो सीटों पर विजयी रही.

लोकसभा चुनाव: कबीर शंकर बोस ने बंगाल के सेरामपुर से भाजपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया

हुगली। पश्चिम बंगाल में सेरामपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार कबीर शंकर बोस ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सेरामपुर में पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने सेरामपुर से भाजपा के देबजीत सरकार को 98,536 के अंतर से हराया। पश्चिम बंगाल, जो संसद में 42 सांसद भेजता है, सभी सात चरणों में मतदान हो रहा है। बंगाल की छह लोकसभा सीटों पर पहले और दूसरे चरण में क्रमशः 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। शेष संसदीय सीटों के लिए मतदान 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। राज्य के अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य मुकाबला है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच. हालांकि टीएमसी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है, लेकिन राज्य में कांग्रेस और वामपंथी दलों जैसे गठबंधन में अन्य दलों के साथ उसकी सीट-बंटवारे की व्यवस्था नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी ने राज्य में 34 सीटें जीती थीं, जबकि बीजेपी को सिर्फ 2 सीटों से संतोष करना पड़ा था. सीपीआई (एम) ने 2 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 4 सीटें हासिल कीं।

उत्तरी दिनाजपुर में कुछ स्थानीय युवकों के साथ महिलाओं के समूह ने अवैध शराब अड्डे में तोड़फोड़ की

कुछ स्थानीय युवकों के साथ महिलाओं के एक समूह ने रविवार को उत्तरी दिनाजपुर में एक अवैध शराब अड्डे में तोड़फोड़ की और ऐसी दुकानों के तेजी से बढ़ने के विरोध में एक घंटे के लिए सड़क को अवरुद्ध कर दिया। रविवार की सुबह चोपड़ा प्रखंड के मझियाली स्थित शराब के अड्डे के पास महिलाएं लाठी-डंडा लेकर जमा हो गईं। बाद में वे मांद में घुस गए और तोड़फोड़ की। उन्होंने मालिक के घर पर भी हमला किया. ऐसे जहरीली शराब के अड्डों के कारण क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। साथ ही, महिलाओं का एक वर्ग घरेलू हिंसा का शिकार हो रहा है क्योंकि उनके नशे में धुत्त पति छोटी-छोटी बातों पर उन पर हमला कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में शामिल हुई एक महिला ने कहा, च्च्आस-पास के इलाकों से शरारती तत्व शाम को

जमा होते हैं और उपद्रव करते हैं। पीड़ित महिलाओं ने मांद से बर्तन और अन्य सामान बाहर निकाला और उन्हें आग लगाने से पहले सड़क पर फेंक दिया और गांवों को जोड़ने वाली एक स्थानीय सड़क को अवरुद्ध कर दिया। च्च्हम चाहते हैं कि पुलिस मझियाली और उसके आसपास बने ऐसे सभी अवैध अड्डों को नष्ट कर दे। वरना, ऐसे अड्डे चलाने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा,ज्ज एक अन्य महिला ने कहा। जैसे-जैसे नाकाबंदी जारी रही, भारत-बांग्लादेश सीमा को जोड़ने वाली सड़क पर यातायात की आवाजाही रुक गई। कुछ देर बाद चोपड़ा थाने की एक टीम और कुछ स्थानीय तृणमूल नेता मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया. एक घंटे बाद जाम हटा लिया गया.

बंगाल सफारी पार्क में एयर कूलर, वॉटर जेट स्प्रे, बांस की छाया और स्टैंड पंखे का उपयोग किया

बंगाल। जानवरों और पक्षियों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए सिलीगुड़ी के बाहरी इलाके में बंगाल सफारी पार्क में एयर कूलर, वॉटर जेट स्प्रे, बांस शेड और स्टैंड पंखे तैनात किए जा रहे हैं। हालांकि यहां कोई लू नहीं है, लेकिन दिन के समय पारा 37-38 डिग्री सेल्सियस को छू रहा है, जिससे जानवरों को असुविधा हो रही है। च्च्हमारे पार्क में जानवरों, मांसाहारी और शाकाहारी जानवरों की विभिन्न प्रजातियाँ हैं, साथ ही बड़ी संख्या में पक्षी भी हैं। गर्मी के कारण, हम उन्हें आरामदायक रखने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं, च्च्पार्क में तैनात एक अधिकारी ने कहा। इसे उत्तर बंगाल वन्य पशु पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह इस क्षेत्र का एकमात्र खुली हवा वाला प्राणी उद्यान है। यह महानंदा वन्यजीव अभयारण्य के किनारे ह॥-10 पर 297 हेक्टेयर में फैला हुआ है। एशियाई काले भालुओं के बाड़ों में एयर-कूलर और पेडस्टल पंखे लगाए गए हैं। रॉयल बंगाल टाइगर और शेरों के जोड़े जैसे जानवरों के लिए पानी के छिड़काव और स्प्रेयर का उपयोग किया जाता है अभी तक, पार्क में 14 बाघ हैं, जिनमें पाँच

नवजात शावक भी शामिल हैं। हम इन सभी शावकों और उनकी मां शिला के स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।ज उनके आराम के लिए तीन एयर-कूलर और इतनी ही संख्या में स्टैंड पंखे लगाए गए हैं, च्च्अधिकारी ने कहा। पिछली सर्दियों में, त्रिपुरा से शेरों का एक जोड़ा पार्क में लाया गया था। च्च्शेरों के लिए भी इसी तरह की व्यवस्था की गई है, जो अभी भी नए वातावरण के अनुकूल हो रहे हैं। उन्हें अभी भी सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए खुले बाड़े में छोड़ा जाना बाकी है, च्च्अधिकारी ने कहा। पार्क अधिकारियों ने जानवरों के आहार में भी कुछ बदलाव लाए हैं। पशुओं के बाड़ों में आपूर्ति की जाने वाली ओआरएस की मात्रा बढ़ा दी गई है। दूसरी ओर, शेरों और बाघों के लिए प्रोटीन की मात्रा कम कर दी गई है। आमतौर पर, प्रत्येक वयस्क शेर और बाघ को 8-10 किलोग्राम मांस प्रदान किया जाता है। आजकल इसकी मात्रा कम कर दी गई है. साथ ही जगह-जगह बांस से बने शेड भी लगाए गए हैं पार्क के स्थानों, विशेष रूप से पक्षियों को ठंडा रखने के लिए खुली हवा वाली एवियरी में, एक सूत्र ने कहा।

कोलकाता में गोदाम में आग लग गई, दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची

कोलकाता। एक अधिकारी ने कहा कि सोमवार सुबह कोलकाता में एक गोदाम में आग लग गई। मौके पर दमकल की सात गाड़ियां पहुंच गई हैं और आग पर काबू पाने का काम जारी है. दुर्घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

लोकसभा चुनाव: थर्ड फेज में 5 सीटों के चप्पे-चप्पे पर सेंट्रल फोर्स के 50 हजार जवान रखेंगे नजर

पटना, एजेंसी। बिहार में लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के पांच सीटों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न को लेकर करीब 50 हजार से अधिक अर्धसैनिक बलों की तैनाती होगी। तीसरे चरण में पांच लोकसभा क्षेत्रों झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा व खगड़िया में चुनाव होना है। दो चरणों के मतदान संपन्न होने के बाद तीसरे चरण के चुनाव क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती की प्रक्रिया रविवार से शुरू हो गयी है। दूसरे चरण के पांच संसदीय क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने के बाद व अन्य जिलों से तीसरे चरण के पांच लोकसभा चुनाव क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को पहुंचाया जा रहा है। इनमें केंद्रीय अर्धसैनिक बल एवं बिहार सैन्य पुलिस बल (बी-सैप) के पदाधिकारी व कर्मी शामिल हैं। माना जा रहा है कि इससे मतदाताओं में कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और मतदान का प्रतिशत सुधरेगा। 44 हजार अर्धसैनिक बलों की थी तैनाती-लोकसभा चुनाव के लिए स्टेट नोडल पुलिस ऑफिसर सह एडीजी, मुख्यालय जितेंद्र सिंह गंगवार के अनुसार दूसरे चरण के पांच लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव को लेकर 44 हजार अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गयी थी। इसके अतिरिक्त 18 हजार गृह रक्षक, जिला पुलिस बल के कर्मियों को भी तैनात किया गया था। जानकारी के अनुसार इस चरण के चुनाव को लेकर चुनाव आयोग द्वारा सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षकों की भी तैनाती की गयी है। वहीं, संवेदनशील बूथों को चिन्हित कर वहां सख्त सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। चुनाव आयोग के अनुसार सभी बूथों पर हथियारबंद अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी।

सोशल मीडिया सेंटर से रखी जा रही नजर

तीसरे चरण के चुनाव को लेकर सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा व खगड़िया में होने वाली सभी घटनाओं को लेकर होने वाली प्रतिक्रियाओं को भी निगरानी के दायरे में रखा गया है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया एकाउंट की निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही, तुरंत किसी भी प्रकार की असत्य सूचना को लेकर पुलिस मुख्यालय द्वारा वास्तविक स्थिति की जानकारी भी सोशल मीडिया के माध्यम से दी जा रही है।

153 कंपनी अर्धसैनिक बल बिहार में मौजूद

बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर भारत सरकार द्वारा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 153 कंपनियां उपलब्ध करायी गई है। सभी जिलों में अर्धसैनिक बलों की दो-दो कंपनियां स्थायी रूप से उपलब्ध है। सुरक्षा बलों की ये कंपनियां मतदान के बाद भी उन्हीं जिलों में रखी जा रही हैं। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे इलाकों के जिलों को संवेदनशील मानते हुए वहां विशेष बल उपलब्ध कराए गए हैं। जबकि, बाकी बलों को चरणवार मतदान संपन्न होने वाले जिलों से दूसरे चरण के मतदान वाले जिलों में स्थानांतरित किया जा रहा है।

सेंट्रल कंट्रोल कमांड सेंटर सक्रिय

पुलिस मुख्यालय के अनुसार तीसरे चरण के मतदान के दिन पुलिस मुख्यालय में बनाए गए पुलिस सेंट्रल कंट्रोल कमांड सेंटर सक्रिय रहेगा। वहां पहले व दूसरे चरण की तरह तीसरे चरण के चुनाव में भी पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी की तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही, सेंटर में पुलिस पदाधिकारियों को सहयोग के लिए जिम्मेवारी सौंपी जाएगी।

इस चरण के क्षेत्रों में 7 मई को मतदान

इस चरण के पांच लोकसभा क्षेत्रों में कुल 54 प्रत्याशी चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस चरण में झंझारपुर क्षेत्र से 10 उम्मीदवार, सुपौल से 15 उम्मीदवार, अररिया से 9, मधेपुरा से 8 और खगड़िया से 12 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इस चरण में मतदान 7 मई को निर्धारित है। इन क्षेत्रों में 5 मई की शाम को चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा। इस चरण की सभी सीटें सामान्य सीटें हैं।

बिहार में झुलसा देने वाली गर्मी, स्किन को काली कर रही सूरज की तपिश

फफोले तक पड़ रहे

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर समेत पूरा मैदानी इलाका सूरज की तपिश में जल रहा है। लग रहा है जैसे कि आसमान से आग बरस रही हो। आलम ये है कि बीते पांच दिनों से दिन का तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के पार रह रहा है। ऐसे में घर से बाहर निकले लोगों की त्वचा व चेहरों को न केवल सूरज की किरणें काला बना रही हैं, बल्कि घातक किरणों से त्वचा पर फफोले तक पड़ रहे हैं और जलन होने से त्वचा लाल हो जा रही है। लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और पसीने के कारण त्वचा के बीमारों की संख्या में वृद्धि हो चली है।

जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (मायागंज अस्पताल) के त्वचा रोग के ओपीडी में धूप-गर्मी, पसीना से होने वाले त्वचा रोग, घमौरिया, इंफेक्शन आदि के मामलों में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है। इसमें से छह से सात मरीज तो सन टैनिंग व सन बर्न के ही मिल रहे हैं। अगर सन टैनिंग व सन बर्न की अलग-अलग बात करें तो रोजाना पांच से छह मामले सन टैनिंग के होते हैं तो छह से सात मरीज प्रति सप्ताह की दर से सन बर्न के।

अब तो एसपीएफ 30 क्रीम तक नहीं कर रहा है काम

त्वचा एवं सौंदर्य रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या सिंह कहती हैं कि सन बर्न के मरीज जहां इक्का-दुक्का आ रहे हैं तो वहीं सन टैनिंग के मरीज ज्यादा मिल रहे हैं। इन दिनों सूरज की किरणें इस कदर घातक हो चली हैं कि एसपीएफ (सन प्रोटेक्शन फैक्टर)-30 सन स्क्रीन क्रीम तक असर नहीं कर रही हैं। ऐसे में अब मरीजों को एसपीएफ-50 सन स्क्रीन क्रीम लगाने की सलाह दे रही है, जो असरदार भी है। लेकिन कोई भी क्रीम लगाने या फिर दवा खाने से पहले त्वचा रोग के डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

सन टैनिंग से ज्यादा खतरनाक है सन बर्न

टैनिंग वह प्रक्रिया है जिसमें त्वचा जैसे ही सूरज की किरणों के संपर्क में आती है तो त्वचा का रंग (मेलेनिन) बढ़ जाता है, जिससे त्वचा में कालापन आ जाता है। यह हमारे शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रक्रिया है जो आपकी त्वचा को ढाल की तरह धूप से बचाती है। हालांकि, जिन लोगों की त्वचा का रंग हल्का होता है, उनकी स्किन में मेलेनिन की मात्रा कम होती है। यही वजह है कि मेलेनिन उनकी त्वचा को पूरी तरह से बचा नहीं पाता और टैनिंग की जगह वे सन बर्न से जूझते हैं। वहीं, सन बर्न एक तरह का इंफ्लामेशन है जिसमें छाले, सूजन, दाने और त्वचा के छिलने जैसे लक्षण होते हैं और यह यूवी किरणों से होने वाले नुकसान के कारण होता है, जो अक्सर सूरज के संपर्क में आने के कुछ घंटों के बाद होता है। यह खतरनाक होता है, जो त्वचा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही इससे वक्त से पहले उम्र बढ़ने के संकेत और त्वचा कैंसर भी हो सकता है। सनबर्न ज्यादा खतरनाक होता है। लेकिन आए दिन सन टैनिंग होने से भी वक्त से पहले उम्र बढ़ने के संकेत और कैंसर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए रोजाना सनस्क्रीन (एसपीएफ-50) लगाना न भूलें। इसके अलावा जब गर्मी ज्यादा (सुबह 11 बजे से शाम चार बजे के बीच) हो, उस वक्त घर से बाहर न निकलें, जितना हो सके छांव में रहें और ऐसे कपड़े पहनें जो आपकी देह को पूरी तरह से ढक लें।- डॉ. दिव्या सिंह, त्वचा एवं सौंदर्य रोग विशेषज्ञ

करोड़ों की ठगी का मास्टरमाइंड राजीव गिरफ्तार

पूर्णिया, एजेंसी। फर्जी कंपनी खोलकर लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाले शातिर ठग राजीव कुमार सिंह को को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लखपति से करोड़पति बनने के लिए ठग राजीव सिंह ने 450 से अधिक लोगों को हसीन सपने दिखाकर अपने जाल में फंसाया। 50 करोड़ से भी अधिक की ठगी की और खूब पैसे बनाए। लोगों को ठगी का शिकार बनाने के बाद राजीव बीते जनवरी से ही फरार चल रहा था। पुलिस को मास्टरमाइंड राजीव सिंह की तलाश थी। जानकीनगर थाना पुलिस ने करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले शातिर ठग राजीव सिंह को उसके जानकीनगर थाना क्षेत्र के इटहरी गांव स्थित घर से पकड़ा। हालांकि पत्नी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

चार साल में आलीशान बंगला बना लिया

सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने बताया कि जानकीनगर थाना क्षेत्र के ईटहरी गांव के रहने वाले राजीव कुमार सिंह उर्फ मंटू सिंह ने बेशुमार पैसे बनाने के लिए अपनी पत्नी रूची प्रिया, मरंगा निवासी दीपक कुमार दास व खगड़िया के रहने वाले केडी यादव के साथ मिलकर केएनजीसी फर्म के नाम पर फर्जी कंपनी खड़ा किया। देखते ही देखते 4 साल में आलीशान बंगला और करोड़ों की प्रॉपर्टी खड़ी कर ली। राजीव और उसके गिरोह के लोग एनजीसी फर्म की आड़ में एजेंट के मार्फत सरकारी योजनाओं के नाम पर ठगी का कारोबार चलाते रहे। जब तक ठगी का भांडा फूटा 450 से अधिक लोग ठगी के शिकार हो चुके थे।

पत्नी और अन्य साथियों के साथ भाग गया था

करोड़ों की ठगी के बाद मास्टरमाइंड राजीव सिंह अपनी पत्नी और अन्य साथियों के साथ रातों-रात भाग निकला। इसके बाद से राजीव की धड़-पकड़ के लिए पुलिस की छापेमारी जारी थी। रविवार को छापेमारी के क्रम में पुलिस को राजीव के घर में छीपे होने की गुप्त सूचना मिली। जिसकी जानकारी तत्काल एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा को दी गई। एसपी के निर्देश पर जानकीनगर थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने अन्य पुलिस बल के साथ राजीव सिंह के घर पर छापेमारी की और उसे पकड़ लिया। उसकी पत्नी की गिरफ्तारी के लिए भी विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

शातिर ने अपना जुर्म कबूला

एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस की जांच में करोड़ों की ठगी की पुष्टि हुई है। शातिर ठग ने भी अपना जुर्म कबूल लिया है। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

पूर्णिया में 100 दुकानों में आग, 1 किलोमीटर दूर तक दिखीं लपटें

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में बीती रात फल मंडी में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते फल मंडी की 100 दुकानों को चपेट में ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि 1 किलोमीटर दूर से ही लपटों को देखा जा सकता था। आग लगने के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बारात में हो रही आतिशबाजी की वजह से ये आग लगी। घटना की सूचना मिलते ही 6 से अधिक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। 40 से फायरकर्मी पूरी रात आग पर काबू पाने में जुटे रहे। घटना खुश्कीबाग मिलनपाडा स्थित फल मंडी की है। आग रात 12:30 बजे के आसपास लगी। हालात पर काबू पाने डीएम कुंदन कुमार, एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा और पप्पू यादव भी मौके पर पहुंचे। फल की 100 से ज्यादा दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गई। एक करोड़ से ज्यादा के नुकसान का अनुमान है।

15 मिनट बाद पहुंची दमकल की गाड़ियां : स्थानीय लोगों ने बताया कि सभी सोने की तैयारी में थे। तभी फल मंडी से आग की तेज लपटें उठती दिखाई दीं। आग फल मंडी के बीच के हिस्से से भड़की। कुछ ही देर में मंडी की सैकड़ों फल दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग का गुब्बारा सब्जी मंडी से उठने लगा। सूचना दमकल को दी गई। सूचना मिलने के करीब 15 मिनट बाद पहले दमकल की छोटी गाड़ी फिर कुछ देर बाद एक के बाद एक दमकल की 6 गाड़ियां हालात पर काबू पाने पहुंची।

आसपास खड़े होना भी मुश्किल था : आग की लपटें इतनी तेज थी कि उसके आसपास भी खड़े होना मुश्किल हो रहा था। इस भीषण आगलगी में एक करोड़ से अधिक के नुकसान की बात सामने आ रही है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बारात में हुई आतिशबाजी से आग लगी। फल मंडी के रास्ते से होते एक बारात गुजरी थी, इसमें आतिशबाजी हो रही थी।

आसमानी आतिशबाजी में चिंगारी फल मंडी की दुकानों तक पहुंची, जिससे हादसा हुआ।

40 से अधिक दमकल कर्मी आग पर काबू पाने में जुटे रहे : डीएम कुंदन कुमार और एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा मौके पर पहुंचे। पप्पू यादव भी मौके पर पहुंच गए। सभी आग की लपटों पर काबू पाने जद्दोजहद करते दिखाई दिए। पूरी रात दमकल की 6 से अधिक गाड़ियां और 40 से अधिक दमकल कर्मी आग पर काबू पाने में जुटे रहे। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

पुरानी रंजिश में परिवार के 5 लोगों को पीटा-पत्थरबाजी के साथ खूब चली लाठियां

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में पूर्व के विवाद को लेकर रविवार की शाम पड़ोसी ने मारपीट कर दी। मारपीट की घटना में एक ही परिवार के कुल पांच लोग जख्मी हो गए। मामला दीपनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ओकनावा गांव का है। सभी घायलों को इलाज के लिए देर शाम बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में उमाशंकर पासवान का पुत्र राकेश कुमार, संजय पासवान का पुत्र सौरभ कुमार, विजय पासवान की पत्नी उषा देवी, जानकी पासवान का पुत्र संजय पासवान और अजय पासवान का पुत्र राजीव कुमार है।

पड़ोसी से चल रहा था विवाद : राकेश कुमार ने बताया कि पड़ोस की बकरी उनके घर में घुस आई थी। जब उन लोगों ने बकरी को वहां से भगाया और इसकी शिकायत पड़ोसी से की तो उनलोगों ने घर पर चढ़कर मारपीट कर दी। लाठी-डंडे और रोड़ेबाजी की घटना में कुल पांच लोग जख्मी हो गए। जख्मी ने बताया कि पूर्व से ही पड़ोसी से उन लोगों का विवाद चला आ रहा है। उसी रंजिश में बकरी का बहाना बनाकर उन लोगों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। डायल 112 की पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

देहरादून से बिहार के दो परीक्षा माफिया अरेस्ट

पटना, एजेंसी। बिहार के रहने वाले दो परीक्षा माफिया जितेश कुमार और राहुल कुमार को देहरादून से गिरफ्तार किया है। ये दोनों कई पेपर लीक मामलों के मुख्य आरोपी हैं। दोनों जालसाज इन दिनों देहरादून में ही रह कर अलग अलग संस्थानों के ऑन पेपर को लीक कराने का काम कर रहे थे। इन दोनों की गिरफ्तारी उज्जैन से पलड़े गए आरोपियों के निशानदेही पर हुई। दोनों के पास से पुलिस एक लैपटॉप, तीन मोबाइल और चार अभ्यर्थियों का एडमिट कार्ड बरामद किया है। हालाकि पुलिस की सूचना पा कर दो पेपर लीक मामले के दो आरोपी कुलवीर और गौरव यादव फरार हो गए। पुलिस बहुत जल्द इन दोनों को बिहार ले कर आएगी। इनकी निशादेह पर पटना, नालंदा और गया में भी देर रात छापेमारी कर 7 लोगों को इस मामले में पूछताछ कर रही है।

देहरादून में भी करा रहे थे पेपर लीक : तमिलनाडु के एक नामी निजी विश्विद्यालय का इंट्रेंस टेस्ट हो रहा था। यह इंट्रेंस टेस्ट देश में कई जगहों पर ऑन लाइन हो रहा है। ये चारो शातिर देहरादून के एक ऑफिस में बैठ कर इसी पेपर को लीक करा रहे थे। देहरादून पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ गिरोह ऑनलाइन सेंटर पर फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। इसके बाद टीम सहस्त्रधारा रोड पर एडु चॉइस कंसलटेंसी में छापेमारी की। देहरादून पुलिस ने बताया कि पुलिस जब वहां पहुंची तो देखा की पेपर लीक कराने का पूरा इंतजाम किया गया है। वहीं से कई राज्यों में अलग अलग अलग बच्चों को आंसर भेज रहे थे। सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर के रहने वाले जितेश कुमार और मुजफ्फरपुर के काजी मुहम्मदपुर के रहने वाले राहुल कुमार को गिरफ्तार किया है। वहीं इस गिरोह के सरगना कुलवीर और गौरव यादव फरार हो गए।

मोटी रकम ले कर करते थे सेटिंग : जितेश और राहुल ने पुलिस को बताया कि मोटी रकम लेकर इंट्रेंस टेस्ट में पास कराने का ठेला हम लोग लेते थे। इस बार भी हम लोगों ने सारी सेटिंग कर ली थी।

बिहार में बिजली की रिकॉर्ड खपत

भीषण गर्मी में हर रोज 6800 मेगावाट की डिमांड

पटना, एजेंसी। राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी ने बिहार में बिजली खपत का गणित गड़बड़ा दिया है। पिछले साल की तुलना में इस साल अप्रैल में 500 मेगावाट बिजली अधिक खपत हो रही है। पीक आवर का समय भी बढ़ गया है। अब शाम के बदले देर रात दो बजे तक बिहार में बिजली की खपत अधिक हो रही है। रात की तर्ज पर दिन में भी बिजली खपत हो रही है। अधिक खपत के कारण बिहार बाजार से हर रोज 500-700 मेगावाट बिजली की खरीदारी कर रहा है।

कंपनी अधिकारियों के अनुसार अभी हर रोज औसतन 6700-6800 मेगावाट बिजली खपत हो रही है। पहले पीकआवर शाम सात बजे से रात 11 बजे का हुआ करता था। यानी इस अवधि में अधिक बिजली खपत हुआ करती थी। अभी गर्मी के कारण पीक आवर की अवधि भी बढ़ गई है। आलम यह है कि रात आठ बजे से पीक आवर की शुरुआत हो रही है। रात 10 बजे के बाद बिजली खपत अचानक से बढ़ जाती है। रात के दो बजे तक पटना सहित पूरे राज्य में ऐसी स्थिति रह रही है।

हर रोज आठ बजे रात से दो बजे रात के बीच 6600 मेगावाट से 6800 मेगावाट के बीच बिजली खपत हो रही है। हालांकि, अभी केन्द्रीय सेक्टर से बिहार को जरूरत के अनुसार बिजली मिल जा रही है, लेकिन किसी दिन अगर एक-दो यूनिट बंद रहती है तो कंपनी बाजार से बिजली की खरीदारी कर आपूर्ति कर रही है। औसतन 500 से एक हजार मेगावाट के बीच बिजली की खरीदारी हो रही है। कंपनी के वरीय अधिकारियों ने कहा कि राज्य में भरपूर बिजली आपूर्ति की जा रही है। केन्द्रीय सेक्टर से कम बिजली मिलने पर बाजार से बिजली की खरीदारी कर आपूर्ति की जा रही है।

गर्मी के कारण इस साल रिकॉर्ड बिजली खपत हो चुकी है। बीते 16 अप्रैल को ही राज्य में 6830 मेगावाट बिजली की खपत हो चुकी है। रात साढ़े आठ बजे से नौ बजे के बीच यह रिकॉर्ड बिजली खपत हुई। पिछले साल अप्रैल में मात्र 6400 मेगावाट बिजली खपत हुई थी। जिस हिसाब से गर्मी पड़ रही है, आने वाले दिनों में यह आंकड़ा भी पार होना तय है। पिछले साल रिकॉर्ड 7576 मेगावाट बिजली खपत हुई थी। अभी अप्रैल में ही जिस रफ्तार से बिजली खपत हो रही है, इससे यह तय है कि इस बार राज्य में बिजली खपत का आंकड़ा आठ हजार मेगावाट पार कर जाएगा। कंपनी भी यह मानकर चल रही है कि इस साल राज्य में बिजली खपत का रिकॉर्ड आठ हजार मेगावाट से अधिक का होगा।

अधिक गर्मी के कारण रात की कौन कहे, दिन में भी रिकॉर्ड बिजली खपत हो रही है। पहले के वर्षों में औसतन 45 सौ मेगावाट से लेकर पांच हजार मेगावाट के बीच ही अधिकतम बिजली खपत होती रही है। दिन से कहीं अधिक रात में बिजली खपत हुआ करती थी, लेकिन राज्य में अभी दिन में ही 55 सौ मेगावाट से अधिक बिजली खपत हो रही है, इसमें भी पटना जैसे इलाके में दिन-रात का अंतर मिट जा रहा है। केवल पटना के शहरी इलाके (पेसू) में दिन में 600 मेगावाट बिजली खपत हो जा रही है। रात में इसमें मामूली वृद्धि होकर 677 मेगावाट तक पहुंच रही है।

भाजपा प्रत्याशी मनीष व पूर्व विधायक का चला जनसम्पर्क अभियान

चौपारण – लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव के साथ दर्जनों गाँवों में जनसम्पर्क अभियान चलाकर भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन माँगा। अभियान की शुरुआत सिंघरावां मोड़ से हुवा,जहां भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश साव व स्थानिय मुखिया बिरेन्द्र रजक के अगुवाई में स्वागत किया गया। बच्छई पंचायत के मलिकाना, गोविंदपुर पंचायत के लराही, गोरखा, भटबिगहा में सैकड़ो बाइक के साथ प्रत्याशी का स्वागत किया गया। इस दौरान डेबो पंचायत के चक, नवादा, डेबो, करमा में भव्य स्वागत हुवा। बढ़ती गर्मी के बावजूद वृन्दा व रामपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनीष जायसवाल व मनोज यादव का स्वागत किया व भाजपा के पक्ष में समर्थन का भरोसा दिया। प्रत्याशी ने भगवानपुर, पोडो, इगुनिया, पडरिया, ब्रहमोरिया, सेलहारा, पाण्डेयबारा, केंदुवा में चला सघन जनसम्पर्क अभियान। वही बसरिया में रोड शो हुवा जहां सैकड़ो ग्रामीणों ने अबकी बार मोदी सरकार के नारों को समर्थन दिया। अभियान में मंडल अध्यक्ष सुरेश साव, जिला परिषद सदस्य आरती कौशल, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष रेखा देवी, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, विहिप मंत्री गुरुदेव गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजाधर प्रसाद, समिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव, अशोक यादव, भाजपा नेता रामस्वरूप पासवान, राजेन्द्र चनद्रवंशी, अर्जुन साव, महामंत्री अरविंद सिंह, अरविंद साव, बालेश्वर साव, मोहन साव, विजय यादव, नरेश पासवान, पिन्टू सोनी, मुखिया मंटू सिंह, पप्पू रजक, सन्तोष सिंह, पप्पू रजक, भाजपा नेता देवल यादव, संजय यादव, त्रिलोकी यादब, सुरेन्द्र रजक, राजू यादव, मीडिया प्रभारी मुनेश्वर गुप्ता, सुनील सिंह, शिवकुमार प्रजापति, उमेश पासवान, बिनय रजक, बासुदेव यादव सहित अन्य शामिल थे। देश सुरक्षित रहेगा तभी हम सुरक्षित है, मजबूत हाथो में है देश का कमान - मनीष जायसवाल जनसम्पर्क अभियान को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने कहा मोदी की गारंटी को दोहराते हुए कहा कि देश आज सुरक्षित हाथो में है। मोदी जी के जनहित व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। आज दुनिया भारत को सम्मान की नजरों से देखता है। तीसरी बार मोदी जी पीएम बनेंगे तो कई योजनाएं है जो भारत का तस्विर बदल देगा।

आपका उत्साह व जनसमर्थन भाजपा प्रत्याशी के जीत की गारंटी है - मनोज यादव

पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार के प्रति लोगों में उत्साह का माहौल है। प्रचंड गर्मी में आपका घरों से बाहर निकलना मनीष जी के जीत की गारंटी बन रहा है। एक सवाल के जवाब में श्री यादव में कहा कि देश में आरक्षण को लेकर विपक्ष भ्रम फैला रही है। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि किसी में दम नही है, जो आरक्षण को समाप्त कर दे।

उत्क्रह्यमित मध्य विद्यालय कटिया में अज्ञात चोरों ने महीने में दूसरी बार बिजली के तार चुरा ले भागे

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

जयनगर प्रखंड अंतर्गत कटिया मोड़ स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में अज्ञात चोरों ने बीती रात विद्यालय के कमरे का ताला तोड़कर वायरिंग की तार को चुरा कर ले गए यह घटना पिछले महीने भी चोरों ने चोरी का अंजाम दिया था। फिर यही घटना रात्रि में अज्ञात चोरों ने किया। जब सुबह विद्यालय के प्रिंसिपल एवं विद्यालय के सभी शिक्षक विद्यालय पहुंचे तो देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ है और पहले की तरह चोरी की अंजाम जो घट चुकी थी फिर वही घटना रात्रि में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर वायरिंग में लगे तार को उखाड़ कर ले गए। बार-बार कि यह घटना से विद्यालय के शिक्षक परेशान हो चुके हैं इसको लेकर विद्यालय के प्रिंसिपल धनेश्वर राम ने थाना में और शिक्षा विभाग को लिखित आवेदन भी दे दिया। विद्यालय के प्रिंसिपल धनेश्वर राम, ने सुरक्षा की दृष्टि से विभाग को सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है जिससे घटना के अंजाम को रोका जा सकता है आगामी चुनाव को लेकर सारे सुविधा को देखते हुए विद्यालय में वायरिंग को चुस्त कर दिया गया था लेकिन बीती रात चोरों ने चुनाव से पहले ही दोबारा वायरिंग के तार को फिर उखाड़ कर ले गए बार-बार किस्त घटना से विद्यालय के शिक्षक के साथ-साथ विद्यालय के बच्चे भी इस भीसन गर्मी में वायरिंग का तार उखाड़ कर ले जाने से लाइट बत्ती और पंखे सभी बंद हो चुके हैं पंखा नहीं चलने के कारण विद्यालय के बच्चे परेशान हो रहे हैं।

पत्रकार पर हमला करने वाले डॉक्टर को तत्काल गिरफ्तार किया जाए - सीटू

हज़ारीबाग़ - सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने कहा है कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आई डिपार्टमेंट अपने ! एचओडी के कारनामों से हमेशा सुर्खियों में रहा है। खबर संकलन

करने के लिए वरिष्ठ पत्रकार सूबोध मिश्रा आई डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ के के लाल के पास आए और डिपार्टमेंट के ऑपरेशन थिएटर में लगे एयर कंडीशन के संबंध में कुछ पूछताछ करने लगे। सवाल सुनकर डॉक्टर के0के लाल उग्र हो गए और पत्रकार को डांटने लगे। बहस करते-करते दोनों डिपार्टमेंट से बाहर आए। डिपार्टमेंट से बाहर निकलते ही अचानक डॉक्टर के के लाल पत्रकार सुबोध मिश्रा के साथ मारपीट करने लगे और उसके बाद उनको धक्का दिया, जिसके चलते सुबोध मिश्रा ग्रिल से टकरा गए और उनके माथा में चोट लगा। डॉ के के लाल के कार्यशैली और इनके गुस्सा के कारण आई डिपार्टमेंट में आए दिन झगड़ा होते रहता है। इसकी कई शिकायत मेडिकल कॉलेज प्रशासन के पास किया गया फिर कोई समाधान नहीं निकला और आज ये दुखद घटना घट गई। इसलिए हम मांग करते हैं कि इस घटना के दोषी डॉक्टर पर तत्काल करवाई किया जाए नहीं तो इस घटना को लेकर आंदोलन किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा जागरूकता पर पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में दिनांक 29.04.2024 दिन सोमवार को महाविद्यालय के एनएसएस इकाई के तत्वधान में एनएसएस प्रभारी मो.सेराज के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा जागरूकता पर पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सत्र- 2022-24 व 2023-25 सत्र के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने सड़क सुरक्षा पर जोर देते हुए सड़क सुरक्षा के नियमों से सबों को अवगत कराया। मौके पर सहायक प्राध्यापक संजीव कुमार, विनोद यादव, रवि भूषण सिंह, सैयद खुर्शीद अली, अनिल कुमार, शिक्षकेत्तर कर्मचारी मिथलेश कुमार, शाहिद खान, सेंटु कुमार, राजकुमार यादव, कुंदन कुमार, सहित प्रशिक्षुगण मौजूद रहे।

कोर्ट से लेकर पुलिस स्टेशन तक मुफ्त में मिलेगी वकील की सुविधा

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा यदि किसी मामले को लेकर आपको कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे और आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है, आप अपने मामले

को लेकर वकील नहीं कर पा रहे हैं तो कोडरमा जिले में संचालित विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से आप निःशुल्क अधिवक्ता की सेवा प्राप्त कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार से कहा कि पैसे के अभाव में कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रह सकता है। यदि किसी मामले को लेकर आपको कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, आपकी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। आप अपने मामले को लेकर वकील करने में सक्षम नहीं है कोडरमा जिले में संचालित विधिक सेवा प्राधिकार आपको मुफ्त वकील उपलब्ध कराएगी।

लोकसभा चुनाव के लिए वाहनों में जप्ती पर्ची चिपकाये जा रहे हैं

बड़कागांव - लोकसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग के द्वारा तैयारियां जोरों पर की जा रही है ।हजारीबाग लोकसभा चुनाव कि मतदान 20 मई होना किय तय गया है। तमाम बूथों का सत्यापन के पश्चात मतदाताओं एवं चुनाव कर्मियों के लिए मूलभूत सुविधाओं का

कार्य तेजी से किया जा रहा है। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी बालेश्वर राम ने बताया कि बड़कागांव प्रखंड के सभी 127 बुथों में पानी बिजली शौचालय के अलावा अन्य सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आवागमन के लिए वाहनों की जब्ती पर्ची वाहनों में चिपकाई जा रही है । प्रखंड में डेढ़ सौ वाहन चुनाव कार्य के लिए लेना सुनिश्चित किया गया है। जिसमें 100 वाहन रामगढ़ और 50 वाहन बड़का गांव प्रखंड में चुनाव हेतु कार्यों में लगाए जाएंगे। दंडाधिकारी के द्वारा वाहनों में जप्ती पर्ची चिपकाने का भी कार्य जोरों पर की जा रही है। जप्ती पर्ची चिपकाए गए सभी वाहन को 15 मई तक प्रशासन के समक्ष जमा कर देना है ।

जेईई मेंस के रिजल्ट में आदर्श+2 उच्च विद्यालय माधवाटांड के बच्चों ने परचम लहराया

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

जयनगर प्रखंड के आदर्श+2 उच्च विद्यालय माधवाटांड के विद्यार्थियों ने इस वर्ष आयोजित हुई जेईई मेंस की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर सफलता का परचम लहराया है। विद्यालय से कुल छह छात्र इस परीक्षा में सफल होकर एडवांस एग्जाम के लिए क्वालीफाई कर लिए हैं जिसमें से अमित कुमार 98.82 परसेंटाइल, शुभांगी बारहपुरिया 97.10 परसेंटाइल, प्रथम कुमार राणा 94.72 परसेंटाइल, प्रणव राज 94.33 परसेंटाइल, मनीष रंजन 92.84 परसेंटाइल, और चंदन कुमार राणा 92.40 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाई कर अपने विद्यालय के साथ साथ क्षेत्र और जिले का नाम रौशन किया है विद्यार्थियों के इस शानदार सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य पुनीत यादव ने हर्ष व्यक्त किए और सफलतम विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किए। प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय लगातार

सफलता की प्रगाढ़ता को आगे बढ़ाते हुए अपने क्षेत्र के लिए नया आयाम स्थापित करते जा रहा है। उन्होंने कहा कि विगत कई वर्षों से विद्यालय जेईई मेंस, जेईई एडवांस और मेडिकल क्षेत्र के Neet एग्जाम के लिए विद्यालय अपने क्षमता से देहात क्षेत्र के अंदर शिक्षकों के माध्यम से आगे और भी बेहतर रिजल्ट देने के लिए संकल्पित है। विद्यालय की इस शानदार सफलता पर अपने क्षेत्र के गणमान्य एवं बच्चों के अभिभावकने बधाई दी है।

विद्यालय के उपप्राचार्य अर्जुन चंद्र यादव, रवींद्र कुमार रवि, विद्यालय के कॉर्डिनेटर महेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, महेंद्र कुमार पांडेय, गोपाल यादव, नरेश सिंह, सीताराम यादव, शाहिद हुसैन, सनोज कुमार, संतोष कुमार, मुकेश राणा, रंजीत यादव, शमशेर आलम, पप्पु कुमार, सुनीता कुमारी, नीलम प्रभा, रामचंद्र यादव, सुनील यादव, रंजीत यादव, रिंकी देवी, लक्ष्मण चंद्र यादव, फुलंगी चंद्र यादव, केदार यादव, पंकज साव, बिट्टू कुमार, शरीफ अंसारी, इत्यादि शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सफलतम विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पत्रकार के साथ मारपीट की घटना को लेकर जिला प्रशासन करें कार्रवाई नहीं तो होगा उग्र आंदोलन : नागवाला

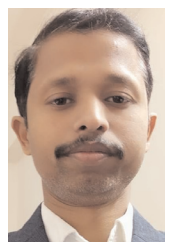

हज़ारीबाग़ – कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कोऑर्डिनेटर सुजीत नागवाला ने हजारीबाग के वरिष्ठ पत्रकार के साथ मारपीट की घटना को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री ,स्वास्थ्य मंत्री , डीजीपी ,डीआईजी, डीडीसी और डीसी को ट्वीट कर पूरे मामले की जानकारी दी है और कार्रवाई करने का आग्रह किया है। विदित हो की शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में सुविधा के नाम पर जीरो है लेकिन अगर कोई पत्रकार इस नाकामी को उजागर करने का प्रयास करता है तो डॉक्टर का व्यवहार काफी अपमानजनक होता रहा है और इसी क्रम में आज हजारीबाग के वरिष्ठ पत्रकार के साथ डॉक्टर के के लाल के द्वारा मारपीट की घटना की गई है जो किसी भी रूप से बर्दाश्त के योग्य नहीं है, पूर्व में भी डॉक्टर के के लाल हजारीबाग मेडिकल कॉलेज के सुपरिंटेंडेंट रहे हैं और इनके कारनामे जग जाहिर रहे हैं, जहां एक और डॉक्टर का व्यवहार संयमित होना चाहिए और सुविधा क्या अनुरूप अपनी ड्यूटी करनी चाहिए वहीं दूसरी ओर हजारीबाग से भिखारी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ड्यूटी तो ढंग से निभा नहीं पाते हैं गरीबों को तो लाभ दे नहीं पाते हैं और उसके बावजूद अगर कोई पत्रकार लोगों को इस नाकामी को बताने का काम अगर करते हैं तो उनके साथ इस तरह की घटना घटित की जाती है जो कहीं से भी उचित नहीं है। कांग्रेस ओबीसी मोर्चा इस बात का पुरजोर विरोध करती है और जिला प्रशासन से मांग करती है कि पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच हो और दोषी डॉक्टर के के लाल पर कार्रवाई हो अगर ऐसा नहीं होता है तो जल्द ही हम लोग उग्र आंदोलन करेंगे और उन्हें उन पर कार्रवाई करने के लिए सरकार को बाध्य करेंगे ।

ट्रक ने आधा दर्जन दोपहिया वाहन को अपने चपेट में लिया, बाल बाल बच्चे राहगीर

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

डोमचांच अंचलाधिकारी और उनके टीम के द्वारा 29/4/2024 दिन के लगभग 12:00 बजे वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहे थे जिसमें वाहनों के कागजात, चालान वगैरा चेक हो रहा था । इसी दौरान डोमचांच बाजार में एक ट्रक छ ॥ 12स्न 5802 वाहन जो स्टोन चिप्स से भरा हुआ था प्रशासन के द्वारा उसे रोकने का प्रयास किया गया प्रशासन को देखकर वाहन चालक ट्रक को डोमचांच बाजार में भागने लगा भागने के क्रम में डोमचांच बाजार में लगभग आधा दर्जन दोपहिया वाहन को कुचलते हुए ट्रक ड्राइवर भाग रहा था जिसमें एक दो पहिया वाहन ट्रक के नीचे आकर फस गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी भी आदमी को कोई चोट नहीं आया। ड्राइवर अपने वाहन को बचाने के चक्कर में आधा दर्जन रोड साइड खडे मोटरसाइकिल को अपने चपेट में ले लिया जब ट्रक के नीचे एक वाहन फंस गया तो ट्रक ड्राइवर ट्रक को बीच रोड पर छोड़कर फरार हो गया। कुछ चस्मदीद ने बताया कि बीच बाजार में डोमचांच अंचलाधिकारी अपने कुछ और अधिकारियों के साथ गाड़ी का पीछा कर रहे थे। जिस कारण से यह घटना घटी वही इस घटना को लेकर सभी राहगीरों में काफी गुस्सा दिखा। मौके पर मौजूद अधिकारियों से पूछने पर उन्होंने चेकिंग अभियान से किया इनकार, उन्होंने कहा कोई चेकिंग अभियान नहीं चलाया जा रहा था। ट्रक ड्राइवर क्यों मारा इसका उनको जानकारी नहीं । जब तक ट्रक ड्राइवर पकड़ा ना जाएगा तब तक बात खुलेगी नहीं।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंची

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

जयनगर पंचायत गड़गी ग्राम परसाबाद निवासी पूर्व राज्यसभा सांसद सह स्वतंत्रता सेनानी परसाबाद स्व0 कांता नारायण सिंह के पुत्र बबन सिंह के धर्मपत्नी का कलकत्ता के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। जिसकी खबर मिलने पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी उनके घर जाकर शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर इस दुःख की घड़ी में धैर्य तथा ढाढ़स बंधाए तथा मृतक की आत्मा को शांति मिले की कामना ईश्वर से किए। मौके पर जिला परिषद सदस्य केदारनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष बिंदेश्वरी प्रसाद बिहारी , पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम, रिटायर्ड इंस्पेक्टर मथुरा गोप, परसाबाद मंडल अध्यक्ष विजय राणा, जिला मंत्री सुधीर सिंह, रिटायर्ड फायर ब्रिगेडियर महानंद सिंह, दीपक सिंह चंदन कुमार राजकुमार गुप्ता राजू सिंह महेश रजक नागेश्वर चौधरी शशिकांत चौधरी लखन यादव संजय गुप्ता विजय कुमार पंडित सुरेंद्र चौधरी सुनील सिंह, राम जीवन सिंह राजू सिंह, रमेश सिंह, सुबोध भदानी केडी यादव डेगलाल चौधरी, अशोक सिंह राजेंद्र नाथ सिंह सत्यपाल सिंह विक्रम सिंह उपेंद्र सिंह कैलाश दास मनोज दास चंदन पासवान पंचायत समिति सदस्य धनेश्वर राणा प्रदीप राणा विजय यादव कविता कुमारी विनोद यादव विपुल सिंह किशोरी यादव परिवार के सभी सदस्य रिश्तेदार सहित भारी संख्या में शोकाकुल ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

अर्थशास्त्र विभाग और एनआईआईटी द्वारा प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन

हज़ारीबाग़ – अर्थशास्त्र विभाग में एनआईआईटी के सहयोग से डॉ. एस.एम. की अध्यक्षता में एक स्टूडेंट कनेक्ट सेशन सह प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभागअध्यक्ष और डॉ. उमेंद्र सिंह और डॉ. इफ्शा खुर्शीद की संयुक्त पहल से सत्र की शुरुआत सरल अभ्यास से हुई जिसका शोध विद्वान और छात्रों ने जवाब दिया। इसे आज की पीढ़ी में कई कौशलों के महत्व और आवश्यकता को समझाकर पूरक बनाया गया। फिर आगे का कार्यक्रम डेटा विज्ञान और डेटा विश्लेषक के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा के साथ आगे बढ़ा और डेटा विज्ञान में करियर पथ पर भी प्रकाश डाला गया। सत्र के अंत में छात्रों द्वारा विभिन्न प्रश्न पूछे गए जिनका उत्तर रिसोर्स पर्सन हसीन अहमद ने दिया। दूसरे दौर में छात्रों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा और चयनित योग्य छात्रों को रांची स्थित कार्यालय में डेटा विश्लेषक के रूप में प्लेसमेंट मिलेगा।

त्रुटिरहित मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने को लेकर महिला मतदान कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा लोकसभा आम चुनाव 2024 के निमित जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कोडरमा के निर्देशानुसार त्रुटिरहित मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने को लेकर पोलिंग पार्टी (मतदान पदाधिकारी 01, मतदान पदाधिकारी 02, मतदान पदाधिकारी 01, पीठासीन पदाधिकारी व सभी महिला मतदान पदाधिकारी) का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन सभी महिला मतदान पदाधिकारी को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें मतदान पदाधिकारी 01, मतदान पदाधिकारी 02,

मतदान पदाधिकारी 01, पीठासीन पदाधिकारी शामिल थे। प्रशिक्षण के अंतिम दिन उप विकास आयुक्त ऋतुराज निरीक्षण करने पहुंचे और चुनाव कार्य को सफलतापूर्वक और त्रुटिरहित संपन्न कराने के लिए ईवीएम पर अच्छे से हैंड्स ऑन ट्रेनिंग लेने, मास्टर ट्रेनर द्वारा बताई गई हर बिंदुओं पर बारिकी से अध्ययन करने एवं उसका पालन करने का निर्देश दिया।मतदान कार्य से जुड़े सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को ईवीएम, वीवी पैट के कनेक्शन, संचालन एवं समस्त मतदान प्रक्रियाओं का गहन प्रशिक्षण दिया गया। पीठासीन पदाधिकारियों के कार्यों एवं दायित्वों के संबंध में मास्टर ट्रेनर द्वारा विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई। मास्टर ट्रेनर सुदीप सहाय, अश्विनी कुमार तिवारी, उमेश कुमार सिन्हा, सत्यजीत के द्वारा मतदान पदाधिकारी द्वितीय को मतदान के एक दिन पूर्व, मतदान के दिन का कार्य, वास्तविक मतदान के पूर्व का कार्य, वास्तविक मतदान की प्रक्रिया, सीलिंग का प्रक्रिया, पोस्टल बैलेट की जानकारी समेत अन्य बिंदुओं पर पूरी तरह से प्रशिक्षण दिया गया। आज 350 महिला मतदान पदाधिकारी को प्रशिक्षण दिया गया।सभी मतदान कर्मियों को स्थानीय अभियंत्रण महाविद्यालय, बागीटांड़, कोडरमा भवन में प्रशिक्षण दिया गया।

इस सप्ताह करवट लेगा मौसम, दो दिन के बाद आंधी का अलर्ट

बिजली गिरने की भी चेतावनी

लखनऊ , एजेंसी। अप्रैल बीतने के साथ ही पारे के कभी तीखे तो कभी नरम तेवर दिखाई दे रहे हैं। शनिवार को बादलों की मौजूदगी से मिली कुछ राहत के बाद रविवार को फिर धूप की तल्खी ने बेहाल किया। प्रदेश में दिन का पारा सामान्य से 2.7 डिग्री तक अधिक बना हुआ है। न्यूनतम पारा भी सामान्य से 3 डिग्री तक अधिक दर्ज हो रहा है। अगले दो दिन के लिए मौसम विभाग ने भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है, दो दिन बाद फिर से कुछ राहत मिल सकती है।

रविवार को अयोध्या 43 डिग्री तापमान के साथ सर्वाधिक गर्म रहा। प्रयागराज में पारा 42.6 डिग्री, वाराणसी में 42.3, बस्ती में 42 डिग्री रहा। गोरखपुर में 41.2, बलिया-बहराइच में 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ तापमान। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान 40 पार रहा। वहीं न्यूनतम तापमान मुजफ्फरनगर में 18.6 डिग्री रहा, जबकि अन्य इलाकों में 21.2 से 28 डिग्री के बीच रहा। बलिया और गोरखपुर में सर्वाधिक गर्म रात रही। यहां पर पारा 28 डिग्री और 27.9 डिग्री रहा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह व मो. दानिश के मुताबिक, अगले दो दिन मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। लू चलने के आसार बने हुए हैं, जबकि रातें भी सर्वाधिक गर्म हो सकती हैं।

यहां लू के आसार: सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, कानपुर देहात, कानपुर नगर, अंबेडगरनगर व आसपास इलाकों में लू के आसार हैं।

यहां बिजली गिरने की चेतावनी, आंधी के आसार हैं: सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, व आसपास के इलाकों में बिजली गरजने, चमकने व गिरने की चेतावनी मौसम विभाग दे रहा है।

यूपी के कई शहरों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट, चलेगी तेज लू

कानपुर। आने वाले दिनों में लू के थपेड़े और तेज होंगे। भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार को कानपुर नगर और देहात समेत बुंदेलखंड के विभिन्न जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान वेट बल्ब तापमान का माहौल होने की वजह से जितनी गर्मी होगी, उससे दो-तीन डिग्री अधिक लगेगी। इस माहौल में नमी रहती है, जिससे पसीना नहीं निकलता और अगर निकला भी तो सूखता नहीं है। इससे गर्मी अधिक लगती है।

सीएसए के मौसम विभाग प्रभारी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि लू के थपेड़े तेज होने को लेकर भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार से अलर्ट भी जारी किया है। ऐसी स्थिति में लोग गर्मी से बचाव के लिए एहतियात बरतें और बाहर निकलें तो शरीर को अच्छी तरह ढंक लें। इसके साथ ही पानी पीकर बाहर निकलें और बीच-बीच में पानी पीते रहें। राजस्थान के थार मरुस्थल से होकर आने वाली अरब सागर की हवाओं का रुख और सख्त होता जा रहा है। हवाएं थार से गुजरते वक्त गर्म हो जाती हैं। इन गर्म हवाओं की गति और तेज हो गई है। डॉ. पांडेय ने बताया कि हवाएं अपनी सामान्य गति से तकरीबन 10 किमी प्रति घंटा तेज गति से कानपुर परिक्षेत्र में आ रही हैं। इसके अलावा हिमालय की तरफ से आने वाली उत्तर-पश्चिमी हवाओं की नमी भी यहां तक आते-आते खत्म हो जा रही है। उत्तर पश्चिमी नम हवाएं थार मरुस्थल की हवाओं से मिलते ही गर्म हो जाती है। इससे रात और दिन दोनों का तापमान सामान्य औसत से अधिक हो गया है। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान सामान्य औसत से 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। इसी तरह रात का न्यूनतम तापमान सामान्य औसत से 0.5 डिग्री अधिक हो गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि पारा आने वाले दिनों में एक से दो डिग्री और बढ़ सकता है। डॉ. पांडेय ने बताया कि इस दौरान ऐसे पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना नहीं है जिनका प्रभाव कानपुर परिक्षेत्र पर पड़े। अगले पांच दिनों में हल्के बादल आ सकते हैं लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। गर्म हवाएं तेज गति से बहती रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

मुख्तार अंसारी का आदमी बन बिजली कर्मी को दी धमकी- केस दर्ज

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर के बड़हलगंज क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र चैनपुर पर तैनात कर्मचारी को एक संविदा कर्मी ने मुख्तार अंसारी का आदमी बताकर अभद्रता करते हुए धमकी दी। पीड़ित कर्मचारी की तहरीर पर पुलिस जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, इलाके के बेलसड़ी गांव निवासी संतोष तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि वह चैनपुर विद्युत उपकेंद्र पर कार्यरत हैं और कैश काउंटर का कार्य देखते हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को क्षेत्र के मजुरी गांव में बिजली कैंप लगा था। बताया कि कैंप में उपखंड अधिकारी के कहने पर उन्होंने फील्ड स्टाप के मोबाइल पर फोन लगाकर बात कराया। दूसरे दिन रविवार की सुबह वह उपकेंद्र चैनपुर पहुंचे। सुबह करीब 10 बजे एक संविदा कर्मचारी पहुंचा और बदसलूकी करने लगा। आरोप है कि अपशब्द का प्रयोग करते हुए उसने धमकी दी कि वह मुख्तार अंसारी का आदमी है, उसे किसी से डर नहीं है। इस संबंध में एसडीओ राघवेंद्र द्विवेदी ने कहा कि मामला संज्ञान में है, जांच कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित ने पुलिस को भी तहरीर दी है।

दो पत्नियां के बीच घनचक्कर बना पति, थाने पहुंचा मामला

आगरा , एजेंसी। आगरा में पति जब दूसरी पत्नी को ज्यादा समय देने लगा तो पहली पत्नी नाराज हो गई। बात इतनी बढ़ी कि वह दोनों बच्चों के साथ मायके चली गई। मामला परिवार परामर्श केंद्र में पहुंचने पर रविवार को काउंसलर ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। बात नहीं बनने पर अगली तारीख दे दी गई है। एत्माद्दौला थाना क्षेत्र की युवती की शादी चार साल पहले ट्रांसयमुना क्षेत्र में हुई थी। पति प्राइवेट नौकरी करता है। दो बच्चे हैं। अब उसकी जिंदगी में दूसरी युवती आ गई है। पत्नी का आरोप है कि उसे शादी के दो साल बाद पता चला कि उसकी शादी से पहले पति के लिए खंदौली से रिश्ता आया था। पति की युवती से मुलाकात हुई थी। दोनों फोन पर बातें करते थे। किसी कारण से दोनों की शादी नहीं हो सकी। दोनों की अलग-अलग जगह शादी हो गई। एक दिन अचानक वह पति के संपर्क में फिर आ गई। फिर से दोनों बातें करने लगे। चोरी-छिपे कोर्ट मैरिज भी कर ली। पहली पत्नी का कहना है कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए उन्होंने किराए के मकान में रखने के लिए पति से हां बोल दी। कुछ दिनों तक तो सब ठीक रहा। इसके बाद पति दूसरी पत्नी के साथ ज्यादा समय रहने लगा। रोक-टोक करने पर मारपीट करता। वहीं दूसरी पत्नी का कहना है कि शादी तीनों की मर्जी से हुई थी। अब पहली पत्नी झूठे आरोप लगा रही है। पति का कहना है कि वह दोनों को समय और घर खर्च के लिए रुपये बराबर देता है। कभी दोनों में से किसी को परेशानी होती है तो उसके साथ रुकना पड़ जाता है।

आगरा में चोर हुए सक्रिय, ताज के पास सराफ की दुकान में लगाई सेंध; लाखों का माल उड़ाया

आगरा , एजेंसी। आगरा शहर में सक्रिय चोरों के गैंग ने शनिवार रात ताजमहल के पास ताजगंज स्थित गांव धांधूपुरा में सराफ की दुकान में सेंध लगाई और जेवरात-नकदी समेट ले गए। 24 घंटे में दूसरी वारदात से पुलिस की गश्त पर सवाल उठ रहे हैं। ताजमहल के पास पुलिस की सुरक्षा रहती है। यलो जोन में बैरियर भी हैं। इसके बावजूद वारदात हुई। ताजगंज निवासी गजेंद्र हरी वर्मा की गांव धांधूपुरा में सराफ की दुकान है। उन्होंने बताया कि शनिवार रात करीब 9 बजे दुकान बंद की थी। रविवार सुबह एक राहगीर ने फोन पर चोरी की जानकारी दी। वह दुकान पर आए तो शटर के ताले टूटे देखे। चोरों ने ताले तोड़ने के बाद शटर को उठाने का प्रयास किया था। मगर, सेंट्रल लॉक होने की वजह से शटर खुला नहीं। इस पर जैक से उसे उठाकर चोर अंदर घुसे। जेवरात-नकदी समेत तीन लाख का माल समेट ले गए। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। मगर, कोई सुराग नहीं मिला। क्षेत्रीय लोगों ने कहा कि गांव धांधूपुरा ताजमहल के पास है।यलो जोन में पुलिस का सख्त पहरा रहता है। यलो जोन से ही गांव में जाने का रास्ता है। इसके बावजूद चोरी हो गई। शुक्रवार रात को ही बिजलीघर स्थित शिवाजी मार्केट में चोरों ने गारमेंट्स की दुकान के ताले तोड़कर 18 लाख रुपये चोरी किए थे।

युवती की हरकत से छूटे पुलिस के पसीने

आगरा , एजेंसी। आगरा में एक युवती की हरकत से पुलिस के पसीने छूट गए। युवती ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। जिसमें उसने लिखा निशा हैप्पी बर्थडे इन एडवांस। इसके बाद युवती गोलियां खाते हुए नजर आई। ये पोस्ट वायरल हुआ तो पुलिस ने तत्काल ही युवती के घर का पता निकाला और मौके पर पहुंच गई। वहां पहुंचकर पता चला कि उसका आत्महत्या करने का कोई इरादा नहीं था। इसके बाद पुलिस ने युवती को हिदायत दी और वहां से चली आई। ये युवती शाहगंज के केदार नगर की रहने वाली है। पुलिस ने बताया कि सहेली से मनमुटाव होने पर उसने मजाक-मजाक में ऐसा वीडियो बनाया। उसने जो गोलियां खाई वो बुखार की थीं। इसके बाद युवती ने इंस्टाग्राम पर वीडियो अपलोड कर दिया। सोशल मीडिया सेल ने तुरंत ही इस मामले में संज्ञान लिया। युवती का पता खोजने के बाद पुलिस टीम उसके घर पहुंची। जहां युवती सही सलामत मिली।

नया प्रयोग: सैफई परिवार तक सीमित यादव राजनीति, अखिलेश ने इस बार किसी बाहरी यादव को नहीं दिया टिकट

लखनऊ, एजेंसी। सपा ने लोकसभा चुनाव में पहली बार परिवार के बाहर के किसी यादव को टिकट नहीं दिया है। यानी जिन पांच यादवों को मैदान में उतारा है, वे सभी सैफई परिवार के ही सदस्य हैं। यादव राजनीति के भरोसे शिखर पर पहुंचे मुलायम सिंह की नीति से यह काफी अलग है।

वह हर लोकसभा चुनाव में तीन से चार सीटों पर परिवार के अलावा भी यादवों को उतारते रहे हैं। करीब 19.40 फीसदी हिस्सेदारी वाले यादव वोटबैंक पर अखिलेश के इस प्रयोग की परीक्षा होगी।

सपा 62 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अब तक 59 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। मैनपुरी से डिंपल, कन्नौज से अखिलेश यादव, आजमगढ़ में धर्मेंद्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, बदायूं से आदित्य यादव मैदान में हैं।

अपनी-अपनी सीट पर फंसे क्षत्रप: सैफई परिवार के क्षत्रप अपनी ही सीट पर फंसे हुए हैं। वे अन्य सीटों नहीं पहुंच पा रहे हैं। भाजपा ने भी सैफई परिवार के उम्मीदवारों को उनके घर में ही घेरे रखने की रणनीति बनाई है, तो दूसरी तरफ यादव वोटबैंक को अपने पाले में लाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है।

बहरहाल, सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि भाजपा की हार चाल को जनता समझ चुकी है। सपा पीडीए के फॉर्मूले पर कार्य कर रही है। पांच यादवों को टिकट दिया है।

2014 में 13 तो 2019 में 11 यादवों को मिला था टिकट: वर्ष 1999 में पहली बार मुलायम सिंह सांसद बने थे। वह सात बार सांसद रहे, जबकि अखिलेश ने वर्ष 2000 में लोकसभा के उपचुनाव से सियासी सफर शुरू किया। फ्लैशबैक में जाएं तो वर्ष 2014 में सपा ने 13 यादवों को टिकट दिया था, जिनमें मुलायम सहित पांच लोग विजेता रहे। इसी तरह 2019 में 11 यादवों को टिकट मिला था, जिसमें पांच सीटें मिलीं। मुलायम और अखिलेश के अलावा अन्य हार गए थे।

पीएम के संसदीय क्षेत्र काशी में अखिलेश यादव फूंकेंगे चुनावी बिगुल, जनसभा को करेंगे संबोधित

वाराणसी , एजेंसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव जल्द ही वाराणसी में जनसभा करेंगे। संगठन के स्तर पर इसकी तैयारी शुरू हो गई है। तिथि तो फिलहाल तय नहीं कि मगर अखिलेश की सभा बाबतपुर एयरपोर्ट के आसपास कराने पर विचार चल रहा है। सपा संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए वाराणसी में होने वाली जनसभा में आसपास के जनपदों से भी कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसे देखते हुए बड़ी जगह की तलाश की जा रही है। सपा के जिलाध्यक्ष सुजीत यादव ने बताया कि पूर्व सीएम व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की एक बड़ी जनसभा वाराणसी में होगी। वाराणसी में अंतिम चरण में एक जून को चुनाव है। ऐसे में जनसभा की तारीख तय होनी है। मई में सात से 14 के बीच नामांकन की प्रक्रिया चलेगी। इसे देखते हुए जनसभा की तारीख तय की जाएगी। सुजीत ने कहा कि यह सीट इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस को दी गई है। इस नाते गठबंधन को मजबूत करने के लिए सपा अध्यक्ष यहां सभा करेंगे।

पूर्वांचल के दस जिले में 26 हजार एचआईवी संक्रमित, 40 में टैटू बनवाना वजह; एक सुई का कई बार इस्तेमाल

वाराणसी, एजेंसी। आजमगढ़, मिर्जापुर और वाराणसी मंडल के दस जिलों में 26,890 एचआईवी संक्रमित हैं। इनमें 50 फीसदी की उम्र 20 से 45 वर्ष के बीच है। 40 लोग ऐसे मिले हैं, जो टैटू बनवाने के बाद संक्रमित हो गए।

डॉक्टरों के मुताबिक, टैटू बनाने वाले गलत सुई का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिस सुई से टैटू बनता है, उसके प्रति सुई की कीमत 1200 रुपये होती है। इसके बावजूद चौक-चौराहों पर 200 रुपये में टैटू बना दिया जा रहा है। इसका मतलब है कि सेहत के साथ सीधा खिलवाड़ किया जा रहा। एक सुई का बार-बार इस्तेमाल भी संक्रमण की बड़ी वजह है।

स्वास्थ्य विभाग हर जिले के सरकारी अस्पतालों में एआरटी सेंटर का संचालन करता है। यहां एचआईवी संक्रमितों का पंजीकरण होता है, फिर जरूरी जांच और इलाज की व्यवस्था की जाती है। दस जिले के एआरटी सेंटर की पड़ताल से पता चला कि संक्रमितों की संख्या बढ़ी है।

वाराणसी में ही 3000 एचआईवी संक्रमित पंजीकृत हैं। इनमें से 26 ऐसे हैं, जिन्होंने काउंसिलिंग के दौरान संक्रमण की वजह टैटू बताई है। सबने चौक-चौराहे से ही टैटू बनवाया था। इसी तरह टैटू बनवाने वाले आजमगढ़ के 12 लोग एचआईवी संक्रमण की चपेट में आ गए।

एचआईवी संक्रमण के मामले में आजमगढ़ जिला पहले पायदान है। एआरटी सेंटर में सबसे ज्यादा संक्रमित पंजीकृत हैं। मऊ और सोनभद्र में एक-एक लोग संक्रमित मिले हैं।

पूर्व एमएलसी यशवंत सिंह घोसी से चुनाव लड़ने की कर रहे थे तैयारी, भाजपा ने वापस लिया निष्कासन

वाराणसी, एजेंसी। पूर्वांचल के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाने वाले विधान परिषद सदस्य यशवंत की पुनः भारतीय जनता पार्टी में वापसी हो गई है। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पत्र जारी कर उनके निष्कासन की समाप्ती की घोषणा की है। इसके पीछे प्रदेश अध्यक्ष ने सम्यक विचार के बाद लिया गया निर्णय का तर्क दिया गया है। लेकिन घोसी लोकसभा चुनाव के एक माह पहले निष्कासन समाप्त करना एक बड़ी राजनैतिक कूटनीति का चर्चा है।

यशवंत सिंह इससे पहले विधानसभा तथा विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं। बताते चले प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद यशवंत सिंह ने योगी आदित्य नाथ के लिए अपनी सीट खाली कर दी थी।यशवंत सिंह को विगत एमएलसी के दौरान अनुशासनहिनता को लेकर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। जहां सोमवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने इनका निष्कासन खत्म कर दिया।इस बात की पुष्टि भाजपा जिलाध्यक्ष नूपुर अग्रवाल ने की। बताया की प्रदेश नेतृत्व से निर्देश प्राप्त हुआ जिसमे बताया गया की अब यशवंत सिंह पुनः भाजपा में सम्मिलित हो गए हैं।

रिश्तों का कत्ल: 50 लाख रुपयों के लिए बहन ने ड्राइवर संग मिलकर मारा भाई, फिर गांव में जाकर बना दी झूठी कहानी

मेरठ , एजेंसी। भाई के नाम की बीमे की रकम के लालच में बहन ने कार चालक के साथ मिलकर भाई को मार डाला। हत्या के बाद गांव में शव ले जाकर स्वाभाविक मौत की कहानी गढ़ दी। मृतक के गले पर निशान देखकर लोगों को शक हुआ तो शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

पुलिस ने हत्यारोपी बहन और उसके साथ वारदात को अंजाम देने वाले कार चालक को गिरफ्तार कर सनसनीखेज मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल कार और गला दबाने में इस्तेमाल की गई रस्सी बरामद कर ली है।

एसपी देहात कमलेश बहादुर ने बताया कि बहसूमा के भंडौरा गांव का रहने वाला मोनवीर उर्फ मोनू (32) गांव के ही अमरीश पुत्र केशव शर्मा के साथ शुक्रवार सुबह कार से मवाना में रहने वाली बहन सुरेखा के घर गया था। सुरेखा 2017 में पति से तलाक के बाद दो बच्चों के साथ रामबाग कालोनी पक्का तालाब के पास किराए पर रहती है। शाम को सुरेखा और अमरीश मोनू के शव को लेकर गांव पहुंचे और स्वाभाविक मौत की बात कह दी।

अंतिम संस्कार के समय गले पर निशान देख हुआ हत्या का शक: अंतिम संस्कार के समय परिजनों ने शर्ट के बटन खोले तो मोनू के गले पर निशान देखकर भाई सोहनवीर को शक हुआ। इसके बाद बहसूमा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोहनवीर ने बहन

और अमरीश पर हत्या की आशंका जाहिर करते हुए तहरीर दे दी। मवाना थाना प्रभारी सुभाष सिंह ने बताया कि अविवाहित मोनू चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। माता-पिता की मौत हो चुकी है। जांच में सामने आया कि दो महीने पहले मोनू ने अपना 50 लाख रुपये का बीमा कराया था। उसमें मोनू ने नॉमिनी बड़ी बहन सुरेखा को बनाया था। मोनू के ताऊ के कोई बेटा नहीं होने पर उन्होंने उसे गोद लेकर अपनी जमीन दे दी थी। मोनू ने यह जमीन 50 लाख रुपये में बेच दे दी थी। इस पैसे से मोनू ने बहन सुरेखा के नाम अर्टिगा कार खरीदी थी। इसको मोनू ने अमरीश को चलाने के लिए दे दिया था। अमरीश से इसकी बाबत वह रोजाना पांच सौ रुपये ले रहा था। सुरेखा ने मोनू से 13 लाख रुपये उधार लिए थे। इसके अलावा अमरीश ने भी मोनू से एक लाख 86 हजार रुपये उधार लिए थे।

मन में लालच आने के बाद रची हत्या की साजिश: सुरेखा और अमरीश को लग रहा था कि मोनू पैसे वापस लेगा इसके चलते दोनों ने उसकी हत्या की साजिश रच दी। दोनों ने तय किया कि अगर हत्या का मामला भी सामने आया तो अमरीश उसकी जिम्मेदारी खुद पर ले लेगा। इसके बाद मोनू के 50 लाख रुपये के बीमे की रकम सुरेखा को मिल जाएगी।

बच्चों को भेज दिया मोमोज लेने, बहन करती रही रेकी: सुरेखा ने हत्या के समय अपने 17 वर्ष की बेटी और 15 वर्ष के बेटे को मोमोज लाने के लिए भेज दिया। सुरेखा सीढ़ियों पर बैठक रेकी करती रही और भीतर घर में अमरीश ने रस्सी से मोनू का गला घोट दिया।

गैंगस्टर का आरोपी है अमरीश: मवाना थाना प्रभारी सुभाष सिंह ने बताया कि हत्यारोपी अमरीश परीक्षितगढ़ थाने का गैंगस्टर है। उस पर आर्म्स एक्ट समेत चोरी के मुकदमे भी दर्ज हैं। दोनों को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

चेहरे पर नहीं दिखी शिकन, साधे रही चुप्पी: गांव का हर व्यक्ति सुरेखा को कोस रहा था। लोगों ने बताया कि अंतिम संस्कार वाले दिन सुरेखा ने बेहोशी का नाटक भी रचा।

कुमार विश्वास पहुंचे इविवि : कोई कल कह रहा था तुम इलाहाबाद रहते हो

मैं सबकुछ भूल जाता हूं मगर तुम याद रहते हो

प्रयागराज , एजेंसी। ये दिल बर्बाद करके इसमें क्यों आबाद रहते हो, कोई कल कह रहा था तुम इलाहाबाद रहते हो। ये कैसी शोहरतें मुझको अता कर दीं मेरे मौला, मैं सबकुछ भूल जाता हूं, मगर तुम याद रहते हो।' इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पुरा छात्र सम्मेलन के दौरान रविवार को आयोजित कवि सम्मेलन में कुमार विश्वास ने जैसे ही ये पंक्तियां पढ़ीं, परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कुमार विश्वास अपने चिर परिचित अंदाज में श्रोताओं को गुदगुदाते रहे और बीच-बीच में उन्होंने खिलखिलाकर हंसने को मजबूर भी किया। उन्होंने 'तुमको सूचित हो' शीर्षक से कविता पढ़ी, जिसे खूब वाहवाही मिली। दीक्षांत ग्राउंड पर श्रोताओं की तालियों का शोर थमने का नाम नहीं ले रहा था। उन्होंने सुनाया, यशस्वी सूर्य अंबर चढ़ रहा है तुम को सूचित हो, विजय का रथ सुपथ पर बढ़ रहा है तुमको सूचित हो, अवाचित पत्र मेरे जो तुमने कभी खोले नहीं तुमने, समूचा विश्व उनको पढ़ रहा है तुमको सूचित हो।'

इसके साथ ही उन्होंने अपनी कई मशहूर कविताएं सुनाईं। इसे पूर्व कहा कि जब इविवि परिसर में उन्होंने प्रवेश किया तो उन्हें अलग स्पंदन हुआ। विश्वास नहीं हुआ कि कभी इसी परिसर में फिराक घूमते रहे होंगे, हरिवंश घूमते रहे होंगे, मालवीय पढ़ने आए होंगे। कहा, भारत में पहले पांच सांस्कृतिक शहर ढूंढ़े जाएं तो इलाहाबाद भी इसमें आता है। यह मेरा और आपका सौभाग्य है।

कुमार विश्वास के अलावा कई अन्य कवियों ने भी अपनी कविताएं पढ़ीं। इटावा से आए कवि राजीव राज ने पंक्तियां पढ़ीं, 'दीप चाहत की समाधि पर जलाने आया, दर्द के गांव में रोतों को हंसाने आया, इससे पहले कि मेरी सांस की वीणा टूटे, जिंदगी आ तुझे मैं गीत बनाने आया, सिर्फ एक फूल के मानिंद के जिंदगानी है, चार-छह रोज से ज्यादा कहानी नहीं है, गीत मकरंद है महकेंगे हमेशा यारों, साज की पाखुरी सूख कर झर जानी है।' हास्य-व्यंग के कवि सुदीप भोला ने अपनी पंक्तियों से श्रोताओं को भावुक कर दिया।

बेटियों के दर्द पर आधारित कविता सुनाई, 'गौरया ने अब बागों में आना छोड़ दिया, कोयलिया ने भी दहशत में गाना छोड़ दिया है, वहशी बनकर घूम रहे हैं आज चमन में भंवरे, डरके मारे कलियों ने मुसकाना छोड़ दिया है।' आगे पंक्तियां पढ़ीं, 'मीराबाई ने सुनकर एक तारा तोड़ दिया है, बांसुरिया ने भी सांसों से रिश्ता तोड़ लिया है। तनहाई में फफक रही बिसमिल्ला की शहनाई, बिटिया को पैजनियां मां ने डरकर नहीं दिलाई, टूट गए विश्वास डराती अपनों की परछाई, जो जन्मी नहीं अब तक वो बिटिया घबराई, कैसी बेहयाई आई, कैसी बेहयाई।' कविता तिवारी ने पंक्तियां पढ़ीं, 'सारी धरा तुम्हारे ही गीत गा रही है, लगा तू मधुरम वीणा बजा रही है, आ जाओ मंच पर भी आसन यहीं लगा लो, देवी सरस्वती मां तुम्हें बुला रही है।' वहीं, राजनीति पर कटाक्ष करते हुए गजेंद्र प्रियांशु ने सुनाया, इतने निर्मोही कैसे सजन हो गए, किसकी बाहों में जाकर मगन हो गए, लौटकर के न फिर आए परदेस से, आदमी न हुए कालाधन हो गए। 'ऋतु चली जाएगी फिर से आनी नहीं, यह जवानी रहेगी जवानी नही, सब्र की एक सीमा होती पिया, धैर्य की एक सीमा भी होती पिया, हर किसी का तो दिल आडवाणी नहीं।' इससे पूर्व इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव, पुराछात्र एसोसिएशन के सचिव डॉ. कुमार वीरेंद्र ने दीप प्रज्ज्वलित कर कवि सम्मेलन का उद्घाटन किया।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन - महंगाई बढ़ने की आशंका

जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है। यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा। अभी जब गेहूं की फसल कट कर खलिहान में पहुंची है, तो देश के अनेक इलाकों में मूसलाधार बारिश ने उसे भिगो दिया। बहुत सारा अनाज गोदाम में पहुंचने से पहले ही भीग गया। इस तरह बहुत सारा अनाज सड़ कर बर्बाद हो जाएगा। यह अब जैसे हर वर्ष का सिलसिला हो गया है। बेमौसम बारिश हजारों टन अनाज बर्बाद कर डालती है। खुदरा महंगाई में सबसे अधिक चिंता खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों को लेकर है। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले अनाज और सब्जियों की कीमतें सामान्य आयवर्ग की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। इसकी एक वजह ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भी है, जिससे ढुलाई पर खर्च बढ़ गया है। अभी जिस तरह की वैश्विक स्थितियां हैं उसमें आपूर्ति शृंखला गड़बड़ होने से कच्चे तेल की कीमतें अनिश्चित बनी हुई हैं। इससे भी रिजर्व बैंक की महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पहले रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते दुनिया भर में मुश्किलें पैदा हुई थीं, अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में ईरान के कूद पड़ने और उस पर अमेरिका की सख्त व्यापारिक पाबंदियों से संकट और गहरा हो गया है। भारत चूंकि कच्चे तेल के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, ऐसी स्थिति में उसे तेल की कीमतें नीचे ला पाना कठिन होगा। मगर मौसम की मार से पार पाने का कोई रास्ता किसी के पास नजर नहीं आता। सर्दी, गर्मी, बरसात की अवधि असंतुलित हो गई है। एक ही वक्त में कहीं तेज बारिश और बाढ़ की वजह से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कहीं सूखे की वजह से। सर्दी की अवधि सिकुड़ने के चलते खासकर गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी का मौसम जल्दी शुरू हो जाने से गेहूं का उत्पादन कम हो रहा है। हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है। बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है। अभी तक का आकलन है कि मौसम का मिजाज गड़बड़ होने से सकल घरेलू उत्पाद में करीब डेढ़ फीसद तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जैसी कि जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंकाएं जताई जा रही हैं, कृषि क्षेत्र उनमें सबसे अधिक प्रभावित होगा। ऐसे में महंगाई पर काबू पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा। बेरोजगारी बढ़ने और प्रतिव्यक्ति आय कम होने से महंगाई की मार ज्यादा गहरी पड़ रही है। इससे निपटने के लिए रिजर्व बैंक को वैकल्पिक व्यवस्था बनानी पड़ेगी।

स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर फिर भी इलाज पहुंच से दूर

सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर, विस्तृत और व्यावहारिक बनाने की तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद हकीकत यही है कि बहुत सारे लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पाता है। सामान्य बीमारियों में भी चिकित्सक इतनी तरह की जांच और दवाएं लिख देते हैं कि उसका खर्च उठाना सामान्य लोगों के लिए कठिन होता है।जेनेरिक दवाओं की अनिवार्यता और जनऔषधि केंद्र खुलने के बाद भी अनेक दवाओं की कीमतें बहुत सारे लोगों की क्षमता से बाहर हैं। इसे लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे रेखांकित करते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी आइएमए को फटकार लगाई है।पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने आइएमए से मरीजों को दी जाने वाली महंगी और गैरजरूरी दवाओं तथा अनैतिक कृत्यों पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। दरअसल, आइएमए ने ही पतंजलि के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन देने पर मुकदमा दायर किया था। सर्वोच्च न्यायालय की फटकार को आइएमए कितनी गंभीरता से लेगा, कहना मुश्किल है।दरअसल, हमारे यहां चिकित्सा व्यवस्था में मनमानी की परत-दर-परत चढ़ती गई है।

निजी संपत्ति को अपने कब्जे में ले सकती है सरकार? राज्य के अधिकार को समझ लीजिए

जब हम ओसला गांव में स्थित सोमेश्वर भगवान के मंदिर में दर्शन के लिए गए तो लोगों ने बताया कि आजकल भगवान सोमेश्वर भगवन जखोल गांव में विराजमान हैं। मुख्य मंदिर के पास दो और मंदिर थे, जिन्हें लोगों ने स्टोर रूम बताया। हो सकता है वे दो स्टोर रूम सुयोधन के मंदिर हों। गांव के ही बुजुर्ग राजू पंवार से जब यही प्रश्न बच्चों ने पूछा तो उन्होंने बताया कि राजाओं की पूजा तो सभी करते थे।

(अनिल कुमार)

सुप्रीम कोर्ट में संविधान पीठ संपत्ति के अधिकार से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही है। खास बात है कि यह सुनवाई तब हो रही है जब लोकसभा चुनाव के बीच संपत्ति के पुनर्वितरण को लेकर कांग्रेस और बीजेपी एक दूसरे के सामने हैं। कोर्ट के सामने निजी संपत्ति पर सरकार के नियंत्रण के अधिकार को सवाल है। दिलचस्प संयोग है कि जब देश में निजी संपत्ति के कथित पुनर्वितरण को लेकर चुनावी माहौल गरमाया हुआ है, तभी सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ इस सवाल पर विचार कर रही है कि क्या राज्य निजी स्वामित्व वाली संपत्ति को संविधान के अनुच्छेद 39 बी के तहत 'समुदाय की संपत्ति' मानते हुए नियंत्रित करने का अधिकार रखता है। स्वाभाविक ही इस सवाल में निजी संपत्ति के पुनर्वितरण का पहलू भी शामिल है। यूं तो यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने पहले भी उठता रहा है, लेकिन इससे जुड़े कुछ अहम पहलू पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। इससे जुड़े सबसे चर्चित मामले (कर्नाटक राज्य बनाम श्री रंगनाथ रेड्डी) में 1977 में सुप्रीम कोर्ट ने 4-3 के बहुमत से फैसला दिया था कि निजी स्वामित्व वाली संपत्ति को समुदाय की संपत्ति नहीं माना जा सकता। लेकिन आगे चलकर इसी मामले में जस्टिस वी आर कृष्ण अय्यर की अल्पमत राय ज्यादा अहम मानी गई, जिसके मुताबिक चूंकि व्यक्ति समुदाय का सदस्य होता है इसलिए उसकी संपत्ति समुदाय की संपत्ति के दायरे में आती है। सुप्रीम कोर्ट के सामने आया ताजा मामला महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डिवेलपमेंट एक्ट (म्हाडा) में 1986 में हुए एक संशोधन से जुड़ा है। यह संशोधन राज्य सरकार को जीर्ण-शीर्ण इमारतों और उसकी जमीन को अधिग्रहित करने का अधिकार देता है बशर्ते उसके 70 प्रतिशत मालिक ऐसा अनुरोध करें। इस संशोधन को प्रॉपर्टी ओनर्स असोसिएशन की ओर से अदालत में चुनौती दी गई है। असल में नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत आने वाले अनुच्छेद 39 बी के संबंधित प्रावधानों को अलग-अलग नजरिए से देखा जाता रहा है। जस्टिस अय्यर के बहुचर्चित अल्पमत फैसले में इस मामले को समाजवादी नजरिए से देखा गया। इसे पूंजीवादी नजरिए से भी देखा जा सकता है, जिसके मुताबिक निजी संपत्ति में राज्य के किसी तरह के दखल से परहेज किया जाता है। लेकिन बुधवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने स्पष्ट कर दिया कि दोनों में से कोई भी नजरिया इस मामले में संपूर्ण नहीं माना जा सकता। जस्टिस चंद्रचूड़ के मुताबिक भारत के संदर्भ में संपत्ति को देखने का महात्मा गांधी का दृष्टिकोण सबसे प्रासंगिक है, जिसमें ट्रस्ट की अवधारणा है। इस अवधारणा में न केवल निजी संपत्ति की और उसे परिवार के सदस्यों को हस्तांतरित करने की गुंजाइश है बल्कि समुदाय के सर्वोच्च हितों के अनुरूप उसके सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल की संभावना भी है। देखना होगा कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई आखिरकार किस निष्कर्ष पर पहुंचती है। लेकिन कोर्ट में चल रही बहस के मौजूदा स्वरूप को देखते हुए यह उम्मीद की जानी चाहिए कि जहां यह फैसला इस मसले से जुड़ी तमाम अस्पष्टताएं दूर करेगा, वहीं संपत्ति पर नई भारतीय और संवैधानिक दृष्टि विकसित करने में भी मददगार होगा।

उत्तराखंड की 'हर की दून' घाटी, जहां होती थी दुर्योधन की पूजा : 'हर की दून' हिमालय के खूबसूरत परिवेश के बीच समुद्र तल से लगभग 11700 फुट की ऊंचाई पर बसा एक महत्वपूर्ण पौराणिक क्षेत्र है। हर की दून का शाब्दिक अर्थ है 'ईश्वर की घाटी'। यह घाटी गोविंद पशुपति नैशनल पार्क के पास स्थित है। यहां की दो प्रथाओं -दुर्योधन की पूजा और बहु पति प्रथा- के बारे में काफी सुन रखा था। सच जानने की इच्छा और यहां की प्राकृतिक सुंदरता को देखने की ललक हमें अपने साथी विशाल मोहला और ओबेरॉय सदन की नौवीं कक्षा के 20 छात्रों (ट्यूटीज) के साथ मिड टर्म के दौरान 'हर की दून ट्रेक' पर ले आई। ओसला गांव के नीचे सुपिन नदी में बने पुल को पार कर खड़ी चढ़ाई चढ़ते हुए अपने बेस कैंप कलकत्तिधार पहुंचे। अगले दिन करीब 5 घंटे में 14 किलोमीटर चलकर हम हर की दून पहुंचे। चारों ओर हिमाच्छादित चोटियां और ग्लेशियर देखकर व अपने को बर्फ के बीच पाकर मन प्रफुल्लित हुआ। बच्चे बर्फ में जी भर खेले। करीब एक-डेढ़ घंटा वहां रुकने के बाद हमने वापसी का ट्रेक शुरू किया। वापसी में बर्फबारी भी शुरू हो गई। खैर अपने-अपने रेनकोट में सभी सुरक्षित बेस कैंप पहुंचे। हर की दून से पांडवों और कौरवों का भी इतिहास जुड़ा है। कहते हैं, अज्ञातवास के दिनों में पांडवों की शरण स्थली लाखामंडल भी इस क्षेत्र से काफी नजदीक है। युधिष्ठिर जिस स्वर्ग रोहिणी से स्वर्ग गए बताए जाते हैं, वह पर्वतमाला भी हर की दून से बिल्कुल सामने दिख जाती है। अभी तक मन का यह सवाल जस का तस था कि क्या वाकई यहां दुर्योधन को पूजा जाता है। हमने इसकी सचाई जानने की कोशिश की। नैटवाड़ में महान योद्धा कर्ण का मंदिर भी बना है। लोग कर्ण मंदिर में पूजा-अर्चना आज भी करते हैं। दुर्योधन को देवता मानने वाले भी यहां अच्छी-खासी संख्या में हैं। जब मैंने इस ट्रेक के अंतिम गांव ओसला के बुजुर्गों से वहां स्थित मंदिर के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि गांव में स्थित मंदिर सोमेश्वर भगवान का है और वे सभी शिव की पूजा करते हैं। उन्होंने बताया कि 22 गांवों में सोमेश्वर भगवान की डोली जाती है, और वही उनके आराध्य हैं। जब मैंने पूछा कि दुर्योधन मंदिर कहां है, तो उन्होंने दबी जुबान से बताया कि दुर्योधन का मंदिर भी सोमेश्वर मंदिर के पास ही था। अब वह इसी में समाहित हो गया है। दुर्योधन की अब कोई मूर्ति नहीं है। जब यही प्रश्न नवयुवकों से पूछा तो उन्होंने दुर्योधन की पूजा और उसके मंदिर वाली बात को नकार दिया। उनका कहना था कि ट्रेकर्स ने यहां के इतिहास को गलत ढंग से पेश किया है। लेकिन हर की दून में ट्रेक गाइड जसपाल सिंह राणा ने बताया कि दुर्योधन को उनके बुजुर्ग सुयोधन कहते और उसकी वीरता का बखान भी करते थे। राणा जोर देकर कहते हैं, 'दुर्योधन की पूजा अवश्य होती थी, भले ही आज की पीढ़ी इस बात को नकार रही है।' चाय की दुकान चलाने वाले कालू जुवांठा ने बताया कि सुयोधन को देवता का रूप अवश्य मिला हुआ था, लेकिन समय के साथ यह मान्यता कम हो गई है।

मुस्लिम सियासत को चाहिए नई जुबान

(फहद जुबेरी, शोध विद्वान, ऑक्सफोर्ड)

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के समाप्त होने के बाद कई रिपोर्टों ने बताया कि मुसलमान इस चुनाव में रणनीतिक चुप्पी बरत रहे हैं। इसमें ध्रुवीकरण को रोकने के लिए उकसावे की किसी स्थिति में चुप्पी बनाए रखना, भारतीय जनता पार्टी को सीट-दर-सीट हराने के लिए स्थानीय उम्मीदवारी के मुताबिक रणनीतिक रूप से बड़ी तादाद में मतदान करना शामिल है। इस घटना से बड़े पैमाने पर लोकतांत्रिक दुनिया को चिंतित हो जाना चाहिए। सबसे पहले, यह हमें बताता है कि मुस्लिम मतदाताओं ने इस तथ्य को मंजूर कर लिया है कि लोकतंत्र में उनकी राजनीतिक भागीदारी सिर्फ बहुसंख्यक राजनीति से सुरक्षित रहने तक सीमित है। अधिकतर मुस्लिम शायद उन उम्मीदवारों को वोट देंगे, जो भाजपा को मजबूत चुनौती देते हुए दिखेंगे। यहां मुस्लिम वोट एक किस्म के संभावित खतरे का बंधक है और इसका कोई सियासी महत्व नहीं है। मुसलमान महज तरक्की के वादों के लिए अपने वोट का सौदा नहीं कर सकते। उन्हें लगता है कि उनकी मौन उपेक्षा हुई है, जिसका उन्हें बदला लेना है। उनकी चुप्पी यह भी दिखाती है कि मुसलमानों में दोहरी चेतना विकसित हो गई है, जहां उन्हें लगता है कि वे भारतीय समाज के ध्रुवीकरण में योगदान करते हैं, इसलिए उन्हें यह यकीन है कि उनकी चुप्पी ध्रुवीकरण को कम कर देगी। सच तो यह है कि अक्सर ध्रुवीकरण को निशाना बनाया जाता है और इससे फायदा भी उठाया जाता है। यह स्थिति बहुसंख्यकों के लिए नैतिक बदलाव और पिछले दशक में भारत द्वारा महसूस की गई दूरियों की जिम्मेदारी लेने में उनकी नाकामी की ओर भी इशारा करती है। यह चुप्पी हमें बताती है कि मुसलमान सामने नजर आने वाली सियासी भागीदारी से डरते हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। पिछले दशक में कुछ जगहों पर मुस्लिमों के सियासी कदमों को राज्य का प्रतिकूल रवैया भी झेलना पड़ा है। कुछ उदाहरणों को छोड़ दीजिए, तो आज भी मुस्लिमों के अधिकार चुनावी मुद्दे नहीं बन सके हैं। इस चुप्पी और राजनीतिक उपेक्षा के सामने युवा मुसलमानों को आज सियासत की एक नई भाषा या जुबान विकसित करनी पड़ेगी। अव्वल तो हमें उस ऐतिहासिक मान्यता को नामंजूर कर देना होगा, जिसके तहत यह समुदाय भारत में रहे मुस्लिम बादशाहों और आज के मुसलमानों को जोड़कर देखता है। गौर कीजिए, संघ परिवार द्वारा बनाए गए नजरिये को अगर देखें, तो वह भारत के मुस्लिम बादशाहों को बाहरी आक्रमणकारी के रूप में ही पेश करता है और आज के मुसलमानों को ऐतिहासिक आक्रांताओं के ध्वजवाहक के रूप में चित्रित करता है। यह सोच, मुसलमानों को एक ऐसे कोने में धकेल देती है, जहां बहस का महज एक मकसद रह जाता है, समुदाय का अलग-थलग हो जाना। जरूरी है कि मुसलमान इस जाल को तोड़ फेंकें और इस हकीकत का इजहार करें कि मुस्लिम बादशाहों के साथ उनका उतना ही जुड़ाव है, जितना बाकी हिंदुओं का है। भारत में मुस्लिम शासन ने सामान्य रूप से भारतीय तहजीब में बड़ा योगदान दिया है और उसे आकार भी। बदलाव के ये तमाम सांस्कृतिक आकार-प्रकार भारतीय हैं, सिर्फ मुस्लिम नहीं। मिसाल के लिए, उर्दू सिर्फ मुसलमानों की जुबान नहीं है, बल्कि भारत की एक स्थानीय भाषा है। इस विशेष समुदाय की राजनीति को आज आधुनिक राष्ट्र के साथ तालमेल कर चलना चाहिए। राष्ट्र की मुख्यधारा में अपना दावा पेश करना चाहिए। देश की एक जातीय-राष्ट्रवादी राजनीति आधुनिक भारत में मूल निवास के दावे के साथ हिंदुओं की श्रेष्ठता को स्थापित करने की कोशिश करती रहती है। इस कहानी में यदि कोई मुसलमान अपनी हिंदू विरासत को मंजूर करता है, तो उसे घर वापसी के लिए कहा जाता है। दूसरी ओर, अगर वह अपने पूर्वजों को हिंदू नहीं मानता, तो इसका सीधा मतलब है कि उसके पूर्वज बाहर से आए थे और उन्होंने हिंदुओं पर निर्मम आक्रमण किया था।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5355

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5354

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

आज का राशिफल

मेष
आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। भाग्य पूरी तरह से आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारी आपकी मदद करेंगे। नयी जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन बहुत ही खुशहाल रहने वाला है। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। मित्रों के साथ किसी समारोह में मुलाकात हो सकती है।

वृष
आज आप अपने काम के बजाय दूसरों पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। हालाँकि, इससे आपकी कार्यक्षमता पर नकारात्मक असर पड़ेगा। अपनी जिम्मेदारियों को समझें और सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। माता की सलाह लेना हितकर होगा। अचानक आये खर्चों के कारण आपका बजट बिगड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ पुराने मतभेद दोबारा उभरने की आशंका है।

मिथुन
महिलाओं को स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है। धन की कमी दूर होगी। कुटुम्ब जनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। घर में बच्चों के साथ मनोरञ्जन का आनन्द लेंगे। सरकारी कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी के प्रति व्यवहार अच्छा रखें।

कर्क
प्रेमी जन के साथ मतभेद दूर होंगे। विशिष्ट और रचनात्मक प्रकृति की विधाओं में आप रुचि लेंगे। बौद्धिक चर्चाओं में आपका मान बढ़ेगा। आज सन्तान को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुँचाने की चेष्टा कर सकते हैं।

सिंह
मनमौजी स्वभाव के लोगों से थोड़ी दूरी बनाकर रखें। लोगों की आर्थिक मदद के लिये आपको अपनी जेब ढीली करनी पड़ सकती है। यदि आपने किसी से उधार लिया है तो उसे आज चुका दें। व्यस्तता के बावजूद घर को पर्याप्त समय देंगे।

कन्या
आपके द्वारा लिये गये निर्णय सटीक सिद्ध होंगे। किसी महत्वपूर्ण योजना को बनाने के लिये आज का दिन बेहद शुभ है। गृह कलह से छुटकारा मिलेगा। जीवनसाथी के साथ सुकून भरा समय बितायेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशन्सा होगी।

तुला
अनावश्यक खर्चों को कम करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्षेत्र की बाधा दूर होगी। प्रेम विवाह को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। विरोधी आपके सामने काफी कमजोर होते प्रतीत हो रहे हैं। अधीनस्थ कर्मचारी आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक
आपको कार्यशैली में काफी बदलाव आयेगा। घर और कार्यक्षेत्र में खुशियों का माहौल रहने वाला है। आपकी दिनचर्या काफी सन्तुलित रहेगी। सन्तान को लेकर परेशानी दूर होगी। बड़े-बुजुर्ग आपका उत्साहवर्धन करेंगे।

मकर
आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कई दिनों से काम का तनाव आज दूर होगा। आप लोगों को अपने अनुकूल करने में सफल रहेंगे। लेकिन किसी भी स्थिति में अपने सिद्धान्तों से समझौता न करें। आज आपको नयी जानकारियाँ मिलेंगी। बेरोजगार लोग यदि जॉब के लिये इन्टरव्यू देते हैं तो उसमें सफलता मिलने की सम्भावना बन रही है।

कुंभ
प्रेमी जन की भावनाओं की कद्र करें। आपको अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई महसूस होगी। परिवार में सब आपकी प्रशन्सा करेंगे। व्यापार में नये अनुबन्ध हो सकते हैं। यदि किसी इन्टरव्यू में सम्मिलित होना चाह रहे हैं तो उसमें आपको सफलता मिल सकती है।

धनु
आज आपका पूरा दिन कल्पनाओं में बर्बाद हो सकता है। काम की गुणवत्ता पर ध्यान दें। परिवार में थोड़ी खींचतान हो सकती है। अपने जल्दबाजी वाले स्वभाव पर नियन्त्रण लायें। वरना व्यवसाय में बड़ा नुकसान हो सकता है। मन में किसी अभाव के कारण विचलन रहेगा।

मीन
यदि आप लोन के लिये आवेदन करना चाहते हैं तो आज का दिन बिल्कुल भी सही नहीं है। लोग आपको सही सलाह भी नहीं दे रहे हैं। इसीलिये इस समय शान्त होकर परिस्थितियों का स्वतः मूल्याङ्कन करना चाहिये। परिवार के विवाह योग्य सदस्यों को लेकर थोड़ी चिन्ता होगी। हृदय रोगी आज तनाव वाले कारणों से स्वयं को दूर रखें।

वर्ग पहेली 5355

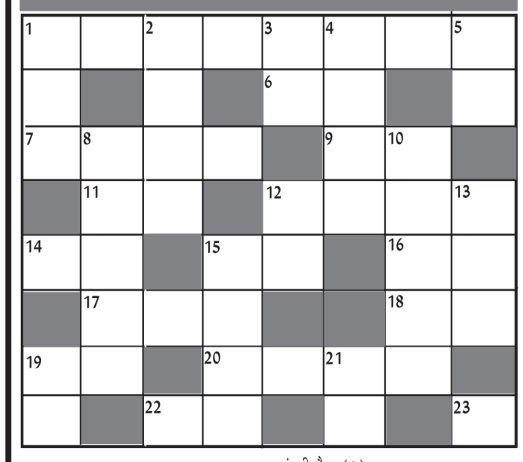

संकेत: बाएं से दाएं
1. 8 जून 1936 इंडियन स्टेट ब्राउकास्टिंग सर्विस का नाम बदलकर यह रख दिया गया (8)
8. टेढ़ापन, दोष, कुटिल (2)
7. इस्लामी नवां महिना जिसमें मुस्लिम दिनभर रोजा रखते है (4)
9. वज्र, बिजली (2)
11. मैं का बहुवचन (2)
12. सर्वश्रेष्ठ होने या वरीय होने का भाव (4)
14. आकाश, जल, वायु (2)
15. ईश्वर का एक नाम हजरत मुहम्मद के दामाद और चौथे खलीफा (2)
16. गढ़, कोट, दुर्ग (2)
17. पूजा करने वाला, भक्त (3)
18. रात्रि, रत, यामिनी (2)
19. पूरा, पूरी तरह भरा हुआ (2)
20. जिसे उर्दू में कुर्बानी कहा जाता है (4)
22. विवाह के समय वर को पहनाया जाने वाला ताड़पत्र (2)
23. शास्त्रीय संगीत में षड्जस्वर, सादृश्य (1)

ऊपर से नीचे
1. विश्व सिनेमा का सबसे बड़ा अवार्ड (3)
2. प्रबंध, व्यवस्था (4)
3. तिब्बत और मध्य एशिया में होने वाला एक जंगली भैसा (2)
4. रूपए के मूल्य के छोटे-छोटे सिक्के (4)
5. जोड़, मिलाप, संबंध, लगाव (2)
8. अधिक महत्व का (5)
10. आरके बैनर की फिल्म बरसात से अपना सरगीम सफर शुरू करने वाली संगीतकार जोड़ी में से एक (5)
12. उत्तराधिकारी, महात्मा, ऋषि (2)
13. जलाशय, सरोवर (3)
15. यशस्वी मुगल सम्राट जिसने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया (3)
16. गढ़, कोट, दुर्ग (2)
19. अर्चना, पूजन, वंदना (2)
21. हक या स्वामित्व (2)

वर्ग पहेली 5354 का हल

म	हे	श	भू	प	ति		डै
त	ल	ब		थि	र	क	ना
ग	न			क	प	ट	
ण		ना	ना			नी	म
ना	म	ज	द	गी			ह
	म	नी		ता	ल	मे	ल
सं	ता	न		द		म	
ज्ञा			द	त्त		ना	रा

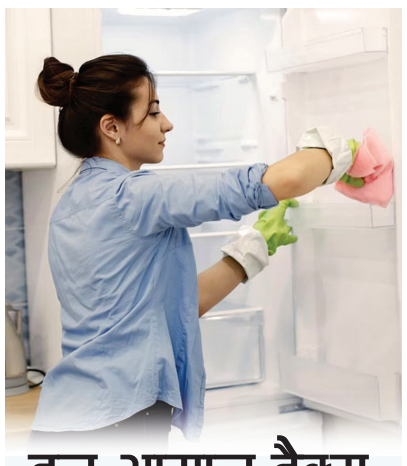

इन आसान हैक्स से चुटकियों में चमकेगा आपका घर

हम सभी अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहते हैं। लेकिन, घर में जमी गंदगी को साफ करना आसान नहीं होता है। फ्रिज में जमी गंदगी हो या फिर खिड़कियों की गंदगी, घर के कई कोने ऐसे होते हैं, जहां गंदगी आसानी से जम जाती है। लेकिन, उसे साफ करने में काफी मुश्किल आती है। लेकिन जरा सोचिए! अगर यहां हम आपको कुछ ऐसे आसान हैक्स के बारे में बताएं, जिनकी मदद से आप चुटकियों में, घर की कुछ खास चीजों और जगहों को आसानी से साफ कर पाएंगी, तो कितना अच्छा रहेगा। जी हां, गंदा फ्रिज हो, फर्श हो या फिर खिड़कियां, कुछ आसान हैक्स आपका टाइम और पैसा दोनों बचा सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं।

गंदे फ्रिज को इस आसान तरीके से करें साफ

फ्रिज के गंदे रबड़ और दरवाजे को साफ करने के लिए, आपको एक कटोरी में गर्म पानी लेना है। अब इसमें सफेद सिरका और लिक्विड डिश सोप डालें। इसमें किसी सॉफ्ट रुमाल, स्पॉज या फिर तौलिये को डुबाएं। जब कपड़ा, पानी को अच्छे से सोख लें तो इससे फ्रिज के दरवाजे, रबर और अंदर की रैक को भी आप आसानी से साफ कर सकती हैं। ऐसा करते वक्त फ्रिज की पॉवर ऑफ कर दें। सफाई करने के बाद, कुछ देर के लिए, आप फ्रिज को खुला छोड़ दें।

गंदे खिड़की-दरवाजों को ऐसे करें साफ

कांच के खिड़की-दरवाजे देखने में बेशक बहुत खूबसूरत लगते हैं। लेकिन, इन्हें साफ करना भी उतना ही मुश्किल होता है। यहां हम आपको एक आसान स्प्रे के बारे में बता रहे हैं। इसकी मदद से आप आसानी से खिड़की-दरवाजों को साफ कर पाएंगे। एक स्प्रे बोतल में एक चम्मच विनेगर, लिक्विड डिटर्जेंट और थोड़ा पानी लें। अब इसे कांच के खिड़की-दरवाजों पर स्प्रे करें और फिर स्पॉज की मदद से गिलास को रगड़ें। इसके बाद टिश्यू पेपर, वेट वाइप्स या तौलिये की मदद से आप इसे साफ करें।

बाथरूम के फर्श को कैसे करें साफ

बाथरूम का फर्श जल्दी गंदा, स्मैली और चिकना हो जाता है। इसे भी आप एक आसान घरेलू नुस्खे की मदद से साफ कर सकती हैं। एक कटोरी में आधा कप बेकिंग सोडा और चौथाई कप नींबू का रस मिलाएं। इसका एक पेस्ट बना लें। इसे स्क्रबर की मदद से फर्श पर लगाकर लगभग आधे घंटे के लिए छोड़ दें। इससे फर्श की चिकनाई, बदबू और गंदगी तीनों ही दूर होंगे और बाथरूम का फर्श साफ हो जाएगा।

सावधानी सुरक्षा का सबसे अहम कदम है

सर्वेक्षण साबित करते हैं कि महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर कम भीड़ होने, सुनसान या अंधेरा रास्ता होने, ट्रेन की बोगी या बस में कम यात्री होने, रास्ता अनजान होने, नशीले पदार्थों की बिक्री के स्थानों के आसपास डर महसूस करती हैं।

बसों, ट्रेनों आदि में महिलाओं के साथ छेड़खानी, यौन उत्पीड़न के मामले रोज़ाना सामने आते हैं। इनसे निपटने के लिए सुरक्षा उपकरण लगाए जाने, निगरानी के लिए कैमरे तथा मदद के लिए हेल्पलाइन नंबरों की व्यवस्था के सुझाव हैं और कई शहरों में इन पर अमल भी किया जा रहा है। लेकिन यह जानते हुए कि अपराधी अपनी परवरिश, अपने माहौल और अपनी सोच का शिकार होता है, उससे बचाव करना बेहतर उपाय है। आत्मरक्षा के पैंतरे सीखने के साथ-साथ चंद उपकरणों को साथ रखना अक्लमंदी होगी।

घर से बाहर निकलना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना लाज़मी है। कुछ सावधानियां ज़रूर अपनाई जा सकती हैं जिनकी मदद से स्वयं को सुरक्षित रखा जा सकता है।

शुरुआत सही तरह से करें

- अगर समय अधिक हो गया है और आप कहीं दूर या अनजान जगह जा रही हैं तो किसी को अपने साथ ज़रूर रखें। भले ही वह लड़का हो या लड़की क्योंकि इससे आपको साथ मिल जाएगा और विषम परिस्थिति के लिए आपकी शक्ति भी बढ़ जाएगी।
- अकेले जाना पड़े तो सुनसान के बजाय ऐसे रास्ते का चुनाव करें जहां पर चहल-पहल रहती हो।
- होस्टल में या अकेले रहने वाली लड़कियों को रात के खाने के बाद टहलने के लिए बाहर जाने या भले घर के पास ही, लेकिन सड़क पर फोन करते हुए टहलने से गुरेज़ करना चाहिए।
- अपने मन की आवाज़ यानी गट फीलिंग को नज़रअंदाज़ न करें। अगर आपको लग रहा है कि कोई आपका पीछा कर रहा है तो जल्दी से जल्दी भीड़ के बीच चली जाएं या किसी दुकान या मॉल में जाकर मदद के लिए फोन करें।
- आप जहां कार पार्क करने वाली हैं, वो जगह अंधेरी है, तो वहां कार न खड़ी करें।

सावधानी बरतना है ज़रूरी

- अमूमन महिलाओं की फोन पर बात करने की आदत होती है, विशेषकर तब जब वे अकेली हों। भले ही ऐसा करने पर आपको साथ की अनुभूति हो पर आपका ध्यान आस-पास की गतिविधियों से हट जाता है।
- फोन का इस्तेमाल न करने पर आपका ध्यान न सिर्फ़ आस-पास के लोगों पर पूरी तरह से रहता है बल्कि किसी हलचल को भी आसानी से महसूस कर सकती हैं व अपने आप को सुरक्षित रखने के प्रयास कर सकती हैं।

सुरक्षा के लिए जरूरी है तैयारी

- किसी भी विषम परिस्थिति में अपनी सुरक्षा के लिए अपने पर्स में पेपर स्प्रे, शॉक लॉकेट, मिर्च पाउडर जैसी आत्मरक्षा की चीज़ें ज़रूर रखें।
- इसके अलावा फोन में महिला हेल्पलाइन (1090) और पुलिस हेल्पलाइन नंबर भी सेव करके रखें जिससे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत डायल किया जा सके।
- कुछ आत्मरक्षा की तकनीक भी सीख सकती हैं। जैसे- जो व्यक्ति पीछा कर रहा है उसकी नाक, आंखों, घुटने या प्राइवेट पार्ट पर वार करके अपने आपको विषम परिस्थिति से बचा सकती हैं।
- अगर हमलावर चेहरा ढके हुए है या टोपी पहने है, तो उस पर हमला करके उसका नक़ाब हटा दें। पहचान ज़ाहिर होने पर अपराधी स्वयं डर जाता है।

मदद मांगने से ना कतराएं

- तनिक भी अंदेशा लगे कि कोई आपका पीछा कर रहा है या आप किसी ख़तरे में हैं तो आस-पास के लोगों से मदद मांगें। लोग भी आपकी मदद तब ही करेंगे जब आप उनसे मांगेंगी। इसलिए अपने आस-पास के लोगों को अपनी समस्या बताकर उनसे मदद मांग सकती हैं।
- अगर आपके पास भीड़ है तो आप चिल्ला भी सकती हैं। अगर आप अपने लिए क़दम उठाती हैं तो लोग आपकी मदद के लिए आगे आ ही जाते हैं।

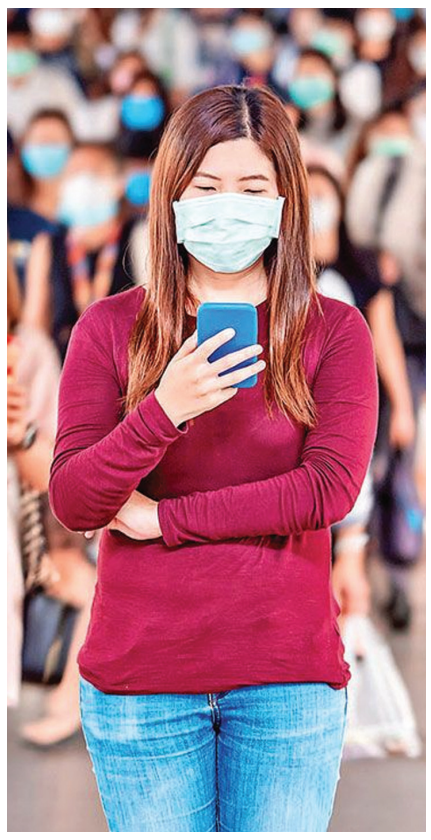

घर पर लगा रहे हैं हर्बल प्लांट्स तो ऐसी होनी चाहिए मिट्टी

घर में हमें कई तरह के हर्ब्स की हर दिन जरूरत पड़ती है। ऐसे में अगर आप अपने घर में हर्बल प्लांट लगा रहे हैं और उसकी अच्छी ग्रोथ होते हुए देखना चाहते हैं तो आपको उसकी मिट्टी पर भी ध्यान देना चाहिए।

आज के समय में हम सभी अपने घर में प्लांटिंग करना पसंद करते हैं और हम ऐसे प्लांट्स को घर में जगह देना पसंद करते हैं, जिन्हें रोजमर्रा में इस्तेमाल भी किया जा सके। इस लिहाज से हर्ब्स को घर में उगाना एकदम सही विचार है। अपनी किचन में हमें हर दिन कई तरह के हर्ब्स की जरूरत होती है। ये बहुत अधिक स्पेस भी नहीं लेते हैं तो आप अपने किचन गार्डन में ही हर्ब्स भी उगा सकते हैं।

हालांकि, जब आप अपने घर में हर्ब्स लगा रहे हैं तो आपको सही मिट्टी का चयन करना भी बेहद जरूरी है। अगर मिट्टी उस हर्ब्स की जरूरतों को पूरा नहीं करती हैं तो इससे ना केवल उनके लिए ग्रोथ करना मुश्किल हो जाता है, बल्कि पौधा सूख भी सकता है। दरअसल, जब आप घर में हर्ब्स लगाते हैं तो आपको मिट्टी की कुछ क्वालिटीज का खास ख्याल रखना चाहिए। यूं तो आप कई तरह की मिट्टी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्रेनेज सिस्टम हो बेहतर

जब भी आप अपने घर में हर्ब्स को उगाएं तो आपको यह जरूर सुनिश्चित करना चाहिए कि मिट्टी ऐसी होनी चाहिए, जिसका ड्रेनेज सिस्टम अच्छा हो। अगर ऐसा नहीं होता है तो पौधे में पानी अधिक समय तक यूं ही रह जाएगा, जिससे पौधे की जड़ों के सड़ने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए, हमेशा मिट्टी का अच्छा जल निकासी होना बहुत ही जरूरी है, ताकि पानी जमा न हो।

पोषक तत्वों से हो भरपूर

जिस तरह अन्य पौधों को बढ़ने के लिए पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह हर्ब्स की मिट्टी में भी पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में होने आवश्यक है। कोशिश करें कि मिट्टी में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों के अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व भी जरूर हों। आप चाहें तो मिट्टी को बेहतर बनाने के लिए उसमें उर्वरक को भी मिला सकते हैं।

पीएच लेवल पर दें ध्यान

जब भी आप अपने घर में हर्ब्स उगाएं तो आपको मिट्टी के पीएच लेवल का भी खास ख्याल रखना चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि 6 से 7 के बीच के पीएच स्तर वाली मिट्टी हर्बल पौधों के लिए अच्छी मानी जाती है। इससे उनकी ग्रोथ अच्छी होती है। हालांकि, कुछ हर्ब्स अधिक अम्लीय या क्षारीय मिट्टी में भी विकसित हो सकते हैं, इसलिए किसी भी हर्ब को मिट्टी में लगाने से पहले एक बार उनकी जरूरतों को समझ लें।

हल्की हो मिट्टी

यह भी एक जरूरी टिप है, जिसका आपको ध्यान रखना चाहिए। हमेशा कोशिश करें कि आपके हर्बल प्लांट की मिट्टी हल्की हो। इससे मिट्टी में एरिएशन बेहतर होता है और प्लांट की बेहतर ग्रोथ होती है। इतना ही नहीं, मिट्टी के हल्की और मुलायम होने के कारण हर्बल प्लांट की जड़ों के लिए फैलाव भी अधिक आसान हो जाता है।

आप खुद के लिए भी खरीदें ऑनलाइन बेस्ट सनग्लासेस

सनग्लासेस खरीदने के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो जब आप सनग्लासेस पहनती हैं तो ना केवल आप अपनी आंखों को सनप्रोटेक्शन प्रदान करती हैं, बल्कि आंखों में किसी भी तरह की गंदगी व कीट-पंतगे आदि के जाने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। इतना ही नहीं, इससे आपका लुक भी काफी अच्छा लगता है। कुछ महिलाएं तो अपने लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए सनग्लासेस पहनना काफी पसंद करती हैं। हालांकि, सनग्लासेस से आपको एक अच्छा लुक तभी मिलता है, जब आप अपने अनुसार सही सनग्लासेस का चयन किया हो।

अगर आप मार्केट जाकर सनग्लासेस खरीदती हैं तो शायद शॉपिंग करते समय आपसे कोई गड़बड़ ना हो, लेकिन अगर आप ऑनलाइन सनग्लासेस खरीदना चाहती हैं तो गलती होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप ऑनलाइन भी खुद के लिए बेस्ट सनग्लासेस खरीद सकती हैं-

फ्रेम का साइज

जब आप ऑनलाइन सनग्लासेस खरीद रही हैं तो आपको सबसे पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप फ्रेम के सही साइज को सलेक्ट कर रही है। अगर चश्मा आप पर फिट नहीं होगा तो इससे आपका लुक भी अच्छा नहीं लगेगा। साथ ही साथ इसे पहनने पर आपको कंफर्टेबल भी फील नहीं होगा। यह कुछ ऐसा ही है, जैसा कि गलत साइज के कपड़ों को पहनने पर होता है। ध्यान रखें कि सनग्लासेस के फ्रेम का आकार आपके चेहरे के आकार के लगभग बराबर होना चाहिए। छोटे चेहरे वाले लोगों के लिए छोटे फ्रेम बेहतर होते हैं और बड़े चेहरे वाले लोगों पर बड़े फ्रेम अच्छे लगते हैं।

फेस शेप पर दें ध्यान

आपने नोटिस किया होगा कि मार्केट में कई तरह के सनग्लासेस आपको देखने में अच्छे लगते हैं, लेकिन जब आप उन्हें पहनते हैं तो वह अच्छा नहीं लगता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर व्यक्ति का फेस शेप अलग होता है। यही नियम ऑनलाइन सनग्लासेस खरीदते समय ध्यान में रखना चाहिए। हमेशा अपने फेस शेप के अनुसार सनग्लासेस के शेप को सलेक्ट करें। सही फ्रेम आपके चेहरे को हाइलाइट करेगा और खामियों को छिपाएगा। संक्षेप में, सही फ्रेम आपके लुक को बढ़ाएगा।

फ्रेम के मैटीरियल पर करें फोकस

जब आप ऑनलाइन सनग्लासेस खरीद रही हैं तो आपको फ्रेम के मैटीरियल पर भी पर्याप्त ध्यान देना चाहिए। दरअसल, फ्रेम का मैटीरियल आपके कंफर्ट के लिए बेहद आवश्यक है। आप अपने फ्रेम मैटीरियल के रूप में नायलॉन, टाइटेनियम, पॉली कार्बोनेट, या यहां तक कि प्लास्टिक आदि का विकल्प चुन सकती हैं।

लेंस मैटीरियल भी है अहम

फ्रेम के मैटीरियल के अलावा लेंस का मैटीरियल भी उतना ही अहम है। इन दिनों लेंस मैटीरियल में भी कई ऑप्शन अवेलेबल हैं। मसलन, ऑप्टिकल ग्लास लेंस पॉलिश और चिकने होते हैं। यह मैटीरियल स्क्रैच फ्री होते हैं और बहुत ही ड्यूरेबल होते हैं। हालांकि, वे बेहद महंगे होते हैं और इसलिए बहुत से लोग इसे नहीं खरीदते हैं। इसी तरह, ऐक्रेलिक लेंस अधिक सस्ते होते हैं और यदि आप कम पैसे खर्च करके एक क्लीयर लेंस को खरीदना चाहते हैं तो यह एक अच्छा विकल्प हैं।

सनग्लासेस और यूवी प्रोटेक्शन

ऑनलाइन सनग्लासेस खरीदते समय इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए। ऐसे सनग्लासेस को खरीदना चाहिए, जो आपको यूवीए और यूवीबी किरणों से प्रोटेक्शन प्रदान करे। इसलिए, जब भी आप ऑनलाइन सनग्लासेस खरीद रही हैं तो उसके डिस्क्रिप्शन को अवश्य पढ़ें। इस तरह आपके लिए सही सनग्लासेस खरीदना अधिक आसान हो जाएगा।

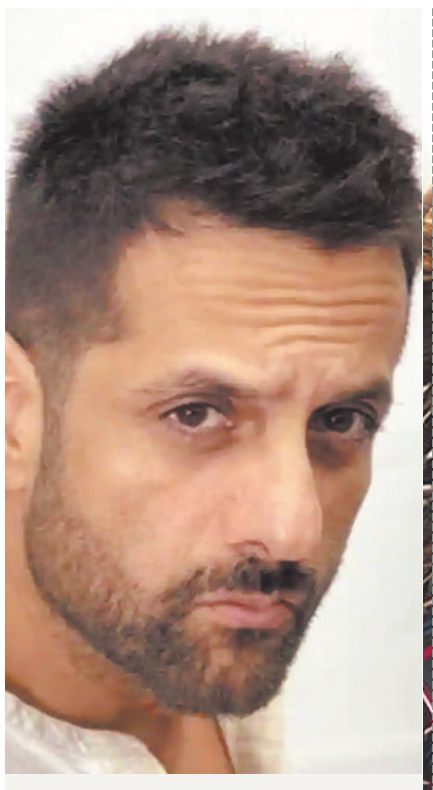

हीरामंडी के बाद अक्षय कुमार के साथ धमाल मचाएंगे फरदीन

फरदीन खान लंबे समय के बाद संजय लीला भंसाली की हीरामंडी के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। अब इस प्रोजेक्ट के बाद फरदीन अक्षय कुमार के साथ फिल्म खेल-खेल में धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की है। बड़े मियां छोटे मियां फ्लॉप होने के बीच अक्षय कुमार की नई कॉमेडी फिल्म खेल-खेल में की रिलीज डेट का एलान हो गया है। लगातार फ्लॉप देने के बाद भी खिलाड़ी कुमार की झोली में कई फिल्में हैं। अभिनेता अब अपनी आगामी फिल्म खेल-खेल में को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। अक्षय कुमार इस फिल्म से एक बार फिर अपनी कॉमिक जोन में एंट्री करने जा रहे हैं। इस बार स्क्रीन पर उनका साथ अभिनेता फरदीन खान देने वाले हैं। खेल-खेल में अक्षय अपने पुराने कॉमिक जोनर में नजर आने वाले हैं। ऐसे में उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को एक बार फिर खिलाड़ी कुमार से कनेक्ट कर पाएगी। वहीं, बीते दिन भूल भुलैया के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने भी अक्षय कुमार के साथ एक हॉरर फैंटेसी फिल्म पर मुहर लगाई है। बता दें कि अक्षय की यह कॉमिक फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म मेकर्स टी-सीरीज ने अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, फरदीन खान, वाणी कपूर, पंजाबी एक्टर और सिंग एमी वर्क और प्रज्ञा जायसवाल स्टारर इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म की स्टार कास्ट संग एक तस्वीर शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट पर मुहर लगा दी है।

मैं बहुत अकेली थी, यह डरावना अनुभव था, हॉलीवुड में शुरुआती संघर्ष पर छलका प्रियंका का दर्द

बॉलीवुड से हॉलीवुड का सफर तय कर चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की दीवानगी दुनियाभर में है। प्रियंका ने अपने दम पर यह पहचान बनाई है। बॉलीवुड में सिक्का जमाने वाली देसी गर्ल ने 2017 में हॉलीवुड का रुख किया। उन्होंने बेवॉच से डेब्यू किया। हॉलीवुड में प्रियंका चोपड़ा को शुरुआत में काफी संघर्ष करना पड़ा। हाल ही में अभिनेत्री ने बताया कि इस खराब दौर से वह कैसे उबरीं?

पश्चिम में अपने संघर्ष के दौर के बारे में प्रियंका ने कहा, यह एक ऐसी इंडस्ट्री थी जिसके बारे में मुझे जानकारी नहीं थी। वहां के लोगों को मैं नहीं जानती थी। ऐसे दोस्त नहीं थे, जो सुबह दो बजे कॉल करें। वह बहुत महत्वपूर्ण था। मैं बहुत अकेली थी और यह बहुत डरावना अनुभव था। यह सब न्यूयॉर्क सिटी का किस्सा था, जो यूं भी एक चुनौतीपूर्ण शहर है। वह मेरी जिंदगी का एक काला दौर था।

प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा कि अपने देश में काफी दबदबा होने के बावजूद उन्हें वहां फिर से करियर शुरू करने के लिए मजबूर किया गया। यहां तक कि शुरुआत में प्रियंका के साथ लोगों ने मीटिंग तक करने के लिए इनकार कर दिया, यह उनके लिए बड़ा झटका था। हालांकि, प्रियंका हिम्मत से डटी रहीं और इस मुश्किल वक्त में भी खुद को टूटने से बचाया। प्रियंका चोपड़ा ने कहा, मैं बहुत महत्वाकांक्षी महिला हूं। मैं बहुत तेजी से आगे बढ़ती हूं। मैं हमेशा यही चाहती हूं कि सबकुछ सुलझ जाए। मैं किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश में रहती हूं। हालांकि, ऐसी भी स्थिति का सामना करना पड़ता है, जब कोई समाधान या उपाय नहीं मिलता। आपको उस स्थिति को स्वीकार करना चाहिए। यही वह सबक है, जिसने मुझे सक्षम बनाया है। मुझे लहर से लड़ने के बजाय उस पर सवार होना पसंद है। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट हेड्स ऑफ स्टेट की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा बीते महीने उन्होंने ब्लफ का भी एलान किया। बीते दिनों प्रियंका चोपड़ा भारत दौरे पर थीं। इस दौरान उन्होंने होली का त्योहार भी यहां अपने परिवार के साथ मनाया। इसके अलावा अभिनेत्री अयोध्या में बने भव्य श्रीराम मंदिर के दर्शन करने भी पहुंचीं।

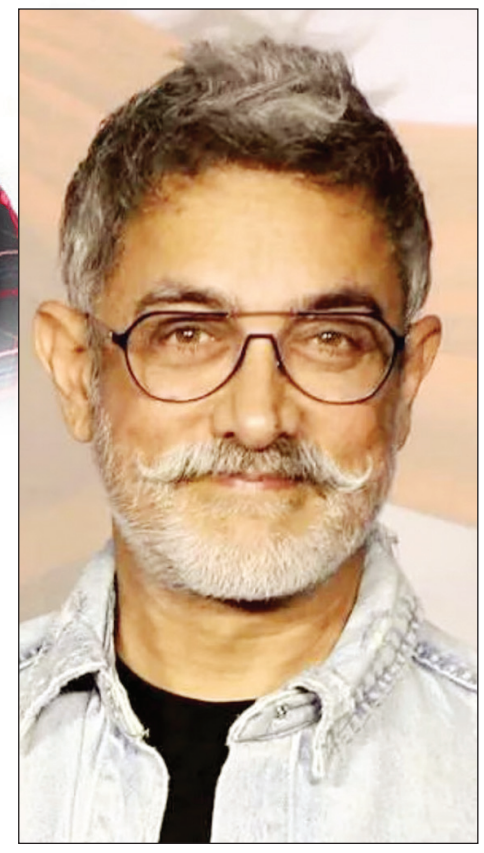

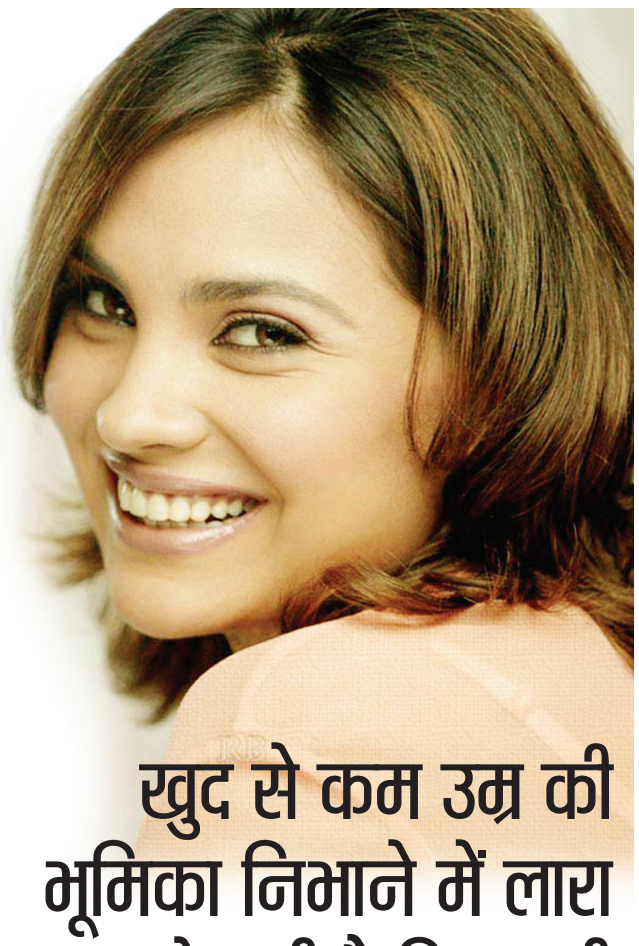

खुद से कम उम्र की भूमिका निभाने में लारा को नहीं है दिलचस्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'रणनीति - बालाकोट एंड बियॉन्ड' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार किरदार निभाए हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी उम्र के हिसाब से किरदार करने को लेकर बात की है। दरअसल, एक बातचीत में उनसे पूछा गया कि पुरुष अक्सर अपनी वास्तविक उम्र से बेहद ही कम उम्र के किरदार कैसे निभाते हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। लारा दत्ता ने अपनी बात को रखते हुए कहा, महिलाओं को अपनी उम्र के हिसाब से रोल मिल रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि ऐसा आगे भी होगा। क्योंकि अब तक के सबसे लंबे समय में हमने कभी भी इस देश में एक निश्चित उम्र से अधिक की महिलाओं का किरदार नहीं किया। यह हमेशा कॉलेज जाने वाली या 20 साल के हीरो के पहली बार प्यार में पड़ने वाला था। उन्होंने कहा, स्क्रीन पर महिलाओं का किरदार या तो मां का था, जिसने अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। या फिर बुरी सास या पीड़ित बहू, वास्तविक महिलाओं को नहीं दिखाया गया। वह अपनी नई वेब सीरीज 'रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड' में एक राजनेता की भूमिका निभा रही हैं। इससे पहले उन्होंने बेलबॉटम में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया था। लारा ने कहा, इसलिए मुझे यह पसंद है कि आज स्क्रीन पर ऐसी महिलाएं हैं जो सभी रूपों में हैं। आप जानते हैं शक्तिशाली महिलाएं और कमजोर महिलाएं, लेकिन जो महिलाएं 40, 50, 60, 70 की हैं, उन्हें अब स्क्रीन पर देखा जा रहा है, इसलिए मुझे उस किरदार को निभाने में कोई दिलचस्पी नहीं है जो अभी मेरी उम्र से कम हैं। उनके वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वे 'रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड' में दिखाई दी हैं। ये सीरीज 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। लारा दत्ता के साथ इसमें जिमी शेरगिल, आशुतोष राणा और आशीष विद्यार्थी समेत कई अन्य कलाकार हैं। इसके अलावा उनके पास वेलकम टू द जंगल और रामायण जैसी फिल्में हैं।

आमिर खान प्रोड्यूस करेंगे इमरान की एक्टिंग कमबैक फिल्म, 'हैप्पी पटेल' होगा टाइटल

आमिर खान के भांजे एक्टर इमरान खान अपने एक्टिंग कमबैक को लेकर चर्चा में हैं। सुनने में आया है कि वो जल्द ही एक कॉमेडी फिल्म से 9 साल बाद एक्टिंग कमबैक करेंगे। इस फिल्म को उनके मामा आमिर खान प्रोड्यूस करेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म का टाइटल 'हैप्पी पटेल' होगा। मेकर्स ने गोवा में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। एक्टर ने तकरीबन 8 महीने पहले ही अपने कमबैक को लेकर हिंट दे दिया था। माना जा रहा है कि वो तब से ही इस फिल्म की तैयारी कर रहे थे।

4 में से 2 हिट फिल्मों के प्रोड्यूसर रहे आमिर

इससे पहले 2008 में रिलीज हुई इमरान की डेब्यू फिल्म 'जाने तू या जाने ना' भी मामा आमिर खान ने ही प्रोड्यूस की थी। इसके बाद दोनों ने 2011 में रिलीज हुई 'देल्ही बेली' में भी साथ काम किया था। ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थीं।

12 में से 4 फिल्में ही रहीं हिट

इमरान ने अब तक अपने करियर में 12 फिल्मों में काम किया जिसमें से सिर्फ 4 फिल्में 'जाने तू या जाने ना', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'देल्ही बेली' और 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' ही हिट रहीं।

हाल ही में इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो ओटीटी पर रिलीज होने वाली एक स्पाय सीरीज से एक्टिंग कमबैक करने वाले थे। इसमें वो एक इंटेलिजेंस ऑफिसर के रोल में नजर आने वाले थे। इसे फिल्ममेकर अब्बास टायरवाला बनाने वाले थे पर यह कुछ कारणों से बन नहीं पाई।

करियर को देंगे नई दिशा भुवन बाम

भुवन बम की वेब सीरीज ताजा खबर को फैंस और दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस सीरीज को हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया गया था। अब अभिनेता इसकी दूसरी श्रृंखला लेकर जल्द आएंगे। लेकिन उससे पहले अभिनेता भुवन बाम अपने करियर को नई दिशा देने के लिए दिल्ली से मुंबई शिफ्ट हो रहे हैं। मनोरंजन की दुनिया में मिल रही लगातार उपलब्धियों की वजह से भुवन ने अब मुंबई में बसने का फैसला कर लिया है। यानी की अब भुवन दिल्ली से ज्यादा मुंबई में समय बिताने वाले हैं। उनको लगता है कि मनोरंजन की दुनियां उन्हें मुंबई खींच लाई है।

भुवन क्यों शिफ्ट होना चाहते हैं मुंबई

भुवन ने कहा, मेरी जिंदगी में करियर के इस अध्याय को लेकर मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। यह शहर (मुंबई) मनोरंजन की दुनिया में अपने अंदर अपार क्षमता और कभी खत्म ना होने वाली संभावनाओं से भरा हुआ है। मैंने इस शहर की जीवंत ऊर्जा को महसूस किया है, और अब जैसा की मेरे काम की जरूर है मैं ज्यादा समय के लिए यही हूं। मुझे ऐसा करते हुए काफी स्वाभाविक महसूस हो रहा है।

अपने करियर को देना चाहते हैं नई दिशा

भुवन बाम लगातार निर्माताओं से मिल रहे हैं और कई तरह की स्क्रिप्ट को गहराई से समझ रहे हैं। वह अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत में दिन रात एक करने में लगे हुए हैं, जिससे उनकी बॉलीवुड में बेहतर नींव तैयार हो रही है। उन्होंने मुंबई शिफ्ट होने का फैसला इसलिए भी लिया है ताकि वह भारतीय सिनेमा में अपनी मेहनत और लगन से खास जगह बना सकें। अपनी करिश्माई उपस्थिति और जबरदस्त परफॉर्मेंस से छा चुके भुवन बाम का मुंबई में शिफ्ट होना उनके फ्यूचर के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

आने वाली वेब सीरीज

निर्देशित हिमांक गौड़ की वेब सीरीज ताजा खबर 2 में महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी, शिल्पा शुक्ला, प्रथमेश परब और नित्या माथुर अहम किरदार में नजर आएंगे। रोहित राज और भुवन बाम द्वारा निर्मित ताजा खबर 2 जल्द ही डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

क्या गोविंदा की होने जा रही है पर्दे पर वापसी?

गोविंदा के फैंस उन्हें पर्दे पर देखने के लिए तरस गए हैं। उन्होंने अपनी कई फिल्मों में दर्शकों को जमकर हंसाया है। उन्हें फिल्मों से दूर हुए पांच साल से भी ज्यादा का समय हो गया है। लोग उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। वह आखिरी बार साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म रंगीला राजा में दिखाई दिए थे। अब इसी बीच फिल्म निर्देशक और लेखक अनीस बज्मी ने गोविंदा की वापसी को लेकर बातचीत की है।

कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं अनीस और गोविंदा

अनीस बज्मी अभिनेता गोविंदा की कई फिल्मों की कहानियां लिख चुके हैं। इनमें राजा बाबू, आंखें, दीवाना मस्ताना और शोला और शबनम शामिल है। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में अनीस बज्मी ने गोविंदा की कॉमिक टाइमिंग की खूब तारीफ की है। अनीस ने गोविंदा के बारे में अपनी राय रखते हुए उन्हें एक महान अभिनेता भी बताया। गोविंदा की फिल्मों में वापसी के सवाल पर अनीस बज्मी ने कहा कि केवल मैं ही वह शख्स नहीं हूं, जो गोविंदा के साथ काम करना चाहता है। कई लोग हैं, जो उनके साथ काम करने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन उन्हें साथ काम करने का मौका मिलेगा और उन्हें लगेगा कि उस फिल्म में गोविंदा को खास भूमिका निभानी चाहिए तो वह उनसे संपर्क करेंगे। अनीस ने आगे कहा कि वह दोनों काफी लंबे वक्त से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्हें मालूम है कि गोविंदा के लिए क्या कुछ अच्छी कहानी लिखी गई है और अगर वह उसमें काम करेंगे तो यह बहुत अच्छा होगा।

न्यूयॉर्क में टाइम 100 की शोभा बढ़ाएंगे आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। आयुष्मान खुराना न्यूयॉर्क में प्रतिष्ठित टाइम्स 100 गाला कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिसमें दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों का सम्मान किया जाएगा। अभिनेता को टाइम मैगजीन द्वारा दो बार सम्मानित किया जा चुका है। आयुष्मान आज टाइम 100 गाला के इस कार्यक्रम में दुनिया के सबसे बड़ी पॉप सिंगर दुआ लीपा के साथ दिखाई देंगे। आयुष्मान खुराना को टाइम मैगजीन द्वारा दो बार सम्मानित किया गया है। उन्हें वर्ष 2023 में टाइम 100 इम्पैक्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वह इस पुरस्कार के लिए चुने जाने वाले एकमात्र भारतीय थे। इसके साथ ही अभिनेता को 2020 में टाइम 100 के लिए दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में चुना गया था। आज इसी मैगजीन के इवेंट की अभिनेता शोभा बढ़ाएंगे। अभिनेता को अपने विघटनकारी सिनेमा ब्रांड के माध्यम से भारत में कंटेंट को बढ़ाने में उनके योगदान के साथ-साथ यूनिसेफ एम्बेसडर के रूप में बाल अधिकार संरक्षण के लिए उनके कार्य के लिए ये सम्मान प्राप्त हुए हैं। आयुष्मान खुराना पिछले साल टाइम 100 इम्पैक्ट अवार्ड के लिए चुने जाने वाले एकमात्र भारतीय थे।

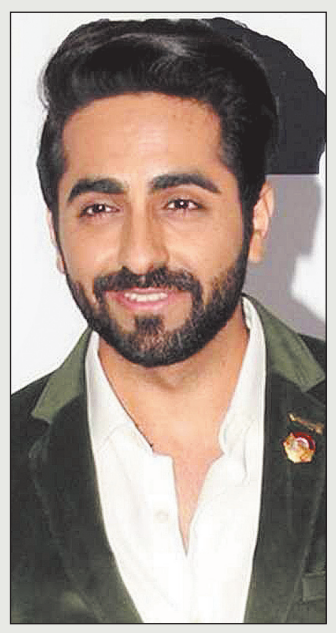

संक्षिप्त समाचार

एनपीएस खाते से जुड़े फ्री स्ट्रक्चर में बदलाव, न्यूनतम और अधिकतम सीमा तय

नईदिल्ली, एजेंसी। पेंशन नियामक पीएफआरडीए ने राष्ट्रीय पेंशन योजना का खाता खोलने की सुविधा देने वाले केंद्रों के शुल्क ढांचे में बदलाव किया है। इन केंद्रों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के शुल्क की न्यूनतम और अधिकतम सीमा तय कर दी गई है। पहले इन केंद्रों को एनपीएस सदस्यों से मोलभाव करने की छूट थी।

पीएफआरडीए ने शुल्क में किए गए बदलाव का सर्कुलर जारी कर दिया है। दरअसल, ग्राहक के लिए एनपीएस खाता खुलवाने और उसे संचालित करने में आसानी हो, इसकी जिम्मेदारी प्वाइंट ऑफ प्रजेंस (पीओपी) को दी जाती है। इनका चयन नियामक खुद करता है। पीओपी का एक पूरा ब्रांच नेटवर्क होता है। पीओपी ग्राहक और एनपीएस के बीच अहम कड़ी है। ये केंद्र ग्राहक को सेवाएं देने के बदले कुछ शुल्क लेते हैं।

पीओपी में कौन-कौन शामिल- पेंशन नियामक पीएफआरडीए की ओर से पीओपी के रूप में बैंकों, एनबीएफसी और अन्य वित्तीय इकाइयां को चुना जाता है। यह एनपीएस में लोगों का पंजीकरण करते हैं और सदस्यों को और भी कई सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। नया खाता खोलने पर पीओपी को कमीशन भी मिलती है।

इसलिए हुआ शुल्क में बदलाव- एनपीएस सेवा प्रदाता पीओपी केंद्र, जो शुल्क लेंगे, बदलाव उसी में किया गया है। पहले पीओपी जो शुल्क लेते थे, उसकी कोई सीमा नहीं होती थी। इसके लिए ग्राहक इनसे मोलभाव करते थे। अब सीमा तय कर दी गई है। हालांकि, कुछ मामलों में ग्राहक पहले की तरह मोलभाव कर सकेंगे।

टाटा स्टील के शेयर ने बनाया रिकॉर्ड, 177 तक जाएगा भाव !

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की बिकवाली के बीच टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील के शेयर ने 170 रुपये के स्तर को टच किया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। हालांकि, इस शेयर में मुनाफावसूली आई और भाव एक फीसदी से ज्यादा टूटकर 165.85 रुपये पर आ गया। घरेलू ब्रोकरेज प्रभुदास लीलाधर के तकनीकी विश्लेषक शिजू

कूथुपालक्कल का अनुमान है कि शेयर अब 177 रुपये तक जा सकता है। उन्होंने 164 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ शेयर को खरीदने की सलाह दी है।

सीईओ ने कही ये बात- इस बीच, अब टाटा स्टील के सीईओ टीवी नरेन्द्रन ने कहा है कि चूंकि स्टील आयात में वृद्धि जारी है तो इस स्थिति को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। नरेन्द्रन ने कहा- यदि यही स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो यह दुख की बात होगी। हमें आयात को लेकर सतर्क रहना होगा। जब तक यह अनुचित आयात है, सरकार को इससे निपटने की जरूरत है।

इलेक्शन के बीच दालों के भाव ने बढ़ाई टेंशन, जमाखोरी करने वालों पर कार्रवाई की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। आम चुनावों के बीच दालों की बढ़ती कीमतों से चिंतित केंद्र सरकार दालों, खासकर अरहर और उड़द की जमाखोरी करने वाले व्यापारियों और बड़े कारोबारियों पर कार्रवाई की तैयारी में है। इन दोनों दालों के स्टॉक के खुलासे के संबंध में जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की टीम विभिन्न राज्यों में भेजी जाएगी। मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इन अधिकारियों के मुताबिक बीते दिनों सरकार ने कारोबारियों, गोदाम संचालकों, मिल मालिकों और आयातकों को दालों का स्टॉक घोषित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने धीरे-धीरे अपने दालों के स्टॉक की स्थिति घोषित करना शुरू कर दिया है। अब तक 3 से 4 मिलियन टन स्टॉक घोषित किया गया है। इसे बाजार में आना चाहिए था, लेकिन इसका असर बाजार में नहीं दिख रहा है। इसलिए सरकार इस पूरे मामले की जांच करने जा रही है।

सात राज्यों में होगा दौरा

अधिकारियों ने कहा कि हमें लगता है कि व्यापारिक संस्थाएं दालों की जमाखोरी कर रही हैं। जमीनी हकीकत का पता लगाने के लिए अधिकारी देशभर के गोदामों, मिलों और मंडियों का दौरा करेंगे। पहले दौर में इस सप्ताह महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित पांच से सात राज्यों का दौरा करने की योजना बनाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सभी दालों के लिए है। हम विशेष रूप से अरहर, उड़द, पीली मटर और चना पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

इसलिए उठाना पड़ा कदम

अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने पिछले दिसंबर से इस साल जून तक पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दी थी। सरकार का यह प्रयार घरेलू बाजार में अरहर और उड़द की कमी के बीच दालों की सप्लाई बढ़ाने और कीमतों को स्थिर करने के अनुरूप था, लेकिन पीली मटर के आयात के साथ-साथ अरहर और उड़द के अलावा चने की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं, इसका कारण हम समझ नहीं पा रहे हैं। पीली मटर के आयात का असर चने की कीमतों पर दिखना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

दालों का उत्पादन घटा

कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, चना फसल का उत्पादन 12.1 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन से थोड़ा कम है। चालू सीजन के लिए अरहर का अनुमान अक्टूबर के 3.42 मिलियन टन के अनुमान से घटाकर 3.33 मिलियन टन कर दिया गया है, लेकिन यह पिछले वर्ष के उत्पादन के बराबर है। वहीं, उड़द के मामले में, (खरीफ) उत्पादन पिछले सीज़न के 1.8 मिलियन टन के मुकाबले 1.5 मिलियन टन होने का अनुमान है।

दालों ही महंगाई दर ऊंची

विशेषज्ञों के मुताबिक, हालांकि मार्च में दालों की मुद्रास्फीति कुछ हद तक कम हुई, लेकिन साल-दर-साल यह काफी ऊंची बनी रही। मार्च में दालों की खुदरा मुद्रास्फीति 17.7 प्रतिशत थी, जो एक महीने पहले 18.9 प्रतिशत और एक साल पहले 4.4 प्रतिशत थी।

मसालों में टायफायड वाले बैक्टीरिया ! अमेरिका ने रिजेक्ट किया एमडीएच के 31 प्रतिशत शिपमेंट

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के कस्टम अथॉरिटीज ने पिछले छह महीनों में साल्मोनेला के कारण महाशियान दी हट्टी यानी एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्यात किए गए सभी मसाला से संबंधित शिपमेंट में से

31 फीसद को रिजेक्ट कर चुका है। अक्टूबर 2023 से रिफ्यूजल रेट पिछले साल भेजे गए सभी शिपमेंट के लिए 15 प्रतिशत से उछलकर दोगुनी हो गई है।

हाल के महीनों में साल्मोनेला कंटैमिनेशन की वजह से रिफ्यूजल रेट में उछाल ऐसे समय में आया है, जब सिंगापुर और हांगकांग दोनों ने मसालों में कार्सिनोजेनिक कीटनाशक का कथित पता चलने के बाद कुछ एमडीएच और एवरेस्ट के उत्पादों की सेल सस्पेंड कर दी है।अक्टूबर 2023 से एमडीएच के सभी शिपमेंट का लगभग एक-तिहाई यानी 11 शिपमेंट को यूस ने रिजेक्ट कर दिया है। इसमें मसाले, फ्लेवर और साल्ट के रूप में वर्गीकृत उत्पाद शामिल हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच रिफ्यूजल रेट 15 प्रतिशत थी। इसके अतिरिक्त अक्टूबर 2020 से रिजेक्ट किए गए सभी एमडीएच एक्सपोर्ट शिपमेंट साल्मोनेला कंटैमिनेशन से प्रदूषित थे।

क्या है साल्मोनेला

अगर किसी खाद्य पदार्थ में साल्मोनेला बैक्टीरिया है और इसका सेवन करते हैं तो पेट में गंभीर इन्फेक्शन हो सकता है। ठीक से अगर न पकाया गया तो आंतों में संक्रमण हो सकता है। टायफायड के लिए यही बैक्टीरिया जिम्मेदार होता है। साल्मोनेला बैक्टिरिया जानवरों जैसे अंडा, बीफ, कच्चे मुर्गों और फल-सब्जियों के साथ-साथ इंसान के आंतों में भी पाया जाता है। एक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञ ने बताया कि यदि आप कटाई से लेकर प्रोसेसिंग से लेकर पैकेजिंग तक वैल्यू चेन मेंटेन नहीं करते हैं तो साल्मोनेला से बच नहीं सकते। एफडीए ने जनवरी 2022 में एमडीएच के मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट का निरीक्षण किया था। इस दौरान उसने पाया कि यूनिट में पर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं नहीं थीं।

चालू अमेरिकी संघीय वित्त वर्ष (अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024) में, सभी एवरेस्ट निर्यात शिपमेंट का 0.3 प्रतिशत रिजेक्ट कर दिया गया है,। पिछले वित्त वर्ष में यह 3 प्रतिशत था। अक्टूबर 2023 से कुल 5 शिपमेंट को रिजेक्ट कर दिया गया है। इनकार मुख्य रूप से लेबलिंग-संबंधित उल्लंघनों पर था।

कुल मिलाकर, अमेरिका वित्त वर्ष 21 और 23 के बीच भारत से भेजे गए सभी रिफ्यूजल शिपमेंट का लगभग 10 प्रतिशत मसाले, फ्लेवर और साल्ट कैटेगरी से संबंधित था। एफडीए के दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि किसी शिपमेंट को एंट्री से मना कर दिया जाता है, तो आयातक या तो इसे नष्ट कर सकता है या इसे अमेरिका से बाहर निर्यात कर सकता है। रिजेक्शन के बाद शिपमेंट का क्या होता है, इस पर एफडीए डेटा प्रकाशित नहीं करता है।

विदेश में कारोबार बढ़ा रही कंज्यूमर टेक ब्रांड बोल्ट, अब आईपीओ लॉन्च करने का है प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के कंज्यूमर टेक ब्रांड बोल्ट की योजना अगले साल आईपीओ लाने की है। कंपनी के सह-संस्थापक वरुण गुप्ता ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में 1,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने के बाद आईपीओ लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी अंतरराष्ट्रीय बाजार और नई श्रेणियों में विस्तार कर रही है।

क्या है कंपनी का प्लान- वरुण गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा-हम इस वर्ष आईपीओ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं, लेकिन शायद अगले साल विचार करेंगे। हमारा पहला ध्यान बाजारों, अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक क्षेत्रों और नई श्रेणियों में प्रवेश करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने आईपीओ लाने से पहले अपने लिए एक आंतरिक लक्ष्य तय किया है।

हम आज भी ला सकते आईपीओ- उन्होंने बताया- जब हम 1,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल कर लेंगे, तभी हम आईपीओ के लिए जाना चाहते हैं। तकनीकी रूप से, हम आज आईपीओ ला सकते हैं, क्योंकि हम मुनाफे में हैं लेकिन हमने 1,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य तय किया है और उसके बाद ही हम खुद को आईपीओ के लिए योग्य मानेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी ऑफलाइन रिटेल स्टोर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड बोर्ड स्पेशल डिविडेंड के डिक्लेरेशन पर विचार करेगा

नई दिल्ली , एजेंसी। फाइनेंशियल सर्विसेज़ सेक्टर की लीडिंग कंपनी स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि स्पेशल डिविडेंड की घोषणा पर विचार करने के लिए उसका बोर्ड 30 अप्रैल को बैठक करेगा।

बोर्ड इक्विटी शेयर्स/कन्वर्टिबल सिक्योरिटीज़ को प्रेफरेंशियल इश्यू/राइट्स इश्यू/या किसी अन्य तरीके से जैसा विचार किया जा सकता है या जैसा उचित समझा जा सकता है, जारी करने पर भी विचार करेगा।

इससे पहले, कंपनी ने स्टॉक को 10:1 रेशो में विभाजित किया था (10 रुपये के एफवी वाले 1 इक्विटी शेयर को प्रत्येक 1 रुपये के एफवी वाले 10 शेयर्स में विभाजित किया था) और 2:1 रेशो में बोनस जारी किया था (1 एफवी रुपये के दो बोनस शेयर्स तथा प्रत्येक धारित 1 एफवी रुपये के प्रत्येक एक्जिस्टिंग इक्विटी शेयर हेतु)। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड फाइनेंशियल सर्विसेज़ सेक्टर में एक अग्रणी खिलाड़ी है। प्रत्येक ग्राहक की विशिष्टता को अपनाते हुए, कंपनी लगातार व्यक्तिगत, पेशेवर सेवाएं देने का प्रयास करती है। यह बेस्ट प्रोफेशनल नॉर्म्स और प्रैक्टिसेस का सख्ती से पालन करते हुए, हर बातचीत में गतिशीलता दिखाते हुए, प्रत्येक ग्राहक के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को बरकरार रखता है। कंपनी पर्सनल लोन्स की एक विविध श्रृंखला प्रदान करती है, जो न केवल प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करती है बल्कि फ्लेक्सिबल रीपेमेंट शर्तें भी सुनिश्चित करती है। उनके समर्थन से, ग्राहक बिना किसी भ्रम या चिंता के आत्मविश्वास से अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। फाइनेंशियल सपोर्ट चाहने वाले व्यवसायों के लिए, कंपनी फ्लेक्सिबल ओवरड्राफ्ट ऑप्शंस के साथ बिज़नेस लोन देती है।

कंपनी ग्राहकों को तेज़ वित्तीय सहायता प्रदान करके, आसानी से बिज़नेस ग्रोथ को बढ़ावा देकर प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए सशक्त बनाती है। फ्लेक्सी ओवरड्राफ्ट सुविधा कैश फ्लो मैनेजमेंट को आसान बनाती है, आवश्यकतानुसार धन तक आसान पहुंच प्रदान करती है और ट्रेडिशनल लोन ऐप्लिकेशंस की जटिलताओं को दूर करती है।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के आगामी प्रोडक्ट्स में फी फाइनेंसिंग और गोल्ड लोन शामिल हैं। फी फाइनेंसिंग की पेशकश इच्छुक छात्रों और अभिभावकों की जरूरतों को पूरा करती है और एजुकेशनल एक्सपेंसेस को सरल बनाती है। टेक-ड्रिवन प्लेटफॉर्म फी फाइनेंसिंग के लिए तेज़ और सहज ऐप्लिकेशंस को सक्षम बनाता है, जिससे सभी के लिए सुलभ और किफायती शिक्षा सुनिश्चित होती है।

बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने प्रिवे लॉन्च किया

एक अनूठा प्रोग्राम जो बेमिसाल कवरेज और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करता है

पुणे , एजेंसी। भारत की अग्रणी निजी सामान्य बीमा कंपनियों मेंसे एक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने आज प्रिवे को लॉन्च कर दिया। यह एक एक्सक्लूसिव कस्टमर इक्स्पीरीयंस प्रोग्राम है जो बेजोड़क्वालिटी के साथ साथ ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा तक अपनी पहुंच प्रदानकरता है। परंपरागत रूप से, भारत में पिछले कुछ सालों में बीमा काविस्तार करने का प्रयास ज्यादातर टियर 2/टियर 3 स्थानों और ग्रामीणबाजारो में केंद्रित रहा है, जिसमें मुख्य रूप से मध्यम, उच्च मध्यम वर्ग औरग्रामीण ग्राहक शामिल हैं। उपरोक्त सभी ग्राहक खंडों में बीमा पैठ बढ़ाने पर अपने मजबूत फोकस के अलावा, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस अब ग्राहकों के एक विशेष क्लास कोअपनी सेवाएं देगा, जिन्हें आमतौर पर बढ़ी हुई कवरेज सीमा के साथ बीमासोल्युशंस की आवश्यकता होती है। ऐसे समझदार ग्राहकों की वित्तीयऔर लाइफस्टाइल से जुड़ी प्राथमिकताओं के अनुरूप उनकी जरूरतों औरसुरक्षा को पहचानते हुए, प्रिवे ट्रडिशनल बीमा प्रोडक्टस से कहीं आगेनिकल जाता है। प्रिवे का हिस्सा बनकर, ग्राहकों को उनकी विशिष्ट औरप्राथमिकता वाली बीमा सेवाओं की एक रेंज मिल जाती है, जिससे

उनकीआवश्यकताओं को आसानी से पूरा किया जाता है।

प्रिवे का हिस्सा बनने के लिए, ग्राहकों के पास उनकी विशिष्टआवश्यकताओं के अनुसार स्वास्थ्य, घर, मोटर, व्यक्तिगत दुर्घटना औरसाइबर, बीमा जैसे उत्पादों की एक श्रृंखला से चयन करने की सुविधा है।इसके बीमा उत्पादों में वर्तमान में माई हेल्थ केयर प्लान शामिल है, जोएलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के रूप में न्यूनतम 1 करोड़ रुपये की बीमाराशि के साथ अनुकूलन योग्य स्वास्थ्य बीमा कवरेजप्रदान करता है। ग्लोबल हेल्थ केयर विदेशी चिकित्सा उपचार के साथसाथ अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के नियोजित और आपातकालीनउपचार जैसे कवरेज प्रदान करता है। साथ ही इसके ग्राहक पात्रता केलिए बीमा राशि के किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं। इसके अलावा, वी-पे ऐड-ऑन कवर के साथ एक मोटर प्रोडक्ट भी ऑफर किया जाएगा।इस ऐड-ऑन कवर ऑफर के तहत खंडित मोटर बीमाऐड-ऑन की एक रेंज के फ़ायदों का भी समावेश है, जिसके लिए मोटरवहीकल के लिए न्यूनतम बीमाकृत घोषित मूल्य (आईडीवी) 25 लाखरुपये या उससे अधिक की आवश्यकता होती है। माई होम इंश्योरेंस ऑलरिस्क पॉलिसी घर की संरचना और घर में मूल्यवान सामग्री दोनों के लिएव्यापक बीमा कवरेज सुनिश्चित करती है।

जेके सीमेंट ने पन्ना प्लांट में नई प्रोडक्शन लाईन के साथ अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाई

पन्ना , एजेंसी। भारत में ग्रे सीमेंट के प्रमुख निर्माताओं और दुनिया भर में व्हाईट सीमेंट के प्रतिष्ठित उत्पादकों में से एक जेके सीमेंट ने अपने पन्ना प्लांट में नई प्रोडक्शन लाईन शुरू करने की घोषणा की है। यह कंपनी की विस्तार योजनाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो उद्योग जगत के प्रमुख प्लेयर के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत बनाते हुए सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पन्ना प्लांट में नई प्रोडक्शन लाईन इसकी क्लिंकर उत्पादन क्षमता को 3.3 एमटीपीए से दोगुना कर 6.6 एमटीपीए कर देगी। यह विस्तार जेके सीमेंट को उत्तर प्रदेश, बिहार एवं मध्य भारत में सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

इस अवसर पर डॉ राघवपत सिंघानिया, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके सीमेंट ने कहा, ''जेके सीमेंट विकास एवं विस्तार की बुनियाद पर आधारित है। पन्ना प्लांट में हमारी नई प्रोडक्शन लाईन, हमारी विस्तार योजनाओं का मुख्य भाग है, जो सीमेंट उद्योग में अग्रणी प्लेयर बनने के हमारे दृष्टिकोण को गति प्रदान

करेगा। यह विस्तार उच्च गुणवत्ता के सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने में मददगार होगा, इस तरह उपभोक्ताओं को सेवाएं प्रदान करने की हमारी क्षमता बढ़ेगी। हम सभी हितधारकों को उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

श्री माधवकृष्णा सिंघानिया, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, जेके सीमेंट लिमिटेड ने कहा, ''हमारी नई प्रोडक्शन लाईन का लॉन्च दीर्घकालिक विकास एवं संचालन दक्षता हासिल करने की जेके सीमेंट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह विस्तार हमें उत्पादन प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा, इससे हम अपनी पूर्ण क्षमता का सदुपयोग कर सीमेंट उद्योग के भविष्य के लिए अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत बना सकेंगे।'' नई प्रोडक्शन लाईन में सटीक नियन्त्रण एवं निगरानी, मानवीय हस्तक्षेप को कम करने और दक्षता बढ़ाने के लिए आधुनिक ऑटोमेशन सिस्टम है। उचित परफोर्मेन्स, विश्वसनीयता, निरंतर आउटपुट गुणवत्ता एवं उर्जा दक्षता को सुनिश्चित करने वाले आधुनिक मशीनरी और उपकरण- स्थायित्व के लिए जेके सीमेंट की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिंधू-लक्ष्य और प्रणय समेत सात भारतीय खिलाड़ियों का जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी। इन सात खिलाड़ियों में से हाल में क्वालिफाई करने वाले खिलाड़ी एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन हैं। इन दोनों ने पुरुष एकल वर्ग में क्वालिफाई किया। वहीं, सिंधू ने महिला एकल में क्वालिफाई कर लिया है। भारत के सात

बैडमिंटन खिलाड़ियों ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ये सात खिलाड़ी चार अलग-अलग श्रेणी के हैं। साई मीडिया ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की है। इन सभी खिलाड़ियों ने रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। ओलंपिक इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक खेला जाएगा। इन सात खिलाड़ियों में से हाल में क्वालिफाई करने वाले खिलाड़ी एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन हैं। इन दोनों ने पुरुष एकल वर्ग में बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। वहीं, दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू ने महिला एकल वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। वह इस वर्ग में भारत की अकेली प्रतिद्वंद्वी हैं। सिंधू ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक और 2021 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

गत चैंपियन भारत ने इंग्लैंड को 5-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का सामना आखिरी ग्रुप मैच में 14 बार के चैम्पियन इंडोनेशिया से होगा। टीम इंडिया ने पिछले साल भी शानदार प्रदर्शन किया था और कई बड़ी टीमों को शिकस्त दी थी। डिफेंडिंग चैंपियंस भारत ने इंग्लैंड को 5-0 से हराकर थॉमस कप बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम इंडिया

ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 4-1 से शिकस्त दी थी। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की शुरुआत शानदार रही थी। एच एच प्रणय ने हैरी हुआंग को 21-15, 21-15 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बेन लेन और सीन वेंडी को युगल मुकाबले में 21-17, 19-21, 21-15 से हराया।दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने नदीम दलवी को 21-16, 21-11 से हराकर भारत को 3-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारत की दूसरी युगल टीम एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने रोरी ईस्टन और एलेक्स ग्रीन को 21-17, 21-19 से हराकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

इंटर मियामी की जीत में मेसी ने दागे दो गोल

- न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन को 4-1 से दी शिकस्त

मैसाचुसेट्स (अमेरिका), एजेंसी। विश्व कप विजेता कप्तान मेसी ने अपने शानदार खेल से जिलेट स्टेडियम में 65,612 की संख्या में खचाखच भरे प्रशंसकों को निराश नहीं किया और एक गोल से पिछड़ने के बाद मुकाबले में टीम की दमदार वापसी कराई। उन्होंने मैच में दो गोल दागे। इंटर मियामी के सुपरस्टार

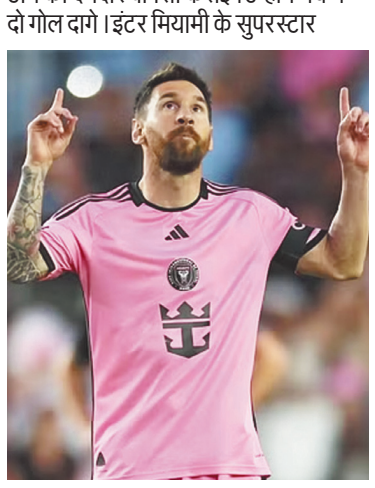

स्ट्राइकर लियोनल मेसी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के मुकाबले में न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन के घरेलू मैदान में रिकॉर्ड संख्या में मौजूद दर्शकों के सामने अपनी फुटबाल टीम इंटर मियामी को 4-1 से जीत दिला दी। विश्व कप विजेता कप्तान मेसी ने अपने शानदार खेल से जिलेट स्टेडियम में 65,612 की संख्या में खचाखच भरे प्रशंसकों को निराश नहीं किया और एक गोल से पिछड़ने के बाद मुकाबले में टीम की दमदार वापसी कराई। उन्होंने मैच में दो गोल दागे।

2 मई को मिलेगी आईपीएल प्लेऑफ की पहली टीम!

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन अब अपने रोमांचक मुकाबलों के साथ प्लेऑफ की ओर बढ़ने लगा है. इसके लिए राजस्थान रॉयल्स समेत 7 टीमों ने अपनी दावेदारी ठोक दी है. जबकि संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान अभी एकमात्र टीम ऐसी है, जिसने प्लेऑफ की दहलीज पर कदम रख दिया है. इसके अलावा बाकी 6 टीमें अब भी रेस में बनी हुई हैं. इनमें कोलकाता नाइट राइडर्स , सनराइजर्स हैदराबाद , लखनऊ सुपर जायंट्स (रूस्त), दिल्ली कैपिटल्स , चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटन्स शामिल हैं.

2 मई को मिलेगी इस सीजन की पहली प्लेऑफ टीम- मगर इन सबके बीच फैन्स के लिए जल्द ही एक बड़ी खबर सामने आ सकती है. इस सीजन में पहली प्लेऑफ टीम जल्द देखने को मिल सकती है. यह पहली टीम राजस्थान रॉयल्स हो सकती है. दरअसल, राजस्थान ने अब तक 9 में से

8 मुकाबले जीते हैं. इसके साथ ही इस टीम के अभी 16 अंक हो गए हैं. अब यदि राजस्थान टीम अपना अगला मुकाबला जीत लेती है, तो उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की हो जाएगी. वैसे 16 अंक के साथ भी जगह पक्की मानी जा सकती है, लेकिन इसमें नेट रनरेट काफी मायने रखेगा. 18 पॉइंट्स के साथ टिकट पक्का हो जाएगा.

अगले मुकाबले में राजस्थान की हैदराबाद से टक्कर

राजस्थान टीम का अगला मुकाबला 2 मई को हैदराबाद के खिलाफ होगा. यदि संजू की कप्तानी वाली आरआरटीम यह मुकाबला जीतती है, तो इसी दिन आईपीएल 2024 सीजन की पहली प्लेऑफ टीम मिल जाएगी. राजस्थान के अलावा बाकी टीमों के पॉइंट्स अब तक 12 तक भी नहीं पहुंचे हैं. ऐसे में दूसरी प्लेऑफ टीम मिलने में थोड़ा समय लगेगा. 2 मई से पहले तक चेन्नई को भी एक मुकाबला खेलना है. यदि वो अपना अगला मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत लेती है, तो उसके 12 अंक होंगे. ऐसे में बाकी 3 टीमों के लिए अभी 6 टीमें रेस में हैं. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम की हालत इस सीजन में बेहद खराब रही है. उसने अब तक 10 में से सिर्फ 3 ही मैच जीते हैं. आरसीबी पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे यानी 10वें नंबर पर है. यदि आरसीबी अपने बाकी बचे सभी 4 मैच जीत लेती है, तब भी उसका प्लेऑफ में पहुंचना नामुमकिन सा रहेगा. दरअसल, आईपीएल में 2022 सीजन से 10 टीमें खेल रही हैं. तभी से प्लेऑफ में कभी भी कोई टीम 14 अंक के साथ प्लेऑफ में नहीं पहुंची है. सबसे नीचे यानी चौथे नंबर की टीम के भी 16 अंक रहे हैं. ऐसे में आरसीबी टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद ना के बराबर नजर आ रही है.

दूसरी ओर मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स की हालत भी कुछ इसी तरह है. इन दोनों टीमों ने 9 मैच खेले, जिसमें से 3 जीते हैं. यानी इनके पास आरसीबी से एक मैच ज्यादा है. मगर मुंबई और पंजाब के लिए चुनौती ये होगी कि उन्हें सभी मैच जीतने होंगे. एक भी मैच हारने पर आरसीबी जैसी स्थिति बन जाएगी.

तीरंदाज दीपिका फिर टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी को टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) में फिर से शामिल करने का फैसला किया है। यह निर्णय पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखकर लिया गया है। मातृत्व अवकाश के बाद एक्शन में लौट रहीं दीपिका ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में एशिया कप 2024 में पदक भी जीता था। रविवार को 29 वर्षीय तीरंदाज ने मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की कोरियाई लिम सिह-योन से हारने के बाद 2024 तीरंदाजी विश्व कप चरण 1 में महिलाओं की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा रजत पदक के साथ समाप्त किया। दीपिका के अलावा, तीरंदाज मृणाल चौहान को भी टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया गया है, जबकि प्रवीण जाधव डेवलपमेंट से कोर ग्रुप में आ गए हैं।

अपनी 133वीं बैठक के दौरान, एमओसी ने स्क्वैश खिलाड़ियों अनाहत सिंह, अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार को 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी में मदद करने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया। अक्टूबर 2023 में एलए2028 आयोजन समिति ने लॉस एंजिल्स में खेलों के 2028 संस्करण में शामिल करने के लिए स्क्वैश को स्वीकार कर लिया।

मंत्रालय के बयान में बताया गया, पिछले दो दशकों में स्क्वैश में भारत के प्रदर्शन को देखते हुए विशेष रूप से राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में एमओसी ने अपने टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में तीन स्क्वैश खिलाड़ियों को शामिल करने का फैसला किया, जिसका उद्देश्य उन्हें वैश्विक तैयारी के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने में मदद करना है। इसके अलावा, पैरा-पावरलिफ्टर अशोक को भी टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल किया गया है।

युवा मुक्केबाजों ने बिखेरा जलवा, जादुमणि-आकाश युवा चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। इससे पहले, शनिवार को जतिन (57 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा) और यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) भी अगले दौर में पहुंच गए थे। जतिन और यशवर्धन ने अपने-अपने मुकाबले 5-0 के अंतर से जीते, जबकि सागर को वॉकओवर मिला था। एम जादुमणि (51 किग्रा) और आकाश गोरखा (60 किग्रा) रविवार को एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। जादुमणि ने अंडर-22 वर्ग के दूसरे दौर में आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकने) निर्णय के साथ मंगोलिया के अल्दरखिशिग बटुल्गा को मात दी।

टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोमवार को टी20 विश्व कप 2024 के लिए केन विलियमसन की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह टूर्नामेंट वेस्टइंडीज और यूएसए में 1 जून से शुरू होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने यह ऐलान सोमवार को दो बच्चों से कराया। बच्चों में लड़की का नाम मटिल्डा और लड़के का नाम एंगस है। इसका एक वीडियो एनजेडसी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर साझा किया जो अब सुर्खियों में है। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले मेगा-इवेंट से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वहीं, वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड टीम में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट का यह वीडियो वायरल हो गया और नेटिज़न्स एनजेडसी की अपनी टीम को सार्वजनिक करने की अनोखे शैली से आश्चर्यचकित हैं। कुछ ने अन्य बोर्डों को भी ऐसा कुछ नया करने का सुझाव दिया। यह पहली बार नहीं था कि न्यूजीलैंड ने बड़े

टूर्नामेंट के लिए टीम की घोषणा करने का अनोखा तरीका अपनाया। पिछले साल वनडे विश्व कप के लिए बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों के परिवार वालों से टीम का ऐलान कराया था।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड टीम- केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमन, डेवोन कॉन्वे, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिम्मी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, ईश सोढ़ी और टिम साउदी।

नाडा पैनल से हरी झंडी मिलने के बाद इंडियन ग्रां प्री एक में वापसी करेंगी हिमा दास

नई दिल्ली , एजेंसी। स्टार धाविका हिमा दास पिछले महीने सुनवाई के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल द्वारा हरी झंडी दिये जाने के बाद बेंगलुरु में मंगलवार को इंडियन ग्रां प्री एक में वापसी करेंगी। भारत की स्टार धाविका हिमा दास पिछले महीने सुनवाई के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल द्वारा हरी झंडी दिये जाने के बाद बेंगलुरु में मंगलवार को इंडियन ग्रां प्री एक में वापसी करेंगी। पीटीआई की एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। पिछले साल नाडा ने 12 महीने में तीन दफा अपने रहने के स्थान की जानकारी देने में विफलता के बाद 24 वर्षीय हिमा को अस्थायी रूप से

निलंबित कर दिया था।भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा 30 अप्रैल को होने वाले इंडियन ग्रां प्री 1 की महिलाओं की 200 मीटर रेस की प्रविष्टि सूची में हिमा का नाम शामिल है। भारतीय एथलेटिक्स टीम के एक सूत्र ने पीटीआई को गोपनीयता की शर्त पर कहा, पिछले महीने नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल की सुनवाई में उन्हें प्रतियोगित में हिस्सेदारी के लिए हरी झंडी मिल गयी। हालांकि सूत्र ने यह नहीं बताया कि नाडा के पैनल ने उन्हें फिर से प्रतिस्पर्धा करने की मंजूरी कैसे दी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर का व्यक्तिगत रजत पदक जीता था।

विराट कोहली ने अपने स्ट्राइक रेट पर दिया मुंह तोड़ जवाब, वर्ल्ड कप से पहले बड़ा बयान

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल:2024 में गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बड़ी आसानी के साथ अपने नाम कर लिया। यह इस सीजन आईपीएल में आरसीबी की तीसरी जीत है। इस मैच में विल जैक्स ने शानदार शतक जड़ा जिसके कारण उनकी टीम यह मुकाबला जीत सकी। विल जैक्स के अलावा इस मैच में विराट कोहली ने भी शानदार पारी खेली। विराट आज के मैच में काफी एग्रेशन में नजर आए। विराट कोहली ने इस मुकाबले के बाद कई बड़े बयान दिए। जहां उन्होंने अपने स्ट्राइक रेट के बारे में भी बात कही है।

विल जैक्स पर विराट ने कही ये बात- गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच जीतने के बाद विराट कोहली ने पहले जैक्स पर कहा कि जब जैक्स बल्लेबाजी करने आए थे, तो वह थोड़ा नाराज थे कि वह गेंद को उतनी सफाई से नहीं मार पा रहे थे जितना वह चाहते थे, लेकिन हमारे बीच केवल यही बातचीत हुई थी कि एक दूसरे का समर्थन करते रहें, टिके रहें क्योंकि हम जानते हैं कि वह कितना विस्फोटक हो सकते हैं। जैसे ही उन्होंने मोहित शर्मा के ओवर में काफी रन बनाए मेरी भूमिका पूरी तरह से बदल गई, मुझे खुशी थी कि मैं दूसरे छोर से खेल देख रहा था। मेरा मतलब है, मैंने सोचा था कि हम 19 ओवर में खेल जीत सकते हैं, लेकिन इसे 16 ओवर में समाप्त करना कमाल था।

स्ट्राइक रेट पर क्या बोले कोहली

विराट कोहली ने अपने स्ट्राइक रेट पर हो रही बातों को लेकर कहा कि वे सभी लोग जो स्ट्राइक रेट और मेरे स्पिन को अच्छी तरह से नहीं खेलने के बारे में बात करते हैं, वे वही लोग हैं जो इस बारे में बात करना पसंद करते हैं। लेकिन मेरे लिए, यह टीम के लिए खेल जीतने के बारे में है और एक कारण है कि ऐसा मैं पिछले 15 सालों से कर रहा हूं क्योंकि मैनें दिन-ब-दिन ऐसा ही किया है और आपने टीमों के लिए खेल जीते हैं।

माहेश्वरी ने रजत पदक जीता

निशानेबाजी में 21वां कोटा स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की माहेश्वरी चौहान ने दोहा में लुसैल शूटिंग रेंज में इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) फाइनल ओलंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप शॉटगन के समापन दिन महिला स्कीट प्रतियोगिता में रजत पदक जीता और इसके साथ ही पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में शूटिंग प्रतियोगिता में भारत के लिए 21वां कोटा स्थान हासिल किया। 60 शॉट के फाइनल में 54 हिट पर बराबरी पर रहने के बाद माहेश्वरी स्वर्ण पदक के शूट-ऑफ में चिली की फ्रांसिस्का क्रोवेटो चाडिड से 3-4 से हार गईं। यह एक शानदार प्रदर्शन था क्योंकि यह जालोर की निशानेबाज के लिए पहला आईएसएसएफ फाइनल था। उनके प्रदर्शन ने भारत को महिलाओं की स्कीट में दूसरा पेरिस कोटा स्थान भी दिलाया। माहेश्वरी ने फाइनल के बाद कहा,मैं रोमांचित हूं। यहां तक पहुंचने के लिए पिछले कुछ वर्षों में काफी मेहनत करनी पड़ी है। मैं शूट-ऑफ को लेकर थोड़ा निराश हूं, लेकिन कुल मिलाकर, यह बहुत संतोषजनक रहा। दिन की शुरुआत भारतीय खिलाड़ी के क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रहने के साथ हुई, लेकिन अंतिम राउंड में 23 के स्कोर का मतलब था कि वह चौथे स्थान पर रहते हुए शीर्ष छह फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगी। हालाँकि, उनके 121 अंकों ने उन्हें नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड प्रदान किया।

यह देखते हुए कि चाडिड ने पहले ही प्रतियोगिताओं में कोटा स्थान हासिल कर लिया था और चीन की जियांग यितिंग, छठी क्वालीफायर, अयोग्य थी क्योंकि उनके देश ने पहले ही प्रतियोगिता में अपने कोटा समाप्त कर दिए थे, माहेश्वरी की लड़ाई तीन अन्य लोगों (कजाकिस्तान की असेम ओरीबे, अजरबैजान की रिगिना मेफताखेतदीनोवा और शीर्ष क्वालीफायर स्वीडन की विक्टोरिया लार्सन) के साथ थी।

भारत को वर्ल्डकप जिताने वाले गैरी पाकिस्तान के कोच बने

वनडे और टी-20 टीम को ट्रेनिंग देंगे, गिलेस्पी टेस्ट टीम के कोच नियुक्त

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले कोच गैरी कर्स्टन अब पाकिस्तान की वनडे और ञ20 टीम के कोच होंगे। दरअसल, जून में टी-20 वर्ल्ड कप होना है। ऐसे में पाकिस्तान बोर्ड ने साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को कोच नियुक्त कर एक बड़ा फैसला किया है। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी को पाकिस्तानी टेस्ट टीम का कोच नियुक्त किया गया है। दोनों को दो साल का कॉन्ट्रेक्ट दिया गया है। अजहर महमूद जिन्हें न्यूजीलैंड सीरीज के लिए कोच बनाया गया था, सभी फॉर्मेट में सहायक कोच के रूप में काम करते रहेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को यह जानकारी दी।

आर्थर, ब्रैडबर्न और पुटिक ने इस्तीफा दिया- मिकी आर्थर, ग्रांट ब्रैडबर्न और एंड्रयू पुटिक ने भी हाल ही में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। अप्रैल 2023 में मिकी आर्थर को पाकिस्तान मेंस क्रिकेट टीम का निदेशक नियुक्त किया गया था। ब्रैडबर्न को पिछले साल की शुरुआत में टीम का मुख्य कोच घोषित किया गया था। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू पुटिक अप्रैल 2023 से पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच थे।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में गूंजे मोदी के नारे, भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली पैदल यात्रा

लंदन, एजेंसी। यूके के भाजपा के प्रवासी दोस्तों ने लंदन में रन फॉर मोदी कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें भारी संख्या में प्रवासी भारतीयों ने सम्मिलित होकर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपना विशेष लगाव दिखाया। कार्यकर्ता भाजपा का चुनाव प्रचार लंदन में भी करते नजर आए। भाजपा के समर्थक भारत के अलावा लंदन में भी हैं। यूके भाजपा के प्रवासी दोस्तों ने लंदन में रन फॉर मोदी और फ्लैश मॉब कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कायर्क्रम में कई सारे प्रवासी भारतीय ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के दौरा ब्रिटेन में प्रवासी भारतीय भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपना समर्थन दिखाते नजर आए। ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी यूके के महासचिव सुरेश मंगलगिरी ने बताया कि 2019 में भी उन्होंने चुनाव के दौरान भी उन्होंने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। तब भी लोगों ने इसी तरह भाजपा के प्रति अपना प्यार दिखाया था। लोगों में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के लिए आज भी वही प्यार और उत्साह है। कार्यक्रम को सफल प्रवासी भारतीयों की प्रतिभागिता ने बनाया। उन्होंने कहा कि अयोध्या का राम मंदिर बनाना, आर्टिकल 370 हटाना जैसे कई कार्य भाजपा ने किए हैं, जो कि एक हिंदुस्तानी होने के नाते हम समझ सकते हैं कितने आवश्यक थे। हाथ में भारत और भाजपा के झंडे लिए निकले लोगों ने लंदन की सड़कों पर भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयकारे लगाए। वहीं हर हर मोदी, घर घर मोदी, अबकी बार 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार के नारे लगाए।

अधिक मानवीय सहायता लॉरियां गाजा पहुंच रहीं, संयुक्त राष्ट्र ने संख्या बढ़ने की पुष्टि की : आईडीएफ

गाजा/तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता ने बताया कि गाजा पट्टी में अधिक मानवीय सहायता पहुंच रही है। पिछले सप्ताह कुछ दिनों में 400 से अधिक लॉरियां मानवीय सहायता लेकर यहां पहुंची हैं। इजरायल पर भूमध्य सागर के सील बंद क्षेत्र में अधिक सहायता वितरण की अनुमति देने के लिए भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव है। संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में आने वाली लॉरियों की संख्या में वृद्धि की पुष्टि की है, लेकिन वह इजरायल से अधिक सहायता वितरण की अनुमति देने के लिए और कदम उठाने का आह्वान कर रहा है। गाजा पट्टी में प्रवेश करने वाली लॉरियों पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े भी अक्सर इजरायल द्वारा जारी आंकड़ों से काफी कम होते हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय के अनुसार, 18 अप्रैल तक और इसमें शामिल सप्ताह में प्रति दिन औसतन केवल 175 रॉलियां आईं। सहायता संगठनों ने कहा कि युद्ध से पहले हर दिन लगभग 500 ट्रक क्षेत्र में प्रवेश करते थे। हालांकि, सेना के प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि ये सिर्फ मानवीय सहायता नहीं ले जा रहे थे। युद्ध से पहले गाजा का अपना कृषि उद्योग था, जिससे आबादी को खाना खिलाने में मदद मिलती थी। आईडीएफ प्रवक्ता ने कहा, गाजा पट्टी के तट पर अमेरिकी सेना द्वारा एक अस्थायी बंदरगाह के निर्माण से सहायता की मात्रा और बढ़ाई जाएगी। बंदरगाह के मई की शुरुआत में चालू होने की उम्मीद है। अमेरिकी सरकार का मानना है कि पहले चरण में, बंदरगाह के माध्यम से प्रतिदिन 90 लॉरियों के साथ सहायता सामग्री पहुंचाई जा सकती है। हर रोज यह सख्या बढ़कर 150 लॉरी तक हो सकती है। इजराइल ने हाल ही में सहायता वितरण के लिए अतिरिक्त सीमा पार मार्ग खोले हैं। गाजा में मानवीय स्थिति विनाशकारी बताई जा रही है, खासकर उत्तर में। स्वतंत्र विशेषज्ञों का मानना है इस क्षेत्र में अकाल का खतरा है।

इंडोनेशिया के माउंट इबू ज्वालामुखी में विस्फोट, 3.5 किलोमीटर तक उठी राख

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सेंटर फॉर वल्केनोलॉजी एंड जियोलॉजिकल हैजर्ड मिटिगेशन (पीवीएमबीजी) ने बताया कि पूर्वी इंडोनेशियाई प्रांत उत्तरी मालुकु में हल्माहेरा द्वीप पर माउंट इबू ज्वालामुखी में रविवार सुबह विस्फोट हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पीवीएमबीजी ने बताया कि ज्वालामुखी स्थानीय समयानुसार रात लगभग 12:37 बजे करीब 206 सेकंड के लिए फटा, जिससे उसकी चोटी से 3 हजार 500 मीटर ऊपर तक राख उठ गई। समुद्र तल से 1,325 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माउंट इबू ज्वालामुखी को हाईएस्ट लेवल चार से नीचे दूसरे खतरे के स्तर के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पीवीएमबीजी ने लोगों से क्रेटर (ज्वालामुखी पहाड़ का मुख) से 3.5 किलोमीटर के दायरे में गतिविधियां न करने का आह्वान किया है।

कनाडाई पीएम का खालिस्तानी प्रेम फिर दिखा, जस्टिन ट्रूडो के भाषण में लगे जिंदाबाद के नारे

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का खालिस्तान प्रेम फिर सामने आया है। टोरंटो शहर में मनाए गए खालसा डे पर जब वो भाषण देने मंच पर पहुंचे तो उनके स्वागत में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे। उन्होंने अपनी स्पीच में किसी भी कीमत पर सिख समुदाय की रक्षा करने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि वे सिख समुदाय के अधिकारों और स्वतंत्रता की हमेशा रक्षा करेंगे। खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से भारत और कनाडा के रिश्तों में पिछले कई महीनों से तल्खी देखने को मिली है। कनाडा भारतीय अधिकारियों पर निज्जर हत्याकांड में शामिल होने के संगीन आरोप लगाता रहा है। उधर, भारत ने इन आरोपों के जवाब में उससे कई बार सबूत मांगे, जो कनाडाई सरकार आज तक पेश नहीं कर पाई। कई मोर्चों को खालिस्तान को अपना समर्थन दे चुके कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने रविवार दोपहर खालसा दिवस परेड को संबोधित किया। उनकी सभा में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए।

जस्टिन ट्रूडो की यह टिप्पणी टोरंटो शहर में खालसा दिवस परेड के दौरान आई। वे अपनी सरकार के 4 कैबिनेट मंत्रियों और लिबरल पार्टी के चार सांसदों के साथ कार्यक्रम में पहुंचे थे। जैसे ही ट्रूडो मंच पर पहुंचे, कुछ लोगों ने सभा में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने सभा में ज्यादा लंबा भाषण नहीं दिया। उन्होंने सभा को संबोधित

करते हुए कहा, कनाडा में तकरीबन सिख समुदाय के 8 लाख लोग रहते हैं। हम कसम खाता हूं कि हम आपके अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हमेशा मौजूद रहेंगे और हमेशा नफरत और भेदभाव से आपके समुदाय की रक्षा करेंगे। ट्रूडो के भाषण में होती रही खालिस्तान जिंदाबाद की नारेबाजी जस्टिन ट्रूडो जितने समय सभा को संबोधित कर रहे थे, दर्शकदीर्घा में मौजूद लोगों द्वारा लगातार खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे थे। उन्होंने अपनी स्पीच में कहा, आपके पास बिना किसी से डरे और स्वतंत्र रूप से अपने धर्म की रक्षा करने और उसका पालन करने का अधिकार है। इसके लिए हम हमेशा आपके साथ खड़े रहेंगे और आपकी रक्षा करेंगे। हम आपके साथ हैं। ट्रूडो ने पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का अपने भाषण में जिक्र नहीं किया। बता दें कि निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडाई संसद में ट्रूडो के बयान पर भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंधों में खटास आ गई थी। ट्रूडो ने सीधे तौर पर भारत का नाम लिया था और दावा किया था कि निज्जर हत्याकांड में भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता थी। हालांकि ट्रूडो सरकार अभी तक भारत के खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाई है।

जापान की सत्तारूढ़ एलडीपी उपचुनाव में निचले सदन की तीन सीटें हारी

टोक्यो , एजेंसी। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) निचले सदन के लिए हुए तीन सीटों पर उपचुनाव हार गई है। विपक्ष को यहां बड़ी जीत मिली है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जापान की कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (सीडीपी) को रविवार को हुए तीन महत्वपूर्ण उप-चुनाव में बड़ी जीत मिली है। पिछले साल के अंत में एलडीपी के स्लश फंड घोटाले के सामने आने के बाद यह पहला चुनाव था जो शिमाने और नागासाकी प्रान्तों के साथ-साथ टोक्यो में भी आयोजित किया गया। ये सीटें पहले कंजर्वेटिव एलडीपी के पास थीं। स्थानीय विश्लेषकों ने बताया कि घोटाले के प्रति जनता का असंतोष इस चुनाव में देखने को मिला। एलडीपी महासचिव तोशिमित्सु मोतेगी ने जनता की तीखी प्रतिक्रिया का हवाला देते हुए प्रेस को बताया, पूरे चुनाव अभियान के दौरान हमें राजनीतिक रूप से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। किशिदा की पार्टी के सदस्यों ने रविवार के उप-चुनाव से पहले चेतावनी दी थी कि मतदाताओं के गुस्से के कारण अगले आम चुनाव के बाद सरकार बदल सकती है।

दक्षिण कोरिया का दावा, उत्तर कोरिया ने दोनों देशों को जोड़ने वाली सड़क पर बारूदी सुरंगें बिछाईं

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के एक सैन्य अधिकारी ने सोमवार को दावा किया कि उत्तर कोरिया ने सीमा पार सड़कों को बंद करने के लिए दोनों कोरिया को अलग करने वाले असैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) के भीतर एक अंतर-कोरियाई सड़क पर बारूदी सुरंगें स्थापित की हैं। योनहाप समाचार एजेंसी ने अधिकारी के हवाले से बताया कि सेना ने पिछले साल के अंत में सोल से 85 किमी उत्तर-पूर्व में चेओरवोन में एरोहेड हिल के पास डीएमजेड के अंदर कच्ची सड़क पर उत्तर की ओर से माइंस बिछाने का पता लगाया था। यह रास्ता 1950-53 के कोरियाई युद्ध के दौरान पहाड़ी के पास मारे गए लोगों के अवशेषों की खुदाई के संयुक्त प्रयासों के लिए दक्षिण और उत्तर को जोड़ने के लिए 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते के तहत बनाया गया था। पिछले साल के अंत से, उत्तर कोरिया ने दोनों कोरिया के बीच सभी सड़कों पर बारूदी सुरंगें लगा दी हैं। जनवरी में, उत्तर कोरियाई सैनिकों को दो अंतर-कोरियाई सड़कों - दक्षिण कोरिया के पश्चिमी सीमावर्ती शहर पाजू और उत्तर कोरिया के काएसोंग के बीच ग्योंगुई सड़क और पूर्वी तट के साथ डोंगहे सड़क- पर बारूदी सुरंगें लगाते हुए देखा गया था। पिछले महीने, सेना ने यह भी पाया था कि उत्तर कोरिया ने दोनों सड़कों पर दर्जनों स्ट्रीट लाइटें हटा दी हैं। यह कदम उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन द्वारा दक्षिण कोरिया के साथ एकीकरण की दशकों पुरानी नीति को खत्म करने और उनके संबंधों को एक-दूसरे के प्रति शत्रुतापूर्ण दो राज्यों के रूप में परिभाषित करने के आह्वान के बाद उठाया गया।

अमेरिका : ओक्लाहोमा में बवंडर आने से चार की मौत

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के ओक्लाहोमा में शनिवार रात से कई बड़े बवंडर आने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है। ओक्लाहोमा के गवर्नर केविन स्टिट ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्टिट के हवाले से रविवार को बताया कि दक्षिण ओक्लाहोमा में मुर्रे काउंटी के सर्वाधिक प्रभावित शहर सल्फर में कम से कम दो बड़े बवंडर के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और लगभग 30 अन्य घायल हो गए। कई घर और इमारतें नष्ट हो गईं। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, शहर के लिए बाढ़ की चेतावनी भी जारी की गई थी। स्टिट ने कहा, ऐसा लगता है जैसे यहां सल्फर में हर व्यापारिक प्रतिष्ठान नष्ट हो गया है। मेरे गवर्नर बनने के बाद से यह निश्चित रूप से ऐसी क्षति मैंने नहीं देखी है। होल्डनविले शहर में एक शिशु सहित दो अन्य की मौत हो गई। वहां कम से कम 14 घर भी क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए। स्थानीय मीडिया ने बताया कि चौथे व्यक्ति की मौत एक अंतरराज्यीय सड़क के पास हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि रविवार को लगभग 4.7 करोड़ लोगों को खराब मौसम का खतरा है, जब मिसौरी से टेक्सास तक तूफान, भारी बारिश और बड़े ओले गिरने का खतरा बना हुआ है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा, गंभीर मौसम के अलावा, कभी-कभी इन तूफानों के साथ तेज बारिश की भी संभावना है।

गाजा पर इजरायल की फिर एयर स्ट्राइक, कई घरों के ऊपर दागीं मिसाइलें, बच्चों समेत 13 की मौत

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने एक बार फिर से गाजा के ऊपर एयर स्ट्राइक कर दी है। राफा शहर में तीन घरों पर इजरायली हवाई हमलों में 13 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। हालांकि, हमास मीडिया आउटलेट्स ने मरने वालों की संख्या 15 बताई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गाजा शहर में इजरायली विमानों ने तीन घरों को निशाना बनाया, जिसमें कई लोग मारे गए और घायल हुए। महीनों से चल रही इजरायली बमबारी के कारण राफा में 10 लाख से अधिक लोगों ने शरण ली है, जहां इजरायल पर हमले करने के आरोप लग रहे हैं।

बीते शनिवार को इजरायली हवाई हमलों के कारण 22 फिलिस्तीनी मारे गए थे। इजरायली युद्धक विमानों ने मध्य गाजा में नुसीरात शरणार्थी शिविर में आबादी वाले घर को कई मिसाइलों से निशाना बनाया, जिसमें 4 बच्चों सहित 9 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई

और 30 अन्य घायल हो गए। चिकित्सा सूत्रों के अनुसार गाजा पट्टी के सुदूर दक्षिण में भी एक घर को निशाना बनाकर इजरायली हवाई हमला हुआ। इसमें 4 बच्चों सहित 6 फिलिस्तीनी मारे गए और 8 अन्य घायल हो गए। लड़ाकू विमानों ने पट्टी में 25 से अधिक साइटों को बनाया निशाना रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में युद्धक विमानों ने रफा के उत्तर में नासिर पड़ोस में एक घर को निशाना बनाया, जहां 7 फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। घायलों को शहर के अबू यूसुफ अल-नज्जर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। इस बीच, इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि लड़ाकू विमानों ने पट्टी में 25 से अधिक साइटों को निशाना बनाया, जिनमें सैन्य भवन, हथियार गोदाम और कई इमारतें शामिल हैं। दूसरी ओर, फिलिस्तीनी आंदोलन हमास ने एक वीडियो जारी कर गाजा में बंधक बनाए गए 2 और बंधकों के जीवित होने का पहला सबूत दिखाया है। रिपोर्ट में कहा गया कि जबरदस्ती फिल्माए गए फुटेज में ओमरी मिरान का कहना है कि उन्हें 202 दिनों के लिए हिरासत में रखा गया है। गाजा पट्टी में अब तक 34,000 से अधिक लोगों की मौत बीते साल 7 अक्टूबर को हमास ने गाजा से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया। इस दौरान 1,200 लोग मारे गए।

गाजा में युद्ध जारी रहा तो इजरायल के साथ कोई समझौता नहीं : हमास

गाजा , एजेंसी। हमास के एक अधिकारी ने कहा है कि इजरायल अगर गाजा में युद्ध समाप्त नहीं करता है तो वो उसके साथ कोई समझौता नहीं होगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी सामी अबू जुहरी ने रविवार को एक बयान में कहा कि समूह ऐसे किसी भी समझौते को स्वीकार नहीं करेगा जिसमें गाजा में युद्ध की समाप्ति शामिल नहीं है। अबू जुहरी ने कहा कि मध्यस्थों के माध्यम से इजरायल की प्रतिक्रिया का अध्ययन किया जा रहा है और इसके बारे में किसी फैसले पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। इससे पहले एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी ने हमास के साथ बंधक समझौते तक पहुंचने के प्रयास को निर्णायक बताया।

अधिकारी ने कहा, हम हमास नेता याह्या सिनवार की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजरायल ने उत्तरी गाजा में विस्थापित व्यक्तियों की वापसी के संबंध में महत्वपूर्ण रियायत दी है।

शनिवार को, हमास ने घोषणा की थी कि उसे गाजा युद्धविराम पर इजरायल की आधिकारिक प्रतिक्रिया मिली है, जिसे 13

अप्रैल को मध्यस्थ मिस्र और कतर को सौंप दिया गया था।

उस समय, हमास ने अपनी मांगों को दोहराया, जिनमें स्थायी युद्धविराम, गाजा से (इजरायली) सेना की वापसी, विस्थापितों की उनके क्षेत्रों और निवास स्थानों पर वापसी, पट्टी के लिए राहत और सहायता में वृद्धि और इसके पुनर्निर्माण की शुरुआत शामिल है।

इजरायल का अनुमान है कि गाजा में अभी भी लगभग 134 इजरायली बंधक हैं, जबकि हमास ने घोषणा की कि उनमें से 70 इजरायली अंधाधुंध हवाई हमलों में मारे गए हैं।

नहीं मान रहे नेतन्याहू, गाजा में कत्लेआम के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री का रियाद दौरा, 4 मुस्लिम देश भी जुटे

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी पर इजरायली सेना का कत्लेआम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को आईडीएफ ने गाजा पर फिर अटैक किया और 13 लोगों को मार डाला। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की युद्ध न छोड़ने की जिद के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंच गए हैं। यहां उनके अलावा मिस्र, सऊदी अरब, कतर, यूएई और जॉर्डन देशों के शीर्ष नेता भी जुटे हैं। यहां वे सभी गाजा के भविष्य पर चर्चा करेंगे। चर्चा इस बात पर भी होनी है कि इजरायली हमले के बाद गाजा पर किसकी हुकूमत चलेगी? अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा शुरू कर दी है। करीब छह महीने पहले इजराइल-हमास युद्ध के शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र का यह उनका सातवां राजनयिक मिशन है जिसमें वह इजराइल की यात्रा भी करेंगे। जहां उनके इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर गाजा में संघर्षविराम के लिए दबाव डालने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी गाजा में बड़े पैमाने पर निर्दोषों के कत्लेआम पर चिंता जता चुके हैं। हालांकि इससे उलट नेतन्याहू गाजा में अपने ऑपरेशन को सही बताते रहे हैं। रियाद में 4 मुस्लिम देश भी जुटे रियाद में, अमेरिकी राष्ट्रपति ब्लिंकन के वरिष्ठ सऊदी नेताओं से मिलने और पांच अरब देशों कतर, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक की उम्मीद है। अमेरिका के विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि चर्चा इस बात की जानी है कि युद्ध के बाद गाजा का क्या होगा? ब्लिंकन के अरब देशों और यूरोपीय राज्यों के साथ आने पर चर्चा करने की भी उम्मीद है। यह चर्चा भी जानी है कि इजरायली हमले के बाद श्मशान घाट हो चुके गाजा शहर के पुनर्निर्माण में यूरोप क्या भूमिका निभा सकता है? इजरायल-हमास युद्ध में कितना नुकसान इजरायली सेना आईडीएफ के आंकड़ों के अनुसार, फिलिस्तीनी आतंकी ग्रुप हमास के इस्लामी लड़ाकों ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 253 लोगों को बंधक बना लिया गया। इजरायल का दावा है कि उसके 100 से अधिक लोग अभी भी हमास के कब्जे में हैं। उधर, इजरायल के जवाबी हमले में गाजा शहर पूरी तरह से श्मशान बन चुका है। शहर में हवाई और जमीनी हमले में 34 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

यूनिसेफ की रिपोर्ट, अफगानिस्तान की स्थिति नाजुक, बीमारी से जूझ रहे 2.37 करोड़ लोग, मानवीय मदद की जरूरत

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने अपनी एक रिपोर्ट के जारी करते हुए कि अफगानिस्तान में 12.3 मिलियन बच्चों के साथ-साथ 23.7 मिलियन लोगों को भी मदद की आवश्यकता है। इस साल में अब तक खसरे के 14,570 मामले सामने आ चुके है, जिसमें से 71 मौतें हो चुकी हैं।

अफगानिस्तान के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान में जलवायु परिवर्तन, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के कारण लंबे समय से गरीबी बढ़ती जा रही है। बता दें कि यूनिसेफ ने मार्च में देश की मानवीय स्थिति पर रिपोर्ट जारी की है, जिसमें अफगानिस्तान को मानवीय सहायता की आवश्यकता पर बात की गई है। रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान 12.3 मिलियन बच्चों के साथ-साथ 23.7 मिलियन लोगों को मानवीय मदद की आवश्यकता है। स्थिति यहां तक बिगड़ी हुई है कि इस साल की शुरूआत से अब तक लगभग 71 मौतें दर्ज हुई हैं, वहीं 14,570 खसरे के मामले सामने आए हैं। बीमारों में 11,000 से अधिक बच्चे हैं, जिनकी उम्र 5 वर्ष से कम है। वहीं

6000 से अधिक महिलाएं इसका शिकार हुई हैं। यूनिसेफ ने अपने मानवीय साझेदारों से अफगानिस्तान में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। रिपोर्ट के अनुसार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता से अफगानिस्तान के केवल 35 प्रतिशत बच्चों को ही सुरक्षित किया गया है। बता दें कि सेव द चिल्ड्रन ने हाल ही में अफगानिस्तान के बच्चों की स्थिति पर चिंता व्यकत की है। अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन ने कहा कि पाकिस्तान से लौटने वाले 2,50,000 अफगान बच्चों को भोजन और आश्रय की कमी का सामना करना पड़ रहा है। 27 अप्रैल को विश्व खाद्य कार्यक्रम में बताया गया कि हर महीने छह मिलियन लोगों को भोजन के साथ-साथ नगद दिया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि यदि स्थिति में सुधार नहीं आता है तो अफगानिस्तान में लगभग 15.8 मिलियन लोग खाद्य असुरक्षा संकट से जूझेंगे। बता दें कि अफगानिस्तान में लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने 3.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बजट मांगा गया है।

संक्षिप्त समाचार

बठिंडा से निर्दलीय ही लोकसभा चुनाव लड़ेंगे मूसेवाला के पिता?

बठिंडा, एजेंसी। दिवंगत गायक शुभदीप सिंह सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह के बठिंडा से निर्दलीय के तौर पर लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलें हैं। इस लेकर, खासतौर से कांग्रेस के भीतर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और कांग्रेस के बठिंडा उम्मीदवार जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू आज बलकौर सिंह से मुलाकात करने वाले हैं। ये दोनों उनसे गांव में मानसा स्थित आवास पर मिल सकते हैं। ऐसी भी संभावना है कि कांग्रेस बलकौर को बठिंडा से टिकट दे सकती है। बलकौर सिंह हाल ही में आईवीएफ के जरिए दूसरे बेटे के पिता बने हैं। बीते दिनों उन्होंने अपने आवास पर स्थानीय लोगों के साथ बातचीत में राजनीति में उतरने और लोकसभा चुनाव लड़ने का संकेत दिया था। डॉ. मंजीत सिंह रंधावा मूसेवाला परिवार के करीबी है। उन्होंने दावा किया था कि वे बलकौर सिंह को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए मनाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि शनिवार को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पहले विधायक परगट सिंह से संपर्क किया गया। इसके बाद परिवार ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के उनके फैसले के बारे में कांग्रेस आलाकमान को सूचित कर दिया। बता दें कि मूसेवाला दिसंबर, 2021 में कांग्रेस में शामिल हुए थे। उन्होंने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में मनसा से चुनाव लड़े मगर आप के डॉ. विजय सिंगला से 63,323 वोटों के अंतर से हार गए। गायक की पिछले साल 29 मई को पंजाब के मनसा के जवाहर के गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गौरतलब है कि आईवीएफ प्रक्रिया से बलकौर की पत्नी के दूसरे बेटे को जन्म देने के मामले में काफी विवाद हुआ था। स्वास्थ्य विभाग के मुख्य सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। राज्य सरकार ने इसे गंभीर चूक करार दिया। उन्होंने स्वास्थ्य सचिव अजॉय शर्मा से दो सप्ताह के भीतर कारण बताने के लिए कहा था।

चुनाव प्रक्रिया दूषित करते हैं अपराधी छवि वाले नेता : इलाहाबाद हाईकोर्ट

इलाहाबाद, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों के चुनाव लड़ने पर अहम टिप्पणी की है। अदालत का कहना है कि अगर आपराधिक छवि वाले लोग चुने जाते है, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था को खतरा हो सकता है। उच्च न्यायालय ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह को अपहरण और जबरन वसूली मामले में जमानत देते हुए यह बात कही है। जस्टिस संजय कुमार सिंह ने सिंह के सजा निलंबित करने की अर्जी खारिज कर दी थी। साथ ही उच्च न्यायालय ने कहा, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग चुनाव प्रक्रिया को प्रदूषित करते हैं क्योंकि चुनाव जीतने के लिए अपराध में लिप्त होने को लेकर उन्हें कोई आपत्ति नहीं होती। जब लंबे आपराधिक इतिहास वाले व्यक्ति निर्वाचित प्रतिनिधि और कानून निर्माता बन जाते है, तो वे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा, जब ऐसे अपराधी नेता का भेष धारण करते हुए पूरी व्यवस्था का मजाक बनाते हैं तो हमारे लोकतंत्र का भविष्य संकट में पड़ जाता है। राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण खतरनाक है और यह भ्रष्टाचार बढ़ाने के साथ ही हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को खोखला करता रहा है। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा, इन सब तथ्यों पर विचार करते हुए कि गवाहों के मुकरने के कारण 28 आपराधिक मामलों में अपीलकर्ता धनंजय सिंह बरी हो गया और उसके खिलाफ अभी 10 आपराधिक मामले लंबित हैं, मुझे ऐसा कोई अच्छा आधार या विशेष कारण नहीं दिखाई पड़ता कि निचली अदालत के सजा के निर्णय पर रोक लगाई जाए। पूर्व सांसद धनंजय सिंह और उनके साथी संतोष विक्रम सिंह ने जौनपुर की अदालत के फैसले को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति सिंह ने 24 अप्रैल को निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

रेलवे ने दी दी बड़ी राहत, अब मोबाइल से अनारक्षित टिकट बुक करना हुआ और आसान

नईदिल्ली, एजेंसी। अनारक्षित टिकट पर सफर करने वाले रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। खबर है कि अब यात्री ॿस यानी अनरिजर्व्ड टिकट सिस्टम के जरिए कहीं से भी किसी भी स्टेशन से अनारक्षित टिकट बुक कर सकते हैं। हालांकि, यह सुविधा सिर्फ स्टेशन परिसर के बाहर मिल सकेगी। रेलवे ने जियो फेंसिंग की आंतरिक सीमा को बरकरार रखा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे अधिकारी सौरभ कटारिया का कहना है कि अब रेल यात्री घर बैठकर किसी भी स्टेशन से अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकते हैं। खास बात है कि जियो फेंसिंग की आंतरिक सीमा जारी रहेगी। इसका मतलब है कि नई सुविधा स्टेशन परिसर के बाहर ही मिल पाएगी। रेलवे ने जियो फेंसिंग की आउटर लिमिट को खत्म करने का फैसला किया है। खास बात है कि पहले जियो फेंसिंग की बाहरी सीमा 50 किमी थी। इसके तहत कोई भी यात्री 50 किमी के दायरे में स्टेशन से अनारक्षित या प्लेटफॉर्म टिकट खरीद सकता था।

अप्रैल में भीषण गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 43 डिग्री तक पहुंचा पारा

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल अप्रैल महीने में ही गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में रविवार का दिन सबसे गर्म रहा। 1921 के बाद अप्रैल महीने में इतनी गर्मी महसूस हुई है। चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़े अभी से इस कदर परेशान कर रहे हैं, मानो अप्रैल नहीं जून का महीना चल रहा हो। इतनी गर्मी इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि इसने केरल, ऊटी, माथेरान और बेंगलुरु के उन हिस्सों को झुलसाया, जहां आमतौर पर सालभर मौसम खुशनुमा रहता है। कई स्थानों पर पारा 43 तक पहुंचा। मौसम विभाग ने अब मई महीने को लेकर भी भविष्यवाणी की है।

अप्रैल महीने में पड़ी गर्मी ने देश के कई स्थानों में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 1921-2024 के दौरान अप्रैल महीने में पड़ी गर्मी को लेकर डेटा जारी किया है। जिसके मुताबिक, रविवार शाम को अत्यधिक तापमान दर्ज किया गया। आईएमडी की मानें तो यह देश के कई हिस्सों के लिए यह अब तक का सबसे गर्म महीना हो सकता है।

मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि भीषण गर्मी ने लोकसभा चुनाव के मतदान पर भी काफी असर डाला है। पहले दो चरणों में मतदान प्रतिशत 60 से 62 प्रतिशत के आसपास रहा है। अगले चरण के लिए होने वाले मतदान से पहले मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अगले पांच दिन और भी ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है।

लू के थपेड़ों को रहे तैयार : सोमवार को आईएमडी ने जानकारी दी कि पूर्वी और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में भीषण लू तक का असर देखने को मिल रहा है और अगले पांच दिनों के दौरान यह जारी रहेगा। चेतावनी जारी कि भीषण गर्मी का असर उन स्थानों पर सर्वाधिक रहेगा, जहां अगले दो चरणों में मतदान होना है। आईएमडी की भविष्यवाणी है कि अगले दो चरणों में मतदान के दौरान 191 सीटों में से 186 पर भीषण गर्मी देखने को मिल सकती है। इन स्थानों पर अगले पांच दिन तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों में अगले पांच दिन गंभीर हीटवेव की संभावना है। इसके अलावा रायलसीमा, आंतरिक कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भी लोगों को भीषण गर्मी झेलनी पड़ सकती है। आईएमडी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, गर्मी इतनी प्रचंड है कि हीटवेव इंडेक्स 40 से 50 डिग्री सेल्सियस तक महसूस किया जा रहा है। यहां तक ??कि केरल सहित पूर्वी तट और प्रायद्वीपीय क्षेत्र के कई हिस्सों में अलग-अलग क्षेत्रों में हीटवेव इंडेक्स 50 से 60 डिग्री सेल्सियस तक फील हुआ। कहां-कहां पड़ी भीषण गर्मी रविवार को केरल के अलप्पुझा में 38.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। लक्षद्वीप के अमीनिदिवि में 36.6 डिग्री सेल्सियस, आरोग्यवरम में 41.0 डिग्री सेल्सियस, पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में इस महीने 41.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बेंगलुरु में 38.5 डिग्री सेल्सियस, बंगाल के कैनिंग शहर में 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कटक में 43.7 डिग्री सेल्सियस, तमिलनाडु के धर्मपुरी में 41.2 डिग्री सेल्सियस, बंगाल के एक शहर डायमंड हार्बर में 41.3 डिग्री सेल्सियस, हल्दिया में 39.4 डिग्री सेल्सियस, कन्याकुमारी में 36.6 डिग्री सेल्सियस, कोच्चि में 37.3 डिग्री सेल्सियस, कोट्टायम में 38.5 डिग्री सेल्सियस, आंध्र प्रदेश के कुरनूल में 45.2 डिग्री सेल्सियस, महाराष्ट्र के माथेरान में 39.0 डिग्री सेल्सियस, आंध्र प्रदेश के नांदयाल में 45.6 डिग्री सेल्सियस, पलक्कड़ में 41.6 डिग्री सेल्सियस, बिहार के सुपौल में 41.4 डिग्री सेल्सियस, तिरुवनंतपुरम में 36.9 डिग्री सेल्सियस, त्रिशूर में 39.4 डिग्री सेल्सियस और विशाखापत्तनम में 35.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

कोटा में फिर एक स्टूडेंट ने दी जान, नहीं थम रहीं छात्र आत्महत्या की घटनाएं, इस साल 9 मौतें

कोटा, एजेंसी। कोटा में एक बार फिर एक कोचिंग छात्र ने जान दे दी। आत्महत्या करने वाला छात्र सुमित हरियाणा के रोहतक का निवासी था, जो कोटा में रहकर नेट की तैयारी कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद कुन्हाड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। साथ ही मृतक छात्र के परिजनों को घटना के बारे में सूचना दी। पुलिस छात्र के परिजनों के कोटा पहुंचने का इंतजार कर रही है।

शाम से ही छात्र नहीं खोल रहा था गेट : पुलिस ने बताया कि मृतक छात्र सुमित कुन्हाड़ी लैंडमार्क सिटी में उत्तम रेजिडेंसी नामक हॉस्टल में रह रहा था। छात्र शाम से ही अपने कमरे से बाहर नहीं निकला था। घरवाले भी उसे लगातार कॉल कर रहे थे। वह कोई जवाब नहीं दे रहा था। इसके बाद हॉस्टल वार्डन को इसकी जानकारी दी गई। वार्डन ने भी उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

कमरे में नहीं थी हैंगिंग डिवाइस : पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दरवाजा तोड़कर देखा तो छात्र फंदे पर लटका मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में पाया गया है कि जिस कमरे में छात्र ने फांसी लगाई थी, उसमें कोई हैंगिंग डिवाइस नहीं लगी हुई थी। अन्य कमरों को भी चेक किया गया तो उनमें भी हैंगिंग डिवाइस नहीं दिखी। इस मामले में हॉस्टल संचालक की लापरवाही सामने आई है।

अब तक 9 कोचिंग छात्रों ने दी अपनी जान : पहले भी कोचिंग छात्रों के सुसाइड मामलों में कमरों में हैंगिंग डिवाइस नहीं पाई गई है। ऐसे हॉस्टल के संचालकों के खिलाफ कार्रवाई कर हॉस्टल भी सीज किए गए हैं। कोटा में इस साल अब तक कुल 9 छात्रों ने सुसाइड किया है। इन छात्रों में बीटेक का स्टूडेंट भी शामिल है। नीट और जेईई की तैयारी करने वाले छात्रों के सुसाइड के पीछे मानसिक तनाव सामने आए हैं। प्रशासन की गाइडलाइंस भी छात्र आत्महत्याओं को नहीं रोक पा रही है।

राघव चड्ढा की तुलना विजय माल्या से करने पर पंजाब में यूट्यूब चैनल के खिलाफ एफआईआर

नईदिल्ली, एजेंसी। आप सांसद राघव चड्ढा की भगोड़े कारोबारी विजय माल्या से कथित तौर पर तुलना करने वाले एक YouTube चैनल के खिलाफ पंजाब पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने लुधियाना लोकसभा सीट से आम आदमी पार्टी उम्मीदवार अशोक पप्पी पाराशर के बेटे विकास पाराशर की शिकायत पर स्नढ्ढक्रदर्ज की है। यूट्यूब चैनल पर दिल्ली शराब घोटाले को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने जैसे आरोप लगाए गए हैं। कैपिटल टीवी नाम के चैनल के खिलाफ लुधियाना के शिमलापुरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, डीसीपी जसकिरनजीत सिंह तेजा का कहना है, शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। जांच भी शुरू की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्नढ्ढक्रमें कहा गया है कि यूट्यूब चैनल पर कुछ आपत्तिजनक वीडियो चलाए जा रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि विजय माल्या जनता का रुपया लेकर ब्रिटेन भाग गया और उसी तरह राज्यसभा सदस्य पंजाब के युवाओं को चित्ता की लत में झोंककर आंखों के इलाज के नाम पर इंग्लैंड भाग गए। आप ने उम्मीदवारों से रुपया लेने के बाद सांसद के टिकट बांटे हैं। आगे कहा गया, आप के राज्यसभा सदस्य प्रीत गिल से मिलते हैं।

चुनाव में फिर गूंजने लगा मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा, कर्नाटक में भाजपा भी नहीं हटा पाई थी

बेंगलुरु, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के दौरान एक बार फिर मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा गूंजने लगा है। कर्नाटक में ओबीसी कोटे के अंतरगत ही मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा नया नहीं है। लंबे समय से इस मामले पर बहस चल रही है। वहीं हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मुस्लिम आरक्षण को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस चाहती है कि लोगों की संपत्ति लेकर उन लोगों में बांट दी जाए जो ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। आइए जानते हैं कि आखिर कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा कितना पुराना है और इसपर किस तरह से राजनीति होती आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जनसभा के दौरान कहा था कि कांग्रेस चाहती है एस, एसटी और ओबीसी का कोटा मुस्लिमों को दे दिया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि पूरे देश के पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहले कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 5 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण लागू किया जाए। उन्होने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने ही ओबीसी की सूची में मुसलमानों को भी शामिल किया था। ऐसे में कांग्रेस की सरकार धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेज का डेटा कहता है कि कर्नाटक में 12.9 फीसदी मुस्लिम आबादी है। ओबीसी को मिले 32 फीसदी आरक्षण में ही चार फीसदी मुस्लिमों को दिया जाता है। एनसीबीसी के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने कहा था कि इस मामले में वह कर्नाटक के चीफ सेक्रेटरी को समन करेंगे और उनसे पूछेंगे कि आखिर ओबीसी कोटा में इस तरह का वर्गीकरण क्यों किया गया। इतिहास पर नजर डालें तो राज्य के पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन रहे एलजी हावनूर ने 1975 में ही तत्कालीन सरकार के सामने एक रिपोर्ट पेश की थी। इसमें कहा गया था कि ओबीसी आरक्षण के तहत मुसलमान भी आरक्षण के योग्य हैं। इसके बाद 1977 में मुस्लिमों के आरक्षण के लिए निर्देश जारी कर दिए गए। इसके बाद रेड्डी कमीशन ने मुस्लिों को ओबीसी की लिस्ट में कैटिगरी 3 के तहत आरक्षण देने का प्रस्ताव रखा। राज्य में कांग्रेस की वीरप्पा मोइली की सरकार ने ओबीसी में 2बी कैटिगरी के तहत मुसलमानों, बौद्धों और क्रिश्चियन बने दलितों को 6 फीसदी का आरक्षण दिया गया। इसमें से दो फीसदी बौद्धौं और ईसाइयों को और चार फीसदी मुसलमानों को दिया गया। हालांकि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया और कोर्ट ने कहा कि कुल आरक्षण 50 फीसदी के पार नहीं जा सकता।

छत्तीसगढ़ में फिर गरमाया धर्मांतरण का मुद्दा, हिंदू संगठन ने खोला मोर्चा, जमकर धक्का मुक्की

राजनांदगांव, एजेंसी। वर्तमान समय में धर्मांतरण एक बड़ा मुद्दा बन चुका है एक तरफ धर्मांतरण करने का कुछ अल्पसंख्यक धर्म प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी तरफ बहुसंख्यक समाज के सामाजिक कार्यकर्ता धर्मांतरण को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। राजनांदगांव रिद्धि सिद्धि स्थित कॉलोनी केरला समाज भवन में धर्मांतरण का मामला सामने आया है। केरल समाज के भवन में बहुत दिनों से धर्म परिवर्तन संबंधी कुछ संदिग्ध गतिविधियां चल रही थी। जिसकी बाद कॉलोनी वालों की शिकायत के बाद बजरंग दल और वार्ड नंबर 45 के पार्षद और अन्य हिंदू संगठन नेता केरल समाज भवन पहुंचकर धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों को बंद कराया और पुलिस को शिकायत की गई है। इस मामले को लेकर वार्ड नंबर 45 रिद्धि सिद्धि स्थित केरला के पार्षद गगन ने बताया कि बहुत दिनों से शिकायत मिल रही थी। वहां एक भगवान विशेष का जोर-जोर से पूजा की जाती थी जिससे कॉलोनी निवासी और बच्चे घबराए थे। यहां जमकर कर शोर होता था। जिसमें अन्य धर्म के भी लोग शामिल थे। पार्षद ने मामले में धर्म परिवर्तन के लिए गरीबों को पैसे का प्रलोभन देने का आरोप लगाया है। वहीं विश्व हिंदू परिषद के अरुण गुप्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि भूत प्रेत बाधा के नाम से एक हिन्दू धर्म के भोले भाले लोगो को केरला भवन में लाया जाता था। जिसमें केरल से भी आये कई व्यक्ति शामिल होते है। साथ ही आरोप लगाया कि केरला भवन में भोले भाले व्यक्ति के साथ मारपीट कर बाइबल भी पढ़ाई जाती है और उनको एक ईसाई धर्म को अपनाने के लिए छ्ल कपट के माध्यम से प्रयास किया जाता है। धर्म परिवर्तन के लिए प्रलोभन दिया जाता है। अरुण गुप्ता ने आरोप लगाया है यह विदेशी ताकत है जिसमें राजनांदगांव से लड़ने वाले एक पार्टी के सांसद प्रत्याशी भी शामिल है। इसके साथ ही मोहल्ले वासी गायत्री साहू ने बताया उनके घर के बाजू में केरला भवन है जहां रोज खूब हल्ला गुल्ला होता है और यीशु मसीह की प्रार्थना होती है। यहां भोले भाले लोगों को बुलाया जाता है और उनका धर्म परिवर्तित कराया जाता है। वहीं इस मामले को लेकर धर्म परिवर्तन का आरोप प्रभा पर लगा है।

मेहंदी छूटने से पहले उठी अर्थी! शादी के 8वें दिन हत्या, बाइक न मिलने से नाराज थे ससुराल वाले

उन्नाव, एजेंसी। उन्नाव के शुक्लागंज में गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के अखलॉक नगर में दहेज की मांग न पूरी होने पर ससुरालियों ने नवविवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी। अभी आठ दिन पहले ही शादी हुई थी। ससुराल वाले बाइक न मिलने से नाराज थे। पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में विधिक कार्रवाई। युवती के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्जकर पति को गिरफ्तार कर लिया है। पोस्टमार्टम में मुंह दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। जाजमऊ आंबेडकर नगर नई बस्ती नूरी रोड निवासी जुम्मन की 21 वर्षीय बेटी चांदनी की शादी 21 अप्रैल 2024 को अखलाक नगर निवासी नदीम पुत्र रफीक के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति नदीम, ससुर रफीक, सास आमना, ननद उजाला और देवर नईम चांदनी को प्रताड़ित करने लगे और मायके से बाइक लाने का दबाव बनाने लगे। चांदनी के भाई मंसूर ने बताया कि बाइक की मांग पूरी न होने पर ससुरालयों ने बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। पास में खून से सनी तकिया रखी थी। उसने बताया कि रविवार सुबह उसे फोन कर बताया गया कि चांदनी की मौत हो गई है। आकर शव ले जाओ। वह परिवार के साथ पहुंचा तो चांदनी के नाक और मुंह से खून निकल रहा था। यह देख मायके वालों ने हंगामा काटना शुरू कर दिया। जानकारी पर गंगाघाट इंस्पेक्टर रामफल प्रजापति पहुंचे। उन्होंने मायके पक्ष के लोगों को शांत कराया। आलाधिकारियों को जानकारी दी तो मजिस्ट्रेट यशवंत सिंह पहुंचे। उनकी देखरेख में शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। भाई मंसूर की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, ससुर, ननद व देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पति को पकड़ भी लिया गया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। क्षेत्राधिकारी नगर मामले की जांच करेंगी। बहन साइना ने बताया कि दो दिन पहले नदीम ने अपनी मां पर चाकू से हमला किया था। उसकी बहन ने ही बीच बचाव किया था। इधर दहेज की मांग न पूरी होने पर अब उसे ही मौत के घाट उतार दिया। चांदनी की शादी के महज आठ दिन हुए थे। अभी हाथों तक मेहंदी नहीं छूटी थी। रविवार को उसकी अर्थी उठी तो वहां मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गई।

करोड़पति और आपराधिक छवि वाले उम्मीदवार अधिक जीत रहे : एडीआर रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकतंत्र के मंदिर यानी देश की संसद में पहुंचने के लिए होने वाले चुनाव में धन और बाहुबल का बोलबाला है। लोकसभा चुनाव में जो जितना धनवान और बाहुबल यानी आपराधिक छवि वाले उम्मीदवार हैं, उनके जीत की संभावना उतनी ही अधिक प्रबल होती है। इसका खुलासा देश की राजनीति और चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखने वाले गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स' की रिपोर्ट से हुआ है। इस रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चला है कि लोकसभा के हर चुनाव में करोड़पति और आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों की जीत की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 के चुनाव में लोकसभा की कुल 543 में से 454 यानी 88 फीसदी सीटों पर करोड़पति उम्मीदवारों को जीत मिली। जबकि 266 यानी 43 फीसदी सीटों पर आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को लोगों ने चुनाव में जिताया।

एडीआर की रिपोर्ट को देखने से साफ बता चलता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भी धन और बाहुबल वाले उम्मीदवारों की जीत की संभावना अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में कुल 7,945 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इनमें 29 फीसदी यानी 2301 उम्मीदवार करोड़पति थे, जबकि 19 फीसदी यानी 1503 उम्मीदवार

आपराधिक छवि वाले थे, जिनके खिलाफ एक या इससे अधिक आपराधिक मुकदमा दर्ज थे। 2024 के चुनाव में भी 2019 की तरह करोड़पति और अपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों की संख्या में कमी नहीं हुई।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों ने करोड़पति और आपराधिक छवि वाले लोगों पर भरोसा जताया है। इस चुनाव के पहले दो चरणों के लिए 189 सीटों के लिए मतदान हुआ है और इन सीटों में चुनाव लड़ने वाले 2,810 उम्मीदवारों में 18 प्रतिशत यानी 501 आपराधिक छवि वाले और 30 फीसदी यानी 840 करोड़पति उम्मीदवार हैं। पहले चरण की तुलना में दूसरे में अधिक करोड़पति इस लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों के लिए 19 अप्रैल को हुए मतदान के लिए 16 फीसदी आपराधिक छवि वाले 28 फीसदी करोड़पति उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे, जबकि दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को हुए मतदान के लिए 21 फीसदी आपराधिक छवि वाले और 33 फीसदी करोड़पति उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। अभी 2024 के चुनाव का अन्य चरणों के उम्मीदवारों के बारे में रिपोर्ट मिलना बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में आपराधिक छवि वाले उम्मीदवार के चुनाव जीतने की संभावना 15.5 फीसदी थी।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकाता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।